

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ਚਂ• 22] No 22] नई विल्ली, शमिवार, जून 13, 1981/ज्यैष्ठ 23, 1903 NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1981/JYAISTHA 23, 1903

इस भाग में भिन्न पूछ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रहा का सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—खण्ड 3—जप-खण्ड (iii) Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) क्षेत्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आबेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

## भारत निर्वाचन आयोग

मावेश

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1981

आं अं 404.—यत', निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 293-ईचागड़ विधान सभा निर्वाचन केल चुनाव लड़ने वाले समीववार श्री तुर्गा पदो देथ, ग्राम कान्यरबेडा, डाकघर कान्यरबेडा, जिला सिह्भूम, बिहार श्रोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनयम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रापेक्षिल भपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसकत रहे हैं।

भौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूक्ष्मा दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथता स्पट्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उपके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

ग्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतदहारा उक्त श्री दुर्गा पदो दे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस मादेश की तारीख तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्रोहन घोषित करता है।

सिं बहार-वि सं / 293/80(21)]

# ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 12th March, 1981

O.N. 404.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Durga Pado Dey, vill. Kandarbera, P.O. Kandarbera, Distt. Singbhum, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 293-Ichagarh constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all within maner within time as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Durga Pado Dey to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/293/80(21)]

मा॰भं 405.—पतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 293-ईनागढ़ निधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदनार श्री बुलाल माझी, ग्राम मिरुडीह, पो० चोका, जिला सिह्भूम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व धिधिनियम, 1951 तथा तबद्यीन बनाए गए नियमो द्वारा धपेक्षित धपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में घसफल रहे हैं;

भीर, यत, अक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफनता के लिए कोई कारण ग्रथमा सम्ब्दीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रावीग का यह समाधान हो नग है कि उनके पान इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतदबारा उक्त श्री दुलान माझी को संसद के किसी भी सदन के के या किसी राज्य की विधान समा अथता विधान परिषद के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से शीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहिन घोषित करता है।

# [सं० बिहार०-वि०स०/293/80(22)]

O.N. 405.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dulal Majhi, Vill. Mirudih, P.O. Chouka, Distt. Singhbhum, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in March, 1981 from 293-Ichagarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as requided by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dulal Majhi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/293/80(22)]

## नई दिल्ली, 17 मार्च 1981

आंश्वर 406.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980, में हुए बिहार विधान ममा के लिए नाधारण निर्वाचन कि लिए 274-गौन्डे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ ने बाले उम्मीदरबा श्री सलखान सोरेन, प्राम झलकडीह पो० टिकलटो, जिला गिरिडीह, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तबधीन बनाए गए नियमो द्वारा सपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्यापो का कोई भी लेखा दाखिल करने में झसफल रहे हैं;

भीर यतः उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, भीर निर्वाचन मायोग का यह समाधान हो गया है कि उपके पास इस मसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायी। जत नही है।

धतः म्रास, उमत धिधिनयम कि धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवहारा उमत श्री सलखन सोरेन को संसव के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा धयवा विधान परिवद के मदस्य चुमें जाने भीर होने के लिए इस धावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राष्ट्रण घोषित करशा है।

[सं० बिहार-वि०स०/274/80(23)]

#### New Delhi, the 17th March, 1981

O.N. 406.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Salkhan Soren, vill. Ihalakdiha, P.O. Tilkato, Distt. Giridih, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 274-Gandev constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Salkhan Soren to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/274/80(23)]

भाजम ० 407.— यत, निर्वाचन श्रायोग का समाधाम हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 244 सखदुमपुर निर्वाचन के लिए 244 सखदुमपुर निर्वाचन के से चुनाव लड़ वे वाले उस्मीदवार श्री प्रथम नारायण यादव, प्राम परडीह, गो० सरेन, जिना गया, तिहार, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियनों द्वारा धपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा श्राधित करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीवकार ने, सम्यक सूचना किए जाने पर भी, इस धमफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग का यह मभाधान हो गया है कि उनके पास इस धमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है,

चतः प्रवः, उनन प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रभुमारण में निर्वाचन प्रायोग एतवहारा उक्त श्री प्याम नारारयण यावय को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषव के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इप श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/244/80/(24)]

O.N. 407.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Narain Yadav, vill. Kumardih, Post Saren. Distt. Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly or Legislative Council of a State from 244-Makhdumpore constituency, has failed to lodge an arcount of his election expenses at all as required by the Repersentation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Plection Commission hereby declares the said Shri Shyam Narain Yaday to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/244/80(24)]

क्षां अ० 40 8.— यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 245- जहानाबाद निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जंगबहातुर सिंह, प्राम मिकरिया, पो० मेवाड सिकरिया, जिला, गया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व भविनियम, 1951 तथा तदधीन अनाए गए निममों द्वारा भपेक्षित भपने निर्वाचन क्यां का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

भीर यत', उकत उम्मीववार ने, सम्धक सूचना विए जाने पर मी; इस झसफलता के लिए कोई करण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस झसफ-लता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

ग्रतः, भन, जन्म प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वावन भायोग एतवड़ारा जन्त श्री जंगबहादुर सिंह को संमव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषव के सवस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भावेण की तारीखा से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्महत घोषित करता है।

स० विहार-वि०स०/245/80(25)

O.N. 408.—Whereas the Election Commission is satisfied Jang Bahadur Singh, vill. Sikariya, P.O. Bhewad Sikariya, Distr. Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 245-Jahanabad assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jang Bahadur Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/245/80(25)]

आ०अ० 409.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया जि मई, 1980 में हुए बिहार विधान ममा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उपारण निर्वाचन के लिए उपारण निर्वाचन के लिए 245 जहानाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री राम दीप मिह, नोकटोला, तीनाई विगहा, पो० पन्हुई, जिला गया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तरधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यत, उक्त उम्मीदबार मे, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण अयवा स्पष्टीकरण महीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भमकनता के कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

भतः, अब उनत अधिनियम की धारा 10-क भनुसरण में निर्वाचन भामोग एतदब्रारा उनत श्री राम दोप सिंह को ससद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान परिचार के नवस्य चुी जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख ने तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत चोषित करता है।

[स॰ बिहार-वि॰ स॰/245/80 (26)]

O.N. 409.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramdip Singh, vill. Naurutola, Tital Bigha, P.O. Pandue, Dist. Gaya a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 245-Jahanabad assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramdip Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/245/80(26)]

भीर, यतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायांग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस भसफनता के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

भतः, भव, उक्त भिभित्यम की धारा 10-क के भनुभरण में निर्वाचन भायोग एतदहारा उक्त श्री सचिता नन्त सभी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभी अथवा विद्यान परिषद में सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्स्तित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०सं०/245/80(27)]

O.N. 410.—Whereas the Election Commissoin is satisfied that Shri Sachidanand Sharma of vill. & P. O. Puran, Distt. Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 245-Jahanabad assembly constituency, held in May, 1981, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sachidanand Sharma, to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/245/80(27)]

# मद विल्ली, 19 मार्च, 1981

भा०अ० 411.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 296-मजगंव (प्र०ज०जा०) निर्वाचन-केन्न से चुनाव सड़ने वाले जम्मीववार श्री दुरमू काजुन्डिया, ग्राम उक्तुगृट, पो० तंतपनगर जिला सिह्भुम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व भाधिनियम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा बाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं।

भौर यस., उक्त उम्मीवयार ने, उसे सम्यक सूचना विए जाने पर भी अपनी इस ग्रसफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टोकरण नहीं विधा है, भौर निर्चाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भस्रफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है।

ग्रन भ्रम, उक्त प्रीविधिया की घाटा 10 के भ्रमुसरण में निर्वाचन ग्रामोग एतवहारा उक्त श्री दूरमू कानुण्डिया को संसद के किसी भा सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिवद के सदस्य भुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भावेश की तारोख से तीन वर्ष भी कालाब्याध के लिये निर्दाहत धोषित करता है

[सं० बिहार-वि•स०/298/30(34)]

New Delhi, the 9th March, 1981

O.N. 411.—Whereas the that Shri Durmu Kalundia, vill. Ukugutu, P.O. Tautnagar, Distt. Singhbhum, Bihar a contes'ing candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 296-Majhgaon (ST) assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thercunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure

and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Durmu Kalundia, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/296/80(34)]

आंक्षि 412.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि
मई 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के
लिए 296-मझगांव (प्राव्जाव) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले
उम्मीदवार श्री नेहरस नारायण नायक, ग्राम धई, पोव टोन्टो, याना
मंझारी, जिला सिह्भूम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा
सब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई
भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

धौर, यतः, उक्त उम्मीवनार ने, उसे सम्यकः सूचना विए जाने पर भी धपनी उस धसफलता के लिए कोई कारण धयना स्पष्टीकरण नहीं दिया है, धौर निर्वाचन धायोग का यह भी समाधान हो गया कि उसके पास इस धसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः, प्रय उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री नेहरूस नारायण नायक को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की निधान सभा प्रथवा निधान परिषद के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भावेग की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित भोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/296/80(35)]

O.N. 412.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nehrus Narayan Nayak, vill. Thai, P.O. Tonto P.S. Manghari Distt. Singhbhum, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 296-Majhgaon assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

N)w, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nehrus Narayan Nayak, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/296/80(35)]

# नई विल्ली, 6 मप्रैल, 1981

आं अं 413.—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि घर, 1980 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 104 फूलवनी (अं जार) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुरा नायक, स्थान तथा पो० हरभंगा, थाना-दरभंगा, जिला फूलतूनी (उड़ीसा), लोक प्रतिनिधित्य श्रीधनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारां घपेक्षित घपने निर्वाचन व्यथों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर, मतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये आने पर भी भपनी उस प्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण 'नहीं दिया है, भौर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य महीं है, धतः, धन, उनत प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतदक्कारा उक्त श्री ठाकुरा नायक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्हाहत जीवित करता है।

[सं० उड़ीमा वि०स०/104/80(18)]

#### New Delhi, the 6th April, 1981

O.N. 413.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Thakura Nayak, At/P.O. Harghanga, P.S. Harbhanga, District Phulbani (Orissa), a contesting candate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 104-Phulbani (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakura Nayak to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/104/80(18)]

## नई दिल्ली, 7 मंत्रेल, 1981

आंश्वर 414.—यतः, निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 121-पाललहारा निर्वाचन-भीन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार एडबोकेट रिवनारायण नाहक, ग्राम तथा पो० तालचेर, जिला घेनकानल (उड़ीसा), लोक प्रतिनिधित्व, प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहे हैं;

भीर, श्रव, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है;

भतः, धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री एडवोकेट रिवनारायण नाहक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ उड़ीसा वि॰स॰/121/80(19)]

# New Delhi, the 7 April, 1981

O.N. 414.—Whereas the Election Commission is satisfied that Advocate Rabinarayan Nahak, vill, and P.O. Talcher, Distt. Dhenkanal (Orisa), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 121-Pallahara constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rabinarayan Nahak to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/121/80(19)]

## नई विल्ली, 8 मन्नैल, 1981

आंध्या 415.— यत, : निर्वाचन झायोग का समाझान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103-उदयगिरि (अव्यव्याव) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-बार श्री गौड़ चन्छ मल्लिक, ग्राम तथा पोव भोजीमुण्डा, याना उदयगिरि, जिला फूलबनी (उड़ीसा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्याचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर, यसः, उनत उम्मीदवार ने, उसे सम्यक्ष सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई प्रयन्ति कारण या न्यायोचित्य मही है;

धतः, सब, उक्त ब्राधिनयम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भाषोग एतवधारा उक्त श्री गौड़ चन्त्र मिललक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा घथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस, घादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहत घोषित करता है।

[सं॰ उड़ीसा-वि॰स॰/103/80(20)]

## New Delhi, the 8th April, 1981

O.N. 415.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gour Chandra Mallik, Vill. & P.O. Bodimunda, P.S. Udayagiri, District Phulbani (Orissa), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 103-Udayagiri (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gour Chandra Mallik to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/103/80(20)]

## नई विस्ली, 14 मप्रैल, 1981

आं०अ० 416.— यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उड़ीसा बिधान मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 45-घोववार निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बिनोद हुमार मिश्रा, स्थान बहुगणसाधन, तालचेर, पो० तालचेर, जिला घेनकामल (उड़ीसा), लोक प्रतिनिधित्व धर्धिनिथम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित घ्रपने निर्वाचन अपयों का कोई भी लेखा वाखिल करने में घ्रसफल रहे हैं;

भौर, यतः, जनत जम्मीदवार द्वारा दिए गए घभ्यावेदन पर किचार करने के पश्चात, निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि जसके पास इस भसफलता के लिए कोई प्रयप्ति कारण या न्यायौचित्य महीं है,

मतः, भव, उनत मिनियम की धारा 10-क के म्रतुसरण में निर्वाचन भागोग एतवद्वारा उक्त श्री विनोद कुमार मिश्रा को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत गोवित करता है।

> [सं॰ उड़ीसा-वि॰स॰/45/80(21)] सतीश चन्द्र जैन, ग्रवर सचिव

#### New Delhi, the 14th April, 1981

O.N. 416.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Binod Kumar Mishra, At Brahmansasan, Talcher, P.O. Talcher, District Dhenkanal (Orissa), a contesting candidate for general election to the Orissa Legislative Assembly from 45-Choudwar assembly constituency, held in May. 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Binod Kumar Mishra, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/45/80(21)] S. C. JAIN, Under Secy.

#### आदेश

## नई विल्ली, 24 अप्रैल, 1981

भा०अ० 417.— यतः, निविचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निविचन के लिए 405-खतौली निविचन केन्न से चुनान लड़ने चाले उम्मीववार श्री इकबाल सिंह, 593/19 लददायाला, मुजफ्फरनगर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व धाधिनियम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित धपने निविचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने भे धसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक्त सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कीई कारण, भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इन असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतदद्वारा उक्त श्री इकवाल सिंह की संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रमका विधान परिषद के सबस्य भुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निरहित धोषित करता है।

[सं॰ उ०प्र॰-वि॰स॰/४०5/80(150)]

#### **ORDERS**

## New Delhi, the 24th April, 1981

O.N. 417.—Whereas the that Shri Iqbal Singh, 593/19, Mohalla-I addhawala, Muzaffarnagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 405-Khatauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Iqbal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this older.

[No. UP-LA/405/80(150)]

आंश्या 418.—यतः, निर्वाचन पायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 405-खतीली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव सकृते बाले उम्मीदवार श्री भजमोहन, 201-भोषा रोड, मई मंडी, मुजयफरनगर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रापेक्षित ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं:

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार नं, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसफारता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारणया न्यायौचिस्य नहीं हैं;

धतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन धायोग एतदद्वारा उक्त श्री क्रजमोहन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/405/80(151)]

O.N. 418.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Brij Mohan, 201-Bhopa Road, New Mandi, Muzaffarnagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 405-Khatauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Brij Mohan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/405/80(151)]

क्षा॰ अ० 419.— यतः, निर्धाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 405-खतौली निर्धाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लाल सिंह, म०नं० 57, मो० माल्ह्रपुरा, सरवर रोड, मुजफ्फरमगर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व द्यक्षिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों ढारा हारेकित प्रपने निर्धाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यत:, उन्त उम्मीवबार ने, सम्यक सूथना विए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त धिनियम की धारा 10-क के प्रतुमरण में निर्वाचन धायोग एतद्द्वारा उक्त श्री लाल सिंह को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद के सदस्य भुने जाने घौर होने के लिए इस धावेश की नारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहिन घोषित करता है।

[मं० उ०प्र०-बि॰म०/405/80(152)]

O.N. 419.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Singh, H. No. 57, Malhupura, Sarbar Road, Muzaffarnagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 405-Khatauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/405/80(152)]

राज्या 420 — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो भया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश निधान सभा के लिए साधारण निविचन के लिए 405-खतौली निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने बाले उम्मीववार की सेवा राम, ग्रां हलीली, डां सिसोली, जिला मुजन्करनगर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व क्रिंधनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेकित प्रपने निविचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ससकत रहे हैं ;

ष्ट्रीर यतः, उक्त उम्मीवनार में, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथना स्पव्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्याचन आयोग का यह समाधान हो गया कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है ;

भतः भव, उक्त भिविषय की धारा 10-क के भनुसरण में निविषय भायोग एतव्द्वारा उक्त श्री सेवा राम को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा भवना निधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं০ ૩০ ४०-वि० । 405/80 (153)]

O.N. 420.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sewa Ram, Village Haloli, P.O. Sisauli, Distt. Muzaffarnagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 405-Khatauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sewa Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/405/80(153)]

# मई किल्मी, 28 अप्रैल 1981

भा० अ० 421.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेण से लोक समा के लिए साधारण विश्वाचन के लिए 67-क्यों जिन्होंचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-धार श्री वीपचन्द, ग्रा० रतनपुर, पो० ग्रा० वेलाम सर्येगा, जिला फर्ठखा-धाद (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 नथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन सपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाख्यन करने में सरफल रहे हैं ;

धौर यतः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ध्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पब्टीकरण नही दिया है धौर निर्वाचन ध्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इम ध्रमफानता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौधित्य नहीं है;

भ्रतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के धनुमरण में निविधन भाषोग एतव्हारा उक्त श्री दीपचन्द को संसव के किसी भी सवन के था किसी राज्य की विधान सभा अववा विधान परिषय के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत घोषित करना है।

[सं॰ उ॰ प्र॰-सो॰ स॰/67/80(42)]

# New Delhi, the 28th April, 1981

O.N. 421.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Deep Chand, Village Ratanpur, P.O. Belamau Saraya, Distt. Farrukhabud (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 67-Kannauj constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Drep Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/67/80(42)]

आ० अ० 422 — यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 67-कन्नीज निर्वाचन केव से खुनाव लड़ने वाले उम्मीववार भी स्थाम सिंह यावव, ग्रा० लह्टूरिया, पो० ग्रा० ग्रछलवा, जिला इटावा (उ० प्र०), लोक प्रनितिधित्य ग्रिधिनियम, 1951 नथा तद्द्रीन बनाए गए नियमों द्वारा श्र्येकिन ग्रपने निर्वाचन रुपयों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

धौर यतः, उत्त उत्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असम्भन्ता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचिम आयोग का यह समाधान हो गया है कि उपने पास इस असंफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित नहीं है;

म्रतः स्था, उक्त भिवित्यम की घारा 10-क के अनुभरण में निर्वाचन सायोग एतब्दारा उक्त श्री क्याम मिह यादव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधान करता है।

[मं० उ० प्र०न्सी० स०/67/80(43)]

O.N. 422.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Singh Yadav, Village Lahturia, P.O. Achhalda, Distt. Etawah (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 67-Kannauj constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Singh Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/67/80(43)]

आरं अरं 423 --- ययः, निर्वाचन ग्रायोग का मसाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश में लोग सभा के लिए साधार ण निर्वाचन के लिए 87 कश्रोज निर्वाधन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री बटेश्वर द्याल निवारी, एडवोकेंट, 31-छगाटी, छित्रगमअ, जिला फर्ककावाद (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधिस्य श्रीकितमम, 1951 सथा महाधीन बनाए गए नियमों हारा श्रीकित धपने निर्वाधन व्ययों का कोई लेखा याखिल करने में असफल रहे हैं ;

न्नीर यम, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस क्षमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पटीकरण नही दिशा है ग्रीर निर्वाचन मामोग का यह ममाधान हो गया है कि उनके पास इस जनकरा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौधित्य नही है;

ग्रन श्रव, उक्त प्रक्षितियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वावन धायोग एतव्हारा उक्त श्री बटेश्वर वयान निवारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की निवान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रविण की तारीख से नीत वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन बोपित करना है।

[ম০ ব০ ম০-পাঁ০ শ০/67/80(44)]

ON. 423.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bateshwar Dayal Tiwari, Advocate, 31-Chhapatti, Chlubramu, Distt. Farrukhabad (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 67-Kannauj constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the fallure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bateshwar Dayal Tiwari to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/67/80(44)]

भार पर 424.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 67-कन्नोज निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाने उम्मीव-बार श्री गोविंद कृष्ण शर्मा, प्रार होमगंत्र, भरचना, जिना इटाता (उ०-प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्द्वीन बनाए गए नियमी द्वारा भनेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिन करने में असफल रहे हैं;

थौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असकलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकतना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वायौनित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रृतुपरण में निवासन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गोनिन्व कृष्ण शर्मा को संगद के किसी भी सबस के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करता हैं।

[ন০ ૩০ গ০-সাঁ০ ন০/৪7/৪৪(45)]

O.N. 424.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Govind Krishana Sharma, Village Homeganj Bharthana, Etawah (U.P.) a contesting candidate for general election to 'he Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 67-Kannauj constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Ac., 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said cart idate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Govind Krishna Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/67/80(45)]

आर अ० 425.-- यत., निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 67-कन्नीज निर्वाचन के से सुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री राम प्रकाश, मों० बौधराना, कन्नीज, जिला पर्रखाबाद (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित समय के भन्दर तथा रीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

धीर यतः, उक्त उम्मीदश्रर द्वारा दिये गये मध्यावेदन पर विचार फरने के पश्चात्, निर्दाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसकतना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीचिह्य नहीं है;

मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुनरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम श्रनाम की संमद के कि हो भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान सभा भयना विवान परिवद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीबा से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषिन करना है।

[सं० उ० प्र०-लो०स०/67/80(46)]

O.N. 425.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Prakash, Moh. Chadharana, Kannauj, Distt. Farrukhabad (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 ficm 67-Kannauj constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfled that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Piakash to be disqualified for being chosen as, and for being a member or either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/67/80 (46)]

आ । अ० 426 — यनः, निर्मावन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 420-दहकी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री छत्तर सिंह, ग्रा० गेरपुर पो० पिरान किन्यर, रहकी, जिला महारनपुर (उ० प्र०), क्षोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं ;

चौर यनः, उक्त उम्मीदनार ने, मम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अयदा स्पष्टीकरण नहीं दिया है चौर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम को धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री छत्तर सिंह को संसद के कसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषिन करना है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/420/80(162)]

O.N. 426.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhater Singh, Village Sherpur, P. O. Piran Kaliyar, Roorkee, Distt. Saharanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 420-Roorkee constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhater Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/420/80(162)]

भा० अ० 427.— यसः, निर्वाचन धायोग का समाक्षान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 420-इक़्की निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री नईम महभव, मो० कानुनगोयान, रहकी, जिला सहारनपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिक्षित्व श्रिश्तियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भनेक्षिन भपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है ;

ग्रीर यतः, उन्न उम्मीवथार ने, सम्यक्त सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रंथफलता के लिए कोई कारण ग्रंथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफ-लना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है:

चतः अब, उक्त घिथिनियम की घारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतव्द्वारा उक्त श्री नर्दम घहमद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्याचा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने धीर होने के लिए इस धादेश की तारीखा से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्राहत धोषिन करता है।

[র্ম০ তত স০-বিত্ম০/420/80(163)]

O.N. 427.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Naim Ahmed, Mohalla Kanungoyan, Roorkee, Distt. Saharanpur (U.P.) for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 420-Roorkee constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all us required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Naim Ahmed to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this cider.

[No. UP-LA/420/80(163)]

क्षां का 428.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 420-राइकी निर्धाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री मुस्लिम हमन ग्रंसारी, नरमृबदुर वीदा हैही, डा॰ लच्चौरा, जिला महारनपुर (उ॰ प्र॰), लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रमेशिन ग्रमने निर्वाचन स्पर्ध की कोई भी लेखा वाजिन करने में ग्रमकल रहे हैं ; श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक्ष सूचना दिए शाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण अथना रगष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्राशीय का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रनः ग्रन्न, उक्तः श्रश्चिनियम की धारा 10-क के धनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एनक्द्रारा उक्त श्री मुस्लिम हसन श्रन्मारी को समद के किसी भी मवन के या किसी राज्य की जिधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होन के लिए इस श्रादेण की नारीख में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निरोहन धाषित करना है।

[শ০ র০ স০-বি০ শ০/420/80 (161)]

O.N. 428.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Muslim Hasan Ansari. Narmoobjur Didahe i, P.O. Landora, Distt. Saharanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Utlan Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 420-Roorkee constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rufes made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due no ice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A is the said Act, the Election Commission hereby declares the said Slan Muslim Hasan Ansari to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA '420/80(164)]

आ० अ० 429 — यम., निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 420-रुड़की निर्वाचन केले सुनाव लड़ने वाले उम्मीद-साए श्री रामरतन, मुभायगंत्र, सड़की जिला महारनपूर (उ०प्र०)लोक प्रति-निश्रिख ग्रिशिनयम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ममकल रहे है ;

श्रीर था:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर श्री, इस श्रमफराना के लिए कोई कारण श्रमबा स्पर्धाकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाश्रान हो गया है कि उसके पाम इस श्रमफलना के लिए कोई पर्यान्त कारण या स्पर्योचिन्य गद्दी है;

ग्रतः ग्राब, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 10-क के जनुसरण में निर्वाचन भायोग एनंब्ह्वारा उक्त श्री रामरतन को संभव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रश्रवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने ग्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए भिर्महिन बोधिन करना है।

[শ০ তত সত-বিত মত/420/৪৪(165)]

O.N. 429.—Whereus the Election Commission is satisfied that Shri Ram Ratan, Subhashganj, Roorkee, Ditt. Saharanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Ultar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 420-Roorkee constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Ropresentation of the Poople Act, 1951, and the Rules made thereun ter;

And whereas the said candidate, even after Jue notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Ram Ratan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this o,der.

[No. UP-I A/420/80(165)]

अरा० अर० 430.—पतः, निर्वाचन प्रायोग का समाप्रान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विप्रान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए स्थाप्रण निर्वाचन के लिए 420-रुड़की निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार थीं मीमप्रकाण, म० नं० 190, मो० सोत, रुड़की, जिला सहारनपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिन्त प्रविनिधम, 1951 सथा तद्वीन बनाए गए नियमो क्षारा श्रोक्ति प्रवने निर्वाचन ज्ययों का काई भी लेखा दाखिल करने में ग्रानका रहे हैं ;

श्रीर यत, उक्त उम्मीदशार ते, सम्प्रक सूनता दिए जाते पर भी, इस असकलता के तिए कोई कारण श्रथवा स्वव्दीकरण नहीं दिया है भीर तिर्वावन अभीम का यह समाधान हो गया है कि असके पास इस भसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण था स्थायीचिस्य नहीं है;

श्रत. भ्रम, उन्हे श्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्काचन भाषाग एतव्हारा उन्हे श्री सोमप्रकाण की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्रान सभा भ्रम्य विश्रान परिषद के सदस्य चुने जाने और हाने के लिए इस श्रादेश की नाराख्य में तीन अप्ये की नालाबाब के लिए निरहित घोषित करना है।

[দ০ ত্ত মৃত-বিত্সত/120/80(166)]

O.N. 430.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Som Prakash, H. No. 190, Mo. Sot, Rookee, Distt. Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 420-Rookee constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the tailure and the Electron Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Som Prakash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP I A/420/80(166)]

आ० अ० 431—-पनः, निर्वाचन ग्रायोग का मनाधान हो गरा है कि मई. 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विद्यान सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए 56-बहेड़ी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव पड़ने वाले उम्मीदवार श्री नन्यू, ग्रा० भेगोर, डा० भैरपुरा तह० घहेड़ी, जिला परेली (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा गद्धीन बनाए गए नियमी द्वारा श्रवेशित घपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमकन रहे हैं;

और या, उक्त उम्मीवनार ने, सम्प्रक सूचना दिए असे पर भी, इस अस्फलना के लिए कोई कारण अथना स्वादीकरण नहीं दिया है और निर्माणन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पाप इस अपकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या नगायीचित्य नहीं है ;

अतः अप्र, उत्ता अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रासीय एनद्वारा उक्त श्री नत्यू को संमद के किसी भी सदल के या किसी राज्य की विद्यान सभा अथवा विश्वान परिषद् के सदस्य जुने जाने सौर होते के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[#০ ૩০ ঘ০-বি০ শ০/56/৪০(167)]

6.N. 481.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shai Natthu, Village Bhaimor, P. O. Bhaipma, Tehril Baheri, Distt. Bareilly (U. P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 56-Baheri constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1981, and Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Natthu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/56/80(157)]

आं अर 432.— यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 415-नागल (इन्जान) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीयवार श्री मार्नामह थान दुलीचन्दपुर, डान देवबन्द, जिला सहारनपुर (उन्प्रन), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं ;

और यत., उक्त उम्मीवधार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अधवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धनः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री मानसिंह को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहित घोषिन करना है।

[सं० उ० प्र०-वि०म०/415/80(173)]

O.N. 432.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Man Singh, Village Dulichandpur, P. O. Devband, Distt. Saharanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 415-Nagal (SC) constituency has failed to lodge an account of the election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice. has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Man Singh to be disqualified for being chosen as, anad for being, a member of either House of Parllament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/415/80(173)]

भां० अ० 433.—-यमः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में मुए उन्नर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 419-मुजफ्फराबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार क्षी ग्राम लाल पुत्र श्री धामाराम, निवामी ग्रा० इक्षाहीमपुर-मशाही, जा० सिरोका, जिला सहारमपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे है ;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यकः सूचमा दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलना के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

ग्रतः ग्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भागोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्याम लाल को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेग की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहित धोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/419/80(174)]

O.N. 433.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Lal, S/o Shri Asha Ram, R/o Village Ibrahimpur Masahi, P. O. Sikrodha, Distt. Saharanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 419-Muzustanbad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Shyam Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/419/80 (174)]

कां० कं० 434.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 419-मुजयफराबाद निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री सूरजन सिंह, पुत्र श्री पनराम, निवासी धाटेड़ा, जिला महारनपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिस्त प्रधिनिथम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रसकल रहे हैं ;

श्रीर यतः, उक्त उस्मीदशार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफल-ना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वावन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री सूरजन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन शोधिन करना है।

[सं० उ० प्र० -वि० स०/419/80(175)]

O.N. 434.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surjan Singh S/o Shri Patram R/o Village Ghatera, Distt. Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 419-Muzastarabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Surian Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/419/80(175)]

भा० अ० 435.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 414-सरसांवा निर्वाचन केंक्ष से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भ्रव्युल समद, ग्रा० व डा० बुढ़ो-खेड़ा, जिला सहारमपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तड़ीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमकन रहे हैं;

भीर यतः, उक्तः उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी; इ.स. असफलना के लिए कोई कारण प्रथवा स्पर्धीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन मायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफल-ता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं ;

मतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन भागोग एतद्षारा उक्त श्री प्रस्टुल समद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चन जाने फ्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से टीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[मं० उ० प्र०-वि० म०/414/80(176)]

O.N. 435.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Samad, Village & P. O. Budho-Khera, Distt. Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 414-Sarsawa constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder: made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the fallute and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abdul Samad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order. [No. UP-LA/414/80(176)]

आं ० अ ० 4 3 6:---- धर:, निवचिन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निवर्जिन के के लिए 414-मरमाया निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री रक्षिन्द्र, स्टार पेपर मिल, सहारनपुर (उ०प्र०) लोक प्रक्तिविधिन्ध अधिनियम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असकत रहे हैं;

भीर यतः, उक्ष उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस झनकलना के लिए कोई कारण प्रथम सम्ब्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उपके पास इस इससम्बद्धा के लिए कोई पर्याप्त कायण या न्यायीचित्य नहीं है;

धतः श्रव, उक्त श्रवितियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में नियक्तिन द्यायोग एनद्द्वारा उक्त श्री रिक्टिको संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथय। विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भादेण की पारीका से तीन वर्ष की कालाबीध के लिए निर्राहर योपित फरस। हैं।

[सं० उ०प्र०-थि०स०/414/80 (177)]

O.N. 436.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ravindia, Star Paper Mills, Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 414-Sarsawa constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ravindra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA]/414/80(177)]

आoअo 437:--- यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 421-पनमर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री ब्रक्षर, ग्राव्य इति पनियाला, बन्दापुर, मह्व रुइकी, जिला सहारनपुर

(उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तबुधीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित प्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल भरने में असफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विमा है और निर्वाचन अधि। का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौर्मक्त्य नहीं है ;

भी भव, उक्त भाभिनियम की धारा । ७-क के भनुभरण में निर्वाचन श्रायोग एवंबुद्वारा उक्त थी श्रद्धार का ससद के किसी भी सदम के था किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान पश्चित् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस अदेश की तारीख से तीन वर्ष की मालावधि के लिए निर्धाहर घोषित करता है।

[स॰उ॰प्र॰-वि॰स॰/421/80 (183)]

O.N. 437.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Akhtar, Village & P. O. Paniyala Chandapur, Teh. Rootkee, Distt. Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 421-Lhaksar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commussion hereby declares the said Shri Akhtar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/421/80(183)]

आं०अ०438:--- यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधाव सभा के लिए माधारण निर्वा-चन के लिए 421-लक्सर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्भीदवार श्री भगवान किमोर, मानक चौक, मंगलीर, जिला सहारनपूर (उ०प्र०), लोक प्रिनिधिन्ध प्रधिनिथम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल चरने में असफल रहे हैं ;

ग्रीर यतः, उक्ष्म उम्मीदक्षार मे, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलपा के लिए कोई कारण अथवा स्पन्टीकरण नही दिया हैं झौर निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौचित्य नहीं है।

भ्रतः अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रन्सरण में निर्वाचन अप्रोग एक्षद्वारा उक्त श्री भगवान कियोर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा धर्यथा विधान परिषद् के सदस्य मुने जाने और होने के लिए इस अधिश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/421/80(184)]

O.N. 438.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagwan Kishore, Manak Chowk, Manglor, Distt. Saharanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 421-Lhaksar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder: thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good leason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shagwan Kishote to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or

of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/421/80(184)]

मां का 439.— यत , निर्वाचन श्रायोग का समोधान हो गया है कि जनवंदी, 1980 में हुए लोक समा के लिए शाधारण निर्वाचन के लिए 9-हिसार मंखीय निर्वाचन केस में चुनाथ लड़ने थाले उम्मीदश्वाद श्री परमानस्य पुत्र श्री कली शाम, प्लगमनगर, नरश्राना, जिला जिद, (हरि-याणा), लोक प्रतिनिधित्य श्रीविनिधम, 1951 ध्या ध्युधीन बनाए गए नियमों हारा श्रीविलिध श्रायने निर्याचन व्ययो का नोई भी लेखा दाखिल करने में श्रायकल रहे है;

श्रीर त्त., उक्त उम्मीदक्षार ने, सम्यक भूकता किए जाने पर भी, इस इसकत्ता के लिए कोई कारण श्रमधा स्पष्टीकरण नही विक्र हैं श्रीर निर्वाचन श्रायंग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकत्ता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीवित्य नहीं हैं;

ग्रत. ए.ब., उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनवृद्धान उक्त श्री परमानन्व का संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा प्रयोग विश्वान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस झादेश की पारिष्य में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषिस करता हैं।

[सं हरि-लें। ब्राव / 9/80 ( 6 ) ]

O.N. 439.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Parma Nand SiO Shri Kali Ram, Patram Nagar, Narwana, Distt. Jind (Haryana) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 9-Hissar Parliamentary constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Parma Nand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/9/80(6))

आंक्ष्य 440.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 9-हिसार संसदीय निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने बाले उम्मीवयार श्री मूलगंकर, प्राव लेहिरी राघो, फारेस्ट प्राफिस लोहारी राघो, जिला हिसार (हरियाणां), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनयम, 1951 सथा तव्धीन बनाए गए निथमों द्वारा व्येकिस रीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाबिल नंभने में धसफल रहे हैं;

ग्रीर थल., उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गर्ये गर्थवेदन पर विश्वार करने के पश्चात, निविचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्रय मही है;

ग्रेस: धव, उन्हर्ण श्रीधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्कारा उक्त श्री मूलगंकर को संसद के किसी भी नदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विज्ञान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष भी कालाविध के लिए निर्देहत बोबित करता है।

[सं० हरि०-लो०स०/9/80(7)]

O.N. 440.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mool Shanker, Vill. Lohari Ragho, Forest Office Lohari Ragho, Diett. Hissar (Haryana), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 9-Hissar constituency has falled to lodge an

account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said condidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Mool Shanker to be disqualified for being chosen as, and for being, a member or either House of Parliament or of the Legislative assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/9/80(7)]

आं अ० 441,—धिं, निर्वाचन क्रायोग का समाधान हो गथा है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 8-सिधानी निर्वाचन केले से चुनाध लड़ने वाले उम्मीदयार श्री गजराज मिह. ग्रा०थ० डा० मानहेल, गह्० च जिला भिनानी, (हिन्दाणा), लेफ प्री - निर्वाचन क्रिक्शिसमा, 1951 देया गेंद्धीन बनाए गए नियमो हारा अपे-क्षिण प्रपर्न निर्वाचन क्रियो का कोई भी लेखा दाखिल करने में अमफल रहे है,

ग्रीर यतं., उक्ने उम्मीदकार ने, सम्यक सुचना दिए जाने पर भी, इस असफनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया हैं ग्रीर निर्वाचन ग्रामोग का यह समाधान हो स्या है कि उसके पास इस असफलां। के लिए कोई पर्याण्य कारण या न्यार्थीचन्य नहीं है;

अस अब, उबस अधिनिद्म की धारा 10-क के अनुसरण में निक्षिन आयोग एपवृक्षारा उक्ष श्री गजराज सिंह को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की थियान सभा अथवा विधान परिषम् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अदिश की गाराख से तीन धर्ष की कालाशिक की लिए मिर्टाहर्स घोषिन करता है।

[स॰ हरि॰-जो॰स॰/৪/৪০(৪)]

O.N. 441.—Wherens the Election Commission is satisfied that Sari Gajraj Singh, Village & P.O. Manhern, Teh. & Dist. Liniwani (Haryana) a contesting candidate for general election to the Flouse of the People held in January 1980 from 8-Bhiwani constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Repplesentation of the People Act, 1951; and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justilication for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gajraj Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/8/80(8)]

#### भावेश

भीर यतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक सुकता दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयक्ष रुपटीकरण नहीं दिशा है और निवासन प्रायोग की यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त औरण या न्यायीनित्य नहीं है; श्राः त्रज्ञ, उत्त श्रांत्रित्यम् का धार 10-क के श्रनुसाण में सिर्याचन श्रांतीस एनक्झारा उपन श्री अल्वास्त कि? की समझ के किसी भी सबन के या जिसी राज्य का विश्वान सभा अवसा विवान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रांत्रेण की धारिष्य में तीन वर्ष की कालाविश्व के लिए निर्याक्षित बेरियन कर्या है।

\_\_\_\_\_

O.N. 442.—Whereas the Election Commission is satisfied that shif Bakhtawai Singh, Village-Morwala, P. O. Bhagwi, Teh. Charkhi Dadri, Distt. Bhiwani (Haryana), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 8-Bhiwani constituency has tailed to lodge an account of his election expenses within the time and in the matter required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And wherea, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A or the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bakhtavar Sinth to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/8/80(9)]

## नई दिल्ली, 29 अर्रैल, 1981

भार अरु 443.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनभरो, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश में लोक सभा के लिये साधारण निर्वाचा के तिये 50-11 प्रीपुर निर्वाचा क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मी- द्वार की ऋषिदेश मिल, ग्राठ व पाठ बारामधर, जिला गाजीपुर (उठ प्रठ), लौक प्रतिनिधिन्ध ध्रतिनियम, 1951 प्रंथा तद्धीन बनाये एये निथमों द्वारा घोकिंप प्रपत्ने निर्वाचन कारों का कोई भी लेखा नामित करने में समफल रहे हैं।

भीर युन:, उक्न उम्मीवद्यार ने, सन्त्रक मृत्तना दिये जाने पर भी, इस असफलना के लिये कोई बारण अथना स्पद्धीकरण नहीं दिना है भीर निक्षित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलक्षा के लिये कोई प्यप्ति कारण या न्यायोगित्य नहीं है;

धन. धन, उक्त सिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनंब्याम उक्त श्री ऋषिके सिश्र को संसद के किसी भी सवन के या भिली राज्य की विधान गता प्रथम विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेण की गारिख से तीन वर्ष की कालायित के लिये निर्माहर बीविन करना है।

[मं० उ० प्र० मं(० स०/50/80(47)]

# New Delhi, the 29th April, 1981

O.N. 443.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Riskideo Misra, Vill. & P.O. Bara Chavar, District Ghazipur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha f.om Uttar Pradesh held in January, 1980 from 50-Ghazipur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, the efore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rishideo Misra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/50/80(47)]

आर कर 414 — वतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हा गना है कि जनवरा, 1980 में हुए उट्टार प्रदेश में लोग भना के लिये माधारण निर्वाचन के लिये 50-गानीपुर निर्वाचन के ले चूनाय लड़ने याले उन्मी-पुत्रार आं कैंग्रन मुहेन्द्र बहादुर चान, ग्राठ एउटाना जिला नामीपुर (उठप्रठ), लोक प्रतिनिधिट्य आंधान्यम, 1951 तथा ध्रुबीन जनाये गये नियमों ब्राया ध्रोधित प्रपत्ने निर्याचन बन्यों के कोई भी लेखा दाखिल अरने में असका रहे हैं.

भीर थतः, ७३। उत्मीतकार ने, सन्तक भूचना विये आने पर भी, इस अनकारो के लिये कोई कारण अथवा मान्यकारण नही विचा है सीर निर्वाचन अयोग का नष्ट्र समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफतमा के लिये कोई पारिस कारण या नश्योंकिता नहीं है;

क्षण गर्न, पर विशिष्ण की धारा 10-क के धनुम-ण में निर्धायन कर्क प्रमुख महाबूद पर की संसद के लिये के सदन के या किसी राजर की दिज्ञान सभा अवसा विधान परिव के सदस्य चुने जाने भीर हाने के लिये इस शादेण की सारिख में नान वर्ष की कालाधिश के लिये इस शादेण की सारिख में नान वर्ष की कालाधिश के लिये निर्माण करता है।

[মাত তাত সতলাত শত/50/80 (48)]

O.N. 444.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Capt. Surendra Bahadur Rai, Vill. Patkania, Distt. Chazipur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 56-Ghazipur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has est given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Hection Commission hereby declares the said Shi taju. Stuendra Bahadur Rai a be disquabled for being chosen as, and for being, a member of other House of Parliament of of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/50/80(48)]

आ० अ० 445.—यां, िर्णाचन श्रायांग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उतार प्रवेश विधान सभा के लिये साबारण निर्वाचन के लिये 231-दिलदारनगर तिर्वाचन केत्र में चुनाव लड़ने याने उम्मीवधार श्री विभाग एकर, नगरमित्रिया, गाजीपुर (उ० श्र०), लोक प्रतिनिद्धिय श्रीविध्यम, 1951 नथा विद्यान बनाये गये नियमो व्यास श्रवेक्षित श्राने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दिखल करने से श्रमकर रहे है,

मीर यह , उक्त उम्मीववार ने, सम्बक स्थान दिये जाने पर भी, इस असकनता के सिये कोई कारण अधवार-स्टीकरण नहीं विया है और निर्याचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान इस असकना। के लिये कोई प्रयोग कारण या न्यायोगिरः नहीं है,

श्रानं, श्रम, उक्त श्रिधितियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन शायीन एतव्वारा उक्त श्री निरजा मंकर को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान भना श्रमधा विधान परिषद् के मदस्य को जाने श्रीर हुंने के लिये इस आवेश की निर्शास से तीन अर्थ की कालाबधि के लिये निर्शित शोधिन कन्ता है।

[ন০ ড০ স০-বি০ ন০/231/80 (168)]

O.N. 445.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Girja Shanker, Nagsarmiriai, Ghazipur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh I egislative Assembly held in May 1980 from 231-Dildarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Girja Shankar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a S ate for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/231/80(168)]

आं अं 446. — यंत., निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विवान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के निये 231-दिलदार नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने धाले उम्मी-द्यार श्री बच्च लाल सिंह, पचौरी गाजीपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधिक प्रधिनियम, 1951 विधा क्ष्यीन बनाये गये नियमी द्वारा श्रवेकिंत प्रपत्ने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमकल रहे हैं;

न्नीर यतः, जन्म जम्मीक्यार ने, सम्प्रक सूचना वियो जाने पर भी, इस असकल्या के लिये कोई कारण अधवा स्पष्टीकरण नही विया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकल्या के लिये प्रयोध्य कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

धनः ध्रवः, उद्यं अधिनियम की धार। 10-क ने अनुसरण में निर्वाचन आयोग एमद्वारा उक्त श्री बच्च लाल मिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की गारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्माहित कोणित करना है।

[स॰ उ॰ प्र॰-धि॰ सं०/231/80 (169)]

O.N. 446.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bachchu Lal Singh, Pachori, Ghazipur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1930 from 231-Dildarnagar constituency has failed to Todge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bachchu Lal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/231/80(169)]

आ० अ० 447.—अतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गय। है कि मई, 1980 में हुए उत्पर प्रदेश विधान सभा के लिये माधारण निर्वाचन के लिये 231-दिलवारनगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदश्वर श्री सगीना राम, पटकनिया, गाजीपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाये गये नियमों ब्वारा अपेकित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीर यतं:, उक्न उम्मीदवार ने, सम्यक सूचन। दिये जाने पर भीं, इस ग्रमफलता के लिये कोई कारण ग्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिये गोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है,

श्रनः श्रवः, उक्न श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्वारा उक्त श्री सगीना राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निरहित घोषित वरता है।

[सं० उ० प्र०-धि० स०/231/80 (170)]

O.N. 447.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sagina Ram, Patkania, Ghazipur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Ultar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 231 Dildarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sagina Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/231/80(170)]

भा० भा० 448.—यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विज्ञान मना के लिये माधारण निर्वाचन के लिये 233-गाजीपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लख्ने वाले उन्मीदवार श्री बांके निवारी, मुरली कटरा, गाजीपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा हद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा ध्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमका रहे है;

श्रीर यन , उन्हां उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिये कोई कारण श्रथवा स्वर्धीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाक्षान हो गया है कि उसके पात इस असफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीविस्य नहीं है;

श्रमः श्रमः, उनने श्रधिनियम की धारा 10-त के प्रनुसरण में निर्वाचन श्रामीय एक्ष्यूव्यारा उनने श्री बांके निश्रारी को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवका विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेण की कारीख से तीन वर्ष की कालाब्रिध के लिये निर्माहन घोषिन करना है।

[मं॰ उ॰ प्र॰-वि॰ स॰/233/80(171)]

O.N. 448.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bankey Tewari, Murli Katra, Ghazipur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 233-Ghazipur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bankey Tewari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/233/80(171)]

भा० अ० 449.— यतः, निर्वाचन ब्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 233-गाजीपुर निर्वाचन केत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीय वार श्री गनपत प्रकाश, छावनी लाइन, तुलसीपुर, गाजीपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रमफल रहे हैं ;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्थक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है; मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री गनपन प्रकाश की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिपद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नागिवा से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन धोषिन करना है।

[स০ ত্র০ স্ব০-স্বি০ শ০/233/80(172)]

O.N. 449.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ganpat Prakash, Chhawni Line, Tulsipur, Ghazipur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 233-Ghazipur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ganpat Prakash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/233/80(172)]

भा० थ० 450.— यम, निर्वाचन प्रामोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 407-मोरना निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री समवा सिंह, ग्रा० निरमाजनी, डा० भोषा, जिला मुअफ्फरनगर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा त्रदीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रोफिल अपने निर्वाचन उपयों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भमकल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण मथवा स्पष्टीकरण महीं दिया है भीर-निर्वाचन माथीग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस मस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः प्राव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतव्दारा उक्त श्री सगवा सिंह को संसव के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस घादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन घोषिन करता है।

[सं০ ত্ত০ স০-বি০ ম০/407/80(185)]

O.N. 450.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sagwa Singh, Village Nirganjani, P.O. Bhopa, Distt. Muzaffar Nagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 407-Morna constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sagwa Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/407/80(185)]

आ० अ० 451.—यतः, निर्वाजन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाजन के लिए 407-मोरना निर्वाजन के है चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री सत्पाल, धा० सिकस्वरपुर, बा० रहमतपुर, जिला मुजफ्कर नगर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोक्षित प्रपने निर्वाजन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रमफल रहे हैं ;

भीर यतः, उक्तः उम्मीदवार ने, सम्यक सूजना दिए जाने पर भी इस भगकलता के लिए कोई कारण श्रयबा स्पर्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रम-फलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

भ्रतः भ्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्द्वारा उक्त श्री सतपाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अदिण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहंग बोधिन करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/407/80( 186)]

O.N. 451.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sat Pal, Village Sikanderpur, P.O. Rehmatpur, Dist. Muzaffar Nagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Prudesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 407-Morna constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Satpal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/407/80(186)]

का० थ० 452.— यतः, निर्धाचन धायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए, 287-धार्यनगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवयार श्री डा० थ्याम लिपाठी, 10/60, खलसी लाइन, कानपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोधित श्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में झमफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्न कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उक्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त डा॰ ण्याम निर्पाठी को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रायश विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/287/80(187)]

O.N. 452.—Whereas the Election Commission is satisfied that Dr. Shyam Tripathi, 10/60, Khalasi Lines, Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 287-Arya Nagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Dr. Shyam Tripathi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/287/80(187)]

आ० अ० 483 — यतः, निर्वाचन प्रायोग वा समाधाम ही गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 291-गोधिन्य नगर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री खूर्णायाल, 122/230, सरोजनी नगर, कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिन्य प्रधिनियम, 1951 नथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोक्ति प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भूसफल रहे हैं:

धीर यस, उक्त उम्भीदयार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अध्यया म्पाटीकरण नही विधा है भीर निविचन धायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ध्रम-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है ;

धनः श्रव, उक्त श्रिधिनयम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्याधन भायोग एतद्वारा उक्त श्री खुशियाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेण की नारीका से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिन घोषिन करना है।

[मं० उ० प्र०-मि० स० 291/80(191)]

O.N. 453.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khushiyal, 122/230, Sarojini Nagar, Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1989 from 291-Gobind Nagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good (cason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declare the said Shri Khushiyal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

No. UP-LA/291/80(191)]

आं० अ 454.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाभान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 291-गोविन्द नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाब सङ्गे बाले उम्मीदबार श्री नरेन्द्र कुमार, 120/480 लाजपननगर, कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1958 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेशित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफल रहे है;

भीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण श्रयवा म्पष्टीकरण नही विया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है.

ग्रतः ग्रज, उक्त भिधितियम की धारा 10-क के प्रमुमरण में तिर्वचिन भायोग एमव्द्वारा उक्त श्री नरेन्द्र कुमार को समद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की किसान मक्ता अश्रवा विधान पिन्यद् के सदस्य भृते जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषिस करता है।

सि० उ**० प्र०-वि० म०/291/80(192)**]

O.N. 454.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narendra Kumar, 120/488, Lajpat Nagar, Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 291-Gobind Nagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Roprosentation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the fallure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the fallure; Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shi Narendra Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/291/80(192)]

आ० अ० 455.— पन', निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है जि मई, 1980 में हुए जनर प्रदेश विश्वान सभा के लिए शाधारण निर्वाचन के लिए 291-गोविस्ट नगर निर्वाचन केन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राधाकृष्ण शर्मा, 133/62 जूही हमीरपुर रोड. कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 नथा तदीन बमाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यथों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अमफल रहे है ;

न्नीर थतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण भ्रथना स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्याचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भस-भपना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वायीक्तिय नही है;

भन अब, उक्त पिर्धान्यम की धारा 10 क के अनुगरण में निर्वाचन आयोग एनद्हारा उक्त श्री राधाक्वण शर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अयवा विद्यान परिचय् के सदस्य चुन जाने और होने के लिए अस अपदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषिन करना है।

-{सं० उ० प्र**०-वि०स०**/291/80(193)]

O.N. 455.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radha Krishan Sharma, 133/62, Joohi Hamirpur Road, Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 291-Gobind Nagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1931, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the fallure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radha Krishan Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legis'ative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/291/80(193)]

आर अर 456.—यन, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रश्नेण विश्वान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 293-सरमौल निर्वाचन केव मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीय-वार श्री ग्रम्स्वास, ग्रा० थो० कटारा, जिला कामपुर, (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्य ग्राधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रवेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे है;

और थतः, उक्त उम्मीवबार ते, सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस अभफलता के लिए कोई कारण अथवा स्थव्धीकरण नहीं विया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस अभफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रतः श्राब, उक्त श्रीधिनियम की धारा 10-क के श्रनुगरण में निर्वाधन श्राणीन एतवृद्वारा उक्त श्री श्रनुपदास को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा श्रथबा विधान परिषद् के सदस्य भुने जाने श्रीर होने के लिए इन श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के जिए निर्दोहन घोषिन करता है।

[মৃঁ০ ড০ স০-বি০ ন০/293/80(194)

O.N. 456.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anup Das, Village & P.O. Kathara, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 293-Sarsaul constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Anup Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/293/80(194)]

भा० भ० 457.— ५त., निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 293-सरसील निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने चंले उम्मीदधार श्री जगदम्मा प्रसाद, ग्रा० व पो० नर्बेल, जिला कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रिनिधित्व शिधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदधार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अयधा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन शायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यागीचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एमद्द्वारा उक्त श्री जगदम्बा श्रसाद को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयथा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्मेहत घोषिक करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/293/80 (195)]

O.N. 457.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdamba Prasad, Village & P.O. Narwal, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 293-Sarsaul constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdamba Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/293/80(195)]

आ० अ० 458---प्तः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 293-सन्सील निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने काल उम्मीवनार श्री श्रीपाण कुणवाता, या० भोती गंभीरपुण, डा० भोती प्रतापपुर, जिला कानपुर (उ०प०), लोक प्रतिविधित्व अधिनियम, 1951 तथा सदीन बनाए गए नियमी द्वारा अवेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यस:, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलका है: लिए काई कारण श्रयवा स्पट्टीकरण नही विधा है श्रीर निर्वाचन शार्यालं का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलका के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है ; 243 GI/81—3 भतः भवः, उक्त भधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री श्रीपाल कुणधाहा की समय के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा भववा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाधिश्र के लिए निरहित भोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-धि० स०/ 293/80(196)]

O.N. 458.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shripal Kushwaha, Village Bhaunti Gambhirpur, P.O. Bhaunti Pratappur, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 293-Sarsaul constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shripal Kushwaha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/293/80(196)]

का० का० 459.— एतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए भाषारण निर्वाचन के लिए 295-भोगनीपुर (घ०जा०) निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवधार श्री हरीशंकर सोनकर, प्रा० पुलन्दर पो० बहेली, जिला कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रयेक्षित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भसफल रहे हैं;

मीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सुबना दिए जाने पर भी, इस ग्रसकलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

म्रत: भ्रव, उक्त भिधिनयम की घारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एसव्हारा उक्त श्री हरीशंकर सीनकर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथन विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस भावेश की सारीख से तीन वर्ष की कालायिश के लिए निरहित घोषित करसा है।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/295/80(198)]

O.N. 459.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hari Shanker Sonkar, Village Pulander, P.O. Daheli, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 295-Bhognipur (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hari Shanker Sonkar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/295/80(198)]

जा(० अ० 460.—- धतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 296-राजापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदशार श्री तेजधारी, प्रा० निर्योही, पो० केलई, जिला कानपूर, (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधितियम, 1951 तथा है बीन बनाए गए

नियमों द्वारा अपेक्षित प्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ग्रीर ४त:, उक्त उम्मीदकार ने, सम्प्रक सूचना विए जाने पर भी, इस भसकलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो ग्या है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण यो न्यायीवित्य नहीं है;

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-श के अनुमरण में निवधन अध्योग एतव्द्वारा उक्त श्री तेजधारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अध्या विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने स्नीर होने के लिए इस अधिश की सारीख से तीन अर्थ की कालाविध के लिए निरिष्टिंग भोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-थि०स०/296/80(199)]

O.N. 461.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tejdhari, Yillage-Nigohi, P.O. Kelai, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 296-Rajapur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given apy reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tejdhari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/296/80(199)]

आ० अ० 461.—यर:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेग विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 296-राजापुर निर्वाचन केंब्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भी रामसिंह, भा० मनिहापुर (माजरा अंगूरी) पी० गौरीकरन, जिला कानपुर, (उ०प्र०), लौक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 स्वानदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे है;

भीर धतः, उक्त उम्मीववार में, सम्यक सूचमा दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अर्थना स्पन्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई वयस्ति कारण या स्वामीनित्य महीं है;

धतः ध्रम, उक्त द्राधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाधन धासोग एतव्शारा उक्त श्री रामित्ह को संसद के जिसी भी सबन के था किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस धादेश की तारीख से तीन धर्ष की कालाधिय के लिए निर्महत योजित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/296/80( 200)]

O.N. 461.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Singh, Village Manihapur (Majra Angoori) P.O. Gaurikaran, Dist. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legis ative Assembly held in May, 1980 from 296-Rajapur constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/296/80(200)]

आ० अ० 462.— यहाः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 296-राजापुर निर्वाचन केता से चुनाव सड़ने वाले उम्मीदवार श्री मीठाराम मारती, ग्रा० घ डा० मिद्यापुर, जिला कामपुर (उ०प्र०), लोक प्रिनिधिस्य श्रीधिन्यम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीकित अपमें निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रीकृत रहे हैं ;

भीर यहः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक धूचना विए जाने पर भी, इस अक्षकलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गमा है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भक्षः भनं, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 10-क के प्रतृसरण में निविचन भागांग एवद्वारा उक्त श्री सीक्षाराम भारती की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भावया विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस अविंग की स्रीति से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्माहत सोवत करता है।

[सं० उ० प्र०-धि० स०/296/80(201)]

O.N. 462.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sita Ram Bharti, Village & P.O. Madiyapur, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 296-Rajapur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said caralidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sita Ram Bharti to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/296/80(201)]

धौर थतः, उक्त उम्मीदभार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलपा के लिए कोई कारण अवशा स्पट्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन धायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यायौचित्य नहीं है;

श्रप्त: श्रव, उक्त श्रिष्टिनिथम की घारा 10-अ के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एत्व्वारा उक्त श्री चिरंजीलाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयका विधान परिषद् के स्वस्थ चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीखासे तीन धर्ष की कालाविधि के लिए निर्योही बोषित करता है।

[सं० हरि०-लो०स०/7/80(10)]

O.N. 463.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chiranji Lal, Village & P.O. Khori, Teh. Rewari, Distt. Mahendragrh (Haryana) a contesting candidate for general election to the House of the People hold in January 1980 from 7-Mahendragarh Parliamentary constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or axplanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chirarji Lal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP|7|80(10)]

# नई विल्ली, 30 भन्नैल, 1981

का० अ० 464— प्रनः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उ4-मोजीपुरा निर्वाचन के से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदश्वर श्री मुमलाज धहमद धसारी, सागलपुर, बा० भोजीपुण स्टेशन, बरेसी (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनिधम, 1951 सथा रिद्धोन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोक्षित स्पर्न निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसंकल रहे हैं;

भीर यतः उक्त उम्मीयक्षार ने, सम्यक सुचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अधना स्पन्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्तिय नहीं है;

भृतः ग्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाधन भायोग एसवृद्धारा उक्त श्री मुमताज भहमव प्रसारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा भयवा विधान पश्चिद् के संबस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस भावेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहुत बोजिन करता है।

[सं• उ० प्र०-वि० स०/54/80(202)]

#### New Delhi, the 30th April, 1981

O.N. 464.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mumtaj Ahmad Ansari, Segalpur, P. O. Bhojipura, Station, Bareilly (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 54-Bhojipura constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mumtaj Ahmad Ansari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/54/80(202)]

वा॰ का॰ 465.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 54-भोजीपुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राजेन्द्र सिंह, सिरसा जागीर, बरेली, (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व चित्रियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमी द्वारा क्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन क्यायों का कोई भी लेखा वाखिल क्षरने में ग्रसफल एहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक मूचना विए जाने पर भी, इस झसफलता के लिए कोई कारण मणवा स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन मायोग का यह समामान हो गया है कि उसके पास इस झसफलता के लिए कोई पर्वाच्त कारण वा न्यायौजित्य नहीं है; भत. श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री राजेन्द्र सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीका से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत श्रोपित करता है।

[स॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/54/80(203)]

O.N. 465.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajendra Singh, Sirsa Jagir, Bareilly (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 54-Bhojipura constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajendra Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/54/80(203)]

क्ता॰ का॰ 466.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाग्नान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 54-मोजीपुरा निर्याचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीचनार श्री समी उद्दीन, तिलियापुर, बरैली (उ॰प्र॰), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों क्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूत्रना विए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रयका स्पष्टीकरण मही विद्वा है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाक्षान हो गया है कि उसके पास इस इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायौनित्य नहीं है;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन आयोग एतवृहारा उक्त श्री सभी उद्दीन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथला विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालांबिध ' के लिए निर्राहित घोषित करता हैं।

[सं० फ्र॰प्र०न्वि०स०/54/80 (204)]

O.N. 466.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sami Uddin, Tiliapur, Bareilly (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 54-Bhojipura constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Fleection Commission is satisfied that he has no good reasor, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sami Uddin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. UP-LA/54/80(204)]

भा० भ० 467.—पतः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए सावारण निर्वाचन के लिए 85-प्रहिरोरी (प्रज्जा०) निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने बाले उम्मीववार श्री राम स्वरूप, प्राव तेरवा, बा० बचीली, जिला हरवोई (उज्ज०), लोक प्रतिनिक्षित्व प्रधिनिसम, 1961 तुला तव्हीन बनाए

गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहें हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये धभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चास्, निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य मही है;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिशिनयम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतदृष्ठारा उक्त श्री राम स्वरूप को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान प्परिषद् के सदस्य भूने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राष्ट्रत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/85/80 (205)]

O.N. 467.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Swarup, Village Terwa, P. O. Bhaghauli, Distr. Hardoi (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Ligislative Assembly held in May, 1980 from 85-Ahirori (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Swarup to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Leegislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/85/80(205)]

का॰ थ॰ 468.— यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उ-करनाल निर्वाचन केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धर्मपाल पुत्र श्री सुर्जन, प्रा॰ व पो॰ जुन्डला, जिला करनाल (हरियाणा), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 सभा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

भीर यत:, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रचना स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नही है;

भतः मन, उक्त भिधिनियम की घारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री धर्मेपाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भाषना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहत भोषित करता है।

[सं० हरि०लो०स०/3/80 (11)]

O.N. 468.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dharma Pal S/o Shri Surjan, Village & P.O. Jundla, Distt, Karnal, (Haryana) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 3-Karnal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dharam Pal to be disqualified for being chosen as, and for

being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/3/80(11)]

नई दिल्ली, 2 मई, 1981

अरा० अर० 469.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 107-बाधरावां निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रमोद कुमार, ग्रा० व पो० कन्वावां, जिला रायबरेली (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व भांधनियम, 1951 तथा तद्धीन अनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस भसफसता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस मसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोंचित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त भीधनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री प्रमोद कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस झादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/107/80 (207)]

New Delhi, the 2nd May, 1981

O.N. 469.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pramod Kumar, Village & P.O. Kandawan, Distt. Rai Bareli (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 107-Bachhrawan constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good leason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pramod Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/107/80(207)]

आं अ 470.—यतः निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 109-रायबरेली निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामेश्वर, ग्रा० पहाड़पुर मर्वापुर, पो० धुलवांसा, जिला रायबरेली (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों हारा म्रोक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस झसफलता के लिए कोई कारण झथवा स्पष्टीकरण नही विया है और निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस झ सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

घतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन भाषोग एतवृद्वारा उक्त श्री रामेश्वर को संसद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा भाषवा विभान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत थोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/109/80 ( 208) ]

O.N. 470.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rameshwar, Village Paharpur Mardapur, P. O. Thulwasan, Distt. Rae Bareli (U.P.), a contesting candidate for the general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 109-Rae Bareli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rameshwar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/109/80(208)]

आर अर 471.—थतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 107-मलाऊट (भ्र०जा०) निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुक्तेज मिह, जमन्वत थिएटर के पीछे, मलाऊट, जिला फरीवकोट (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सर्धीन बनाए गए नियमों द्वारा मपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में अमफल रहे हैं,

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

यतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुनरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री गुरुतेज सिंह को संसद के वित्ती भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि लिए निर्राहत भोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/107/80 (62)]

O.N. 471.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gurtej Singh, Behind Jaswant Theatre, Malot, District Faridkot (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 107-Malot (SC) Assembly constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gurtej Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/107/80(62)]

## नई दिल्ली, 4 मई, 1981

भा० अ० 472.—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के निए साक्षारण निर्वाचन के लिए 108-तिलोई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री राम भरोसे, पूरे बिग्वा प्रसाव वीवान, मजरे चिनगाही, पो॰ भवानी नगर, रायबरेली, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधत्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफन रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पर्टाकरण नही दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवृद्धारा उक्त श्री राम भरोसे को ससद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सवस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰-वि॰ सं॰/ 108/80 ( 209)]

#### New Delhi, the 4th May, 1981

O.N. 472.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bharose, Pure Binda Prasad Diwan, Majra Chingahi, P.O. Bhawani Nagar Distt. Rai Bareily (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 108-Joloi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bharose to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/108/80(209)]

आं अं 473 — यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 108-तिलोई निर्वाचन केल्ल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री लक्ष्मी चन्द, ग्राम मबई, घालमपुर, पो० हरवंशगंज, जिला रायबरेली (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रवेशित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में अमकल रहे हैं;

धौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया हैं श्रौर निर्वाचन श्रायौग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

धत. प्रव, उक्त भीधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भागोग एतव्हारा उक्त श्री लक्ष्मी चन्च को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस घादेश की तारीक्ष से तीन वर्ष की कालाविधं के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[स॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/108/80 (210)]

O.N. 473.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laxmi Chand, Village Mawai Alampur, P.O. Harbanshgani, Distt. Rae Bareli (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly he'd in January 1980 from 108-Jiloi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure

and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxmi Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/108/80(210)]

आ। अ० 474. यतः, निर्वाचन प्रायाग ना समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सना के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 108-तिलोई निर्वाचन केन्न में चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम दयाल, ग्रा० बहाबुरगंज, पो० खारा (शिवरतन गंज), जिला रायबरेली (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीविनिथम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यथों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस भ्रमक मुलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पन्टीकरण नहीं विया है भीर निवनिन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यामीनित्य नहीं है;

ग्रासः भव, उक्त अधिनयम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भागोग एतद्वारा उक्त श्री राम दयाल को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आवेग की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्सिटत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/108/80 (211)]

O.N. 474.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Dayal, Village Pahargani, P.O. Khara (Shibratan gani) Distt. Rae Bareli, a contesting candidate for general election to the Uttar Predesh Legislative Assembly held in January 1980 from 108-Jiloi constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereuder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Dayal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/108/80(211)]

आ। कः 475.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 53-जगरांव निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवदार श्री सल पास, मकान गं० 4065, मोहाला रिश्या, जगरांव, जिला लुधियाना (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रनिनियम, 1951 तथा तद्धीम बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के तिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर क्षिवीचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषिस्य नहीं है;

ग्रतः शव, उक्त श्रिशियम की धारा 10-क के प्रतुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतवृद्धारा उक्त श्री सत पाल को संसद के किसी भी सवन के था किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस प्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ पंजाब-वि॰स॰/53/80(63)]

O.N. 475.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sat pal, House No. 4065, Mohala Rathian, Jagraon, District-Ludhiana (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 53-Jagraon assembly constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sat pal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/53/80(63)]

भा० ७० 476.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 53-जगरांव निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री अनरैल सिंह, गांव व पो०मा० जानेतपुरा, लहसील जगरांव, जिला लुधियाना (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व मिंधित्यम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घपेकित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वासिल करने में प्रसफल रहे हैं:

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस, असफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

मतः घव, उक्त मधिनियम की घारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन भाषीन एतव्हारा उक्त श्री जरमैल सिंह को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विद्यान सभ्रा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चूनै जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[सं० पेजाय-विश्स#/53/80( 64)]

O.N. 476.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jarnail Singh, V and P.O. Janetpura, Tehsil Jagraon, District Ludhiana (Punjab) a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 53-Jagraon assembly constituent has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the Paople Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jarnail Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/53/80(64)]

## नई विल्ली, 5 मई, 1981

आ० अ० 477. — यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 111-सरेनी निर्वाचन केस से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-बार श्री राम बरदान मिह, पूरे नोखे गया, मजरे बेहटा कलां, जिला रायवरेली (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिख प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्ति ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया हैं भीर निर्वाचन आयोग का यह सभाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए को पर्याप्त कारण या न्यायीजिस्य नहीं है;

ग्रतः भव, उक्त घिंवियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाबन धायोग एनद्वारा उक्त की राम बरदान सिंह गो मंसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए दिराहित घोषिस करता है।

[सं० उ०प्र०-प्र०म०/111/80 (212)]

## New Delhi, the 5th May, 1981

O.N. 477.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bardan Singh, Poore Nokhe Rai, Maire Behta Kalan, Distt. Rai Bareli, (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 111-Sareni constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bardan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/111/80(212)]

आ० अ० 478.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 333-उरई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीद-वार श्री रामदास, मोहल्ला काशीनाय जालौन, जिला जालौन (उ०प्र०), लीक प्रतिनिधित्व धिश्वनियम, 1951 सथा सब्धीन बनाए गए नियमी द्वारा छपेक्षित समय के प्रन्दर तथा रीति से प्रपने सिर्वाचन व्ययों का लेखा धिखल करने में धसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असकनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया हैं भौर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौभित्य नहीं है;

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के धनुमरण में निर्वावन प्रायोग एनदृद्वारा उक्त श्री रामवास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रभवा विधान परिषव् के सवस्य चुने जाने प्रौर होने के लिए इस धारोश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन घोषिन करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/333/80(213)]

O.N. 478.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Das, Mohalla-Kashinath Jalaun, Distt. Jalaun, (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 333-Oral constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/333/80(213)]

आं बार 479.—यतः, निर्वाजन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश निधान समा के लिए माधारण निर्वाजन के लिए 333-उरई निर्वाजन क्षेत्र से जुनाव लड़ ने वाले उम्मीद-वार श्री भानुप्रनाप गर्मी, 34, विनयनगर, उरई, जिला जालीन (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित समय के भन्वर तथा रीति से प्रपने निर्वाजन व्ययों का लेखा दाखिल करने में अक्षक रहे हैं;

घौर यतः, उक्त उम्मीववार ते, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस सग्रफलना के लिए कोई कारण कथना स्पन्धीकरण नहीं दिया है घौर निर्वाचन कायोग का यह समाधान हा गया है कि उसके पास इस प्रस्कलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

घतः घषः, उक्त प्रधिन्तम की घारा 10-क के प्रमुक्त में निर्वाचन प्रायोग एतक्तरा उक्त श्री भानु प्रताप मर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथना विधान परिषद् के सदेस्य चुने जाने और हीने के लिए इस प्रायेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०म०/333/80 (214)]

O.N. 479.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhanu Pratap Sharma, 34-Vijai Nagar, Orai, Distt. Jalaun, (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 333-Orai, constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhanu Pratap Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/333/80(214)]

आत बार 480. --- यमः, निर्वाचन प्रायीय का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उउउ-उरई निर्वाचन केन्न से जुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री लालाराम, ग्रा० व पो० सैदनगर, जिला जालीन (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तद्शीन बनाए गए नियमों ब्रारा श्रीवित्त समय के शन्दर तथा सेति से श्रीवित निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में श्रीमण्ड रहे हैं;

घौर यसः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस मसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही विया है चौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एत्रबूद्दारा उक्त श्री लालाराम को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अधना विद्यान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं॰ ज॰प्र॰-वि॰स॰/333/80 (215)]

O.N. 480.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lala Ram, Village and P.O. Said Nagar, Distt. Jalaun (UF); for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 333-Oral constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he had no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lala Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/331/80(215)]

## नई विल्ली, 6 मई, 1981

आ० अ० 481. ----थतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-दिल्ली सदर निर्वाचन केन्न में भूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगवीण प्रसाद, 3918, गली खारी कुमां, पहाड़ी घीरज, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन अनाएं गए नियमों बारा भपेक्षित मपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाल्यिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाकेन हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं हैं;

ध्रतः: ध्रव, उक्त प्रधिनियमकी धारा 10-क के प्रनुपरण में विविधन प्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री जगदीण प्रसाद को संसद के किसी भी सबन विधान के या किसी राज्य की विधान सभा घथवा परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए नर्राहित घोषित करता हैं।

[विल्ली सो० स० 6/80 (3)]

## New Delhi, the 6th May, 1981

O.N. 481.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Prasad, 3918, Gali Khari Kuan, Pahari Dheeraj, Delhi a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 6-Delhi Sadar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP|6|80(3)]

आं०अ० 482.—यतः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 6 दिल्ली सबर निर्वाचन केब से (चुनाव तड़ने वाले उम्भीदवार श्री सगीन चन्द, 4653 गलो मोहर सिंह जाट, पहाड़ी द्यारज, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन टपयों का कोई भी लेखा दाखिल करने में स्रमफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विया हैं भौर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायोजित्य नहीं हैं:

ग्रतः श्रव, उमत ग्रधिनियम की धारा 10-क के अनुभरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री नगीन चन्द को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहित भोषित करता हैं।

[बिल्ली लो० स० 6/80 (4)]

O.N. 482.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nagin Chand, 4653, Gali Mohar Singh Jat, Pahari Dheeraj, Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 6-Delhi Sadar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nagin Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP]6[80(4)]

आ। अ०. 483.—यत,, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6 दिल्ली सदर निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बिरेन्द्र भिन्न, 10935, ईस्ट पार्क रोड, करौल बाग, नई दिल्ली-110005 लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत , जकत उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस झसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया हैं श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधन हो गया है कि उसके पास इस झसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

धतः ग्रव, उक्त प्रिष्ठितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एनद्वारा उक्त श्री विरेन्द्र सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा प्रथवा-विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्मेहन घोषित करता हैं।

[दिल्ली सो० स०/6/80(5)]

O.N. 483.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Virendra Singh, 10935, East Park Road, Karol Bagh, New Delhi, 110005, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 6-Delhi Sadar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Virendra Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/6/80(5)]

क्षा० अ० 484.— यन', निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक मभा के लिए साधारण निर्वाचन के के लिए 6-दिस्ली सदर निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीयवार श्री बी० रामजन्त्र, 380-हीरालाल पाल रोह, बिलासी टाउन, देवधर सन्याल परगना (बिहार) लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित समय के ग्रन्दर तथा रीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं:

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार द्वारा वियें गये भ्रभ्यावेदन पर विचार करने के पत्त्वात् निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पाम इस श्रसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

ग्रतः भ्रवः, उक्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री बीठ रामचन्त्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत धोषित करना है।

[सं० दिल्ली लो०स०/6/80 (6)]

O.N. 484.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. Ramchandra, 380, Hiralal Pal Road, Billasi Town, Devghar, Santhal Pargana (Bihar), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 6-Delhi Sadar constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri V. Ramchandra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[DI-HP/6/80(6)]

#### नई दिस्ली, 7 मई, 1981

आ० अ० 485,—-यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधा-रण निर्वाचन के लिए 5-चौदनी जीक निर्वाचन क्षेत्र में जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कृंबर बहाबुर, 130-बाग दीवार, फतेह्रपुरी, दिल्ली, लोक

प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तहसीन बनाए गए नियमों हारा भ्रवेक्षित प्रपने निर्वाचन अपयों का कोई भी लेखा वाबित करने में प्राप्तकण रहे हैं।

भीर यन, उकन उम्मीदवार ने, सम्बक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया हैं भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है,

अतः अव, जक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एनद्वद्वारा जक्त श्री कृंबर बहाबुर को संसद के किसी भी सदन के या कि , राज्य की विधान सभा अववा विधान परिषद के सदस्य चुने जान की रहीन के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्हित घोषित करना है।

[सं० दिल्ली-लो० स०/5/80(7)]

New Delhi, the 7th May, 1981

O.N. 485.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kunwar Bahadur, 130-Bagh Diwar, Fatehpuri, Delhi a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 5-Chandni Chowk constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kunwar Bahadur to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/5/80(7)]

आं अा अव 486 — यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 5-चांधनी चौक निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीत्वार श्री किशन लाल, 1226-गंज मीरखाँ, वरियागंज, विल्ली, लोक प्रतिनिधित्व धिधिनियम, 1951 तथा तहधीन बनाए गए नियमों बारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाचान करने में असफल रहे हैं;

श्रीर थतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पब्टीकरण नहीं दिया हैं भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के भनुमरण में निर्वाधन भायोग एतद्वद्वारा उक्त श्री किशन लाल को संगद के किसी भी संदन के या किसी राज्य की विधान सभा अयका विधान परिषद के नदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्मार्हत घोषित करना हैं।

[सं० विल्ली-लो० म० 5/80(8)]

O.N. 486.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishan Lal, 1226, Ganj Meer Khan, Daryaganj, Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 5-Chandni Chowk constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kishan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/5/80(8)]

आ० अ० 487 ——यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 5-चौदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदबार श्री पूरनवन्त्र, 3807-गली कुम्हार वाली, गाहर्गज, दिस्ती-6 लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा नद्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रथितिन श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिन करने में भस्तल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदनार ते, सम्यक्ष सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण प्रयक्षा स्पष्टीकरण नही विशाई श्रीर निर्माचन भागोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या नशयीवित्य नहीं है;

ग्रासः ग्राब, उन्त ग्रधिनियम को धारा 10-क के श्रमुनरण में निर्वाधन श्राबोग एतद्वारा उक्त थी पुरनचन्द्र को संयद के किसी भी सक्ष्म के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद्ध के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से नीन वर्ष का कालाविद्ध के लिए निर्द्धित घोषिन करता हैं।

[सं० विल्ली-लो०स०/5/80(8)]

O.N. 487.—Whereas the Election Commission is sattsfied that Shri Puran Chand, 3807, Gali Kumharwali, Shahganj, Delhi-6 a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 5-Chandni Chowk constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Puran Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a Sta e for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/5/80(9)]

भा० अ० 488—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साझारण निर्वाचन के लिए 61-पुवायां (भा० जा०) निर्वाचन क्षेत्र मे चुनाव लड़ने वाले उन्मीववार श्री बदी प्रमाद, हरो भवन, मो० मोहम्मद जई, माह- जहांपुर (उ० ५०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए कए नियमों दारा धरेकित घनने निर्वाचन व्ययों का कोई शी लेखा वालिस करने में अन्यक्षण रहे है;

श्रीर यतः, जन्म उम्मीदनार ने, सम्बक्त सूचना दिए जाने पर भी, इत असम्बद्धता के लिए कोई कारण, अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भाषींग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असमाधता के निए कीई वर्षाप्त कारण या न्याबीचिट्य नहीं है;

ग्रतः, भन्न, जनत प्रधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भाषीग एतप्रवारा उक्त श्री बड़ी प्रमाव को संभय के किसी भी मदन के या किसी रोज्य की विभाग सभा भ्रथता विभाग परिवद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भारेश की लारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निरक्षित भोषित करता है।

[#৩ ভতম০-বি০শ০/61/80(216)]

O.N. 488.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Badri Prasad, Hari Bhawan, Mo Mohammad Jai, Shahjahanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 61-Powayan (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, h s not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Badri Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/61/80 (216)]

आ० अ०  $489 \rightarrow 4\%$ , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गय। है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-कांठ निर्वाचन के ले जुनाथ लड़ने थाले उम्मीदश्वार श्री ज्ञानेन्द्र कुमार, गंगा मदिर, किमरोल, मुरावाबाद (उ० प्र०), लोक प्रिमिनिश्चित्व अधिनिधम, 1951 नथा महसीन बनाए गए नियमों हार। अपेक्षिय अपने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असकल रहे हैं

भीर यहः, उक्षी उभीदबार ने, सम्यक्ष सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रमफलक्षा के लिए कोई कारण श्रयशा स्पन्धीकरण नहीं विया हैं भीर निर्याचन भाषीण का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमकत्रां के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौतिका नहीं है;

धराः ध्रमः, उन्त धिंधनियमं की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन भायोग एमद्वद्वारा उक्त श्री ज्ञानेन्द्र कुमार को संग्रद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की श्रियान समा ध्रमदा विश्वान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की तारीख से सीन वर्ष की काला-धींध के लिए निर्म्हिंग धोषित करता है।

[#০ ড০ দ০ বি১ন১/24/80(217)]

O.N. 489.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gyanendra Kumar, Ganga Mandir, Kisrol Moradabad (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January 1980 from 24-Kanth constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gyanendra Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/24/80(217)]

# नई दिव्हीं 5 मई, 1981

आ० ४० ४९०.--यम, निवाचन मायोग का समाधान हो गया
है कि जनवरो, 10९७ हिए उत्तर प्रदेश से लोक विधान सभा के
लिए साधारण निवाचन के लिए ७ अवाटमपुर (अ० जा०) निवाचन क्षेत्र
से चुनाव संज्ञेन वाले उस्मीदभार श्री गुलजारी लाल, ग्रा० व वो० सिठ-भरा, कानपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा
सद्धीन बनाए गए नियमों ज्ञारा प्रवेशित प्रगते निवचिन व्ययों का कार्ड
भी लेखा प्रायाल करने में प्रमानन रहे हैं, चौर था:, उक्त उम्मीवनार ने, सन्धक सुचना दिए जाने पर भी, इस असफलका के लिए कोई कारण अधवा स्पर्धाकरण नहीं दिधा है और विविचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलका के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

श्रातः श्रावः, उक्त श्रीधिनियम की धारा 10-क के श्रानुमरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री गुलजारी लाल को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की जिवान सभा श्रयंश जिधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्राँग होने के लिए इस श्रादेश की की रीतं वर्ष की काला-वर्षि के लिए निर्दाहित बोखिस करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स०/63/80(49)]

## New Dolhi, the 8th May, 1981

O.N. 490.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulzari Lal, Village & Post Sitamara, Kanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 63-Ghatampur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gulzari Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/63/80(49)]

आं श्वर 191.- अतै, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उरकर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 63-घाटमपुर (अरु जारु) निर्वाचन क्षेत्र में चुताब लड़ने अत्य उन्तीदनार औ गेंबाबाल, ग्रारू व पाँठ लक्ष्मनपुर विलय, कानपुर (उरु प्रदे), लीका प्रतिनिधिय अविनिधन, 1951 स्वा सम्भीन सनाए गए निजनों हारा अवेदिन आंने निर्वाचन करवी का कोई भी लेखा वाल्या करने में अनुकृत रहे हैं,

श्रीर यह , उसे ( उम्मीवजार, ने, यह क भूतना दिए जाने पर भी, इस असकत्ता के लिए काई कारण अयह स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकत्ता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौनिस्य नहीं है;

आ: अब, उक्त क्षितितम की धारा 10-क के अनुसरण में निक्किन आयोग एसंदृहार। उक्स श्री गेदालाल को समय के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अवना विधान पश्चिद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश को घारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निश्हिंग चौषित करना है।

[स॰ उ॰ प्र०-लो॰स०/63/80(50)]

O.N. 491.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Genda Lal, Village & Post Lakshmanpur Pilakh, Kanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 63-Ghatampur (SC) constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Genda Lal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the legislative Assembly or Legislative Council of a State for a remoder of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/63/80(50)]

क्षां अप 492---- युर्तः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए शामारण स्थान जन्मी स्थान स्थान शामारण स्थान शामारण स्थान शामारण स्थान स्था

श्रीर यतः, उभक्ष उद्मीदश्वार ने, सम्यक्ष भूवना दिए जाने पर भी, इस असफलक्षा के लिए कोई कारण श्रथश्चा स्पष्टीकरण महीं दिया हैं श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलमा के लिए कोई पर्योग्ध कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रसः श्रव, उक्तं श्रिष्टिनयम की धारा 10-क के श्रवसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्यारा उक्त श्री सरदार राजपाल सिंह को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा श्रवशा विधान परिवद के सवस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रवेश की धारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन बोदिन करता है।

[मं० उ० प्र०-खं(० स०/81/80 (51)]

O.N. 492.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sardar Rajpal Singh, 179, Mo. Gandhinagar, Meerut (U. P.) a contesting candidate for general election to the Lok Subha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 81-Baghpat constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sardar Rajpal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No, UP-HP/81/80(51)]

करं अ 493 --- धरा:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है फि जनकरीं, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 64-बिल्हींग निर्वाचन क्षेत्र से युनाव लड़ने बाले उम्मीदबार श्री अख्तर अली 2/1, जुमा मस्जिद निश्वावगंज, कानपुर (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व ब्रिधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अधेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असकत्य रहे हैं;

ग्रीर यहः, उत्तम उम्मीवनार ने, सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलक्षा के लिए कोई कारण भयभा स्पव्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलक्षा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

त्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतदुद्वारा उक्त श्री अक्षार अली को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा अवधा विवास परिषद के सदस्य चृने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारी का मीन वर्ष की काला कधि के लिए निर्याहित घोषिन करता है।

[सं० उ० प्र०-मो०म० | 64 | 80 (52)]

O.N. 493.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Akhtar Ali, 2/1, Juma Masjid, Nawabganj, Kennur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Jok Subha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 64-Bilhaur constituency has failed to lodge an account

of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Akhtar Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/64/80(52)]

आं अं 494 ---- यस:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश में लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 64-बिस्हीर निर्वाचन कें ज से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगन्नाथ, ग्रा० जरसेन, पो० गुखानगर जिला कानपुर (उत्तर प्रवेश), लोक प्रसिनिधिस्थ भिधिनियम, 1951 सथा तब्धीन बनाए पए नियमों द्वारा ग्रेपेक्षित ग्रंपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखाल करने में भ्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्तः उम्मीदवार ने, सम्यकः भुचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पब्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान ही गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः प्रव, उक्त भिधिनियम की भारा 10-क के भ्रमुमरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री जगन्नाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्रोहित योषित करता है।

[सं० उ० प्र०-लो० स०/64/80(53)]

O.N. 494.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagannath, Village Jersen, Post Gukhanagar, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 64-Bilhaur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made therewater:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagannath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/64/80(53)]

मा०अ० 495.—धरः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 64-बिल्हीर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने थाले उम्मीदवार श्री राजकुमार, ग्रा० बिटुर केलो, प्रो० बिटुर जिला कानपुर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई निजा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यतः, उन्त उम्मीदशार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस सस्फलना के लिए कोई कारण अथशा स्पन्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है; ग्रत. भव, उक्त भिधितियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भायोग एसब्द्वारा उक्त श्री राजकुमार को संमय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथया विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की सारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहिंस घोषित करना है।

[सं उ०प्र०-लो०म०/७4/80(54)]

O.N. 495.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raj Kumar, Village Bithur Kalan, P.O. Bithur, Distt. Kanpur (U.P.) a contesting candida'e for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 64-Bilhaur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made there-under:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raj Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/64/80(54)]

शां० श्र० 496. —थाः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गथा है कि सई, 1980 में हुए उल्पर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 411-कैराना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने थाले उम्मी-दचार श्री अर्लानवाज, ग्रा० व पो० तिनरवाड़ा, तह० कैराना, जिला मुजफ्करनगर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रीकित रीति से निर्वाचन व्ययों का निया दाखिल करने में श्रमकल रहे हैं;

भीर यतः., उक्त उम्मीवधार द्वारा विये गये मध्यावेदन पर धिकार करने के पश्वात् नियीचन भ्र.योग का यह की समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्राः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री श्रशीनवाज को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्म्हित घोषिण करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰ वि॰स॰/411/80(218)]

O.N. 496.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ali Nawaz, Villago & P.O. Titarwara, Teh. Kairana Dis t. Muzaffar Nagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly beld in May, 1980 from 411-Kairana constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he had no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ali Nawaz to be desqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the Jate of this order.

INo. UP-LA/411/80(218)1

# नई विल्ली, 12 मई, 1981

आ० अ० 497 — यत, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश में लोक मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर निर्वाचन क्षेत्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री खान मीहम्मद, 64/219 गदरिया मोहाल, कानपुर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों हुएग श्रपेकित ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं,

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण मे निर्वाचन श्रायोग एनवृद्धारा उक्त श्री खान मोहम्मव की संसद के किसी भी मवन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषव् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिन धोषिन करता है।

[स॰ उ०प्र॰-लो॰स॰/65/80 (60)]

# New Delhi, the 12th May, 1981

O.N. 497.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khan Mohammad, 64|219, Gadariya Mahal, Kanpur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 f. om 65-Kanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khan Mohammad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/65/80 (60)]

आ० अ० 498 — यत., निर्वाचन श्रीयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर निर्वाचन केंग्ने से चुनाव लड़ने बाले उम्मीद-बार श्री जय प्रकाण नारायन गौनम, 85, जै०पी० कालोनी, हुलुवाखंड, कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निविचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं:

और यतः, उक्त उम्मीववार ने, मन्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है:

श्रतः श्रवः, उक्त श्रिष्ठिनियमं की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन सायोग एतक्ष्वारा उक्त श्री जय प्रकाण नारायम गौतम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा स्रथमा विधान परियद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस स्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[#০ ব০স০-লা০म০/65/80(61)]

O.N. 498.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ial Prakash Narain Gutam. 85 J. P. Colony, Haluwakhanda, Kanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January

1980 from 65-Kanpur constituency has failed to lodge an a ount of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Plection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commis ion hereby declares the said Shri Jai P akash Narain Gautam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/65/80 (61)]

आ० अ० 499. — यत, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रवेण लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर निर्वाचन केन्न से चृताय लड़ने वाले उम्मीद-धार श्री बंग राज, 118/407 को ग्रल पुरी, कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्य ग्राधिनियम, 1951 सथा सब्धीन बनाए गए सियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पश् मृजना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथना स्पटीकरण नहीं दिपा है श्रीर निर्याजन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकिस्य नहीं है,

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाधन श्रायोग एनवृक्षारा उक्त श्री बंग राज को समय के किसी भी सवन के या तिसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिन शोषित करता है।

[मं० उ०प्र०-लो०म०/65/80(62)]

O.N. 499.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bansh Raj, 118/407 Kaushalpuri, Kanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 65-Kanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bansh Raj to be disqualified fod being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/65/80 (62)]

आ अ अ 500 - यतः, निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी. 1980 में हुए उत्तर प्रवेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर निर्वाचन के ले ज़रूने वाले उम्मीद-वार श्री भ्याम बिहारी मिश्र, 87/319 श्राचार्य नगर, कानपुर (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधिस्य श्रिश्तियम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रूपंक्षित श्रुपंने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं;

श्रीर यमः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् मृचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण प्रथमा स्पर्भीकरण मृतं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है; भतः यस, उक्त भिधितियम की धारा 10-क के प्रतुसरण में निर्वाधन भायोग एनव्हारा उक्त श्री एयाम बिहारी मिश्र की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए ध्रम श्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कालाबिधि के लिए निर्राहन घोषित करता है।

[র্মাণ ব্রুস্থা-পাণ্মণ/৪5/৪৪( 63)]

O.N. 500.—Whereas the E'ection Commission is satisfied that Shri Shyam Bihati Mishra, 87/349, Acharya Nagar, Kanpur (U. P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January 1980 from 65-Kanpur constituency has failed to lodge an account of his election expanses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Bihati Mishra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/65/80 (63)]

आ० अ० 501.—यतः, निर्वाचन ध्रायांग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लीक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर निर्वाचन क्षत्र से चनाव लडन वाले उम्मीव-वार श्री एस० एन० हितकारी 62/1 जूही कला कालीनी, कानपुर (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधन्व श्रीविन्यम, 1951 सथा तत्रधीन वनाए गए नियमों हारा प्रयक्तिय स्नाने निर्वाचन न्ययों का कार्ड भी रोखा वाखिल करने में समयाल रहे हैं,

भीर यत, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना विष् आने पर भी. इस अभकलता के लिए कोई कारण अधाा रुष्टीकरण नही दिया है स्रोर निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसकतात के लिए कोई पर्याण कारण मा न्यामीपिन्य नही है.

अत. श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाधन भारोग एनद्द्वारा उक्त श्री एम० एल० हिनकारी का संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के मदम्य चुने जाने श्रीर होंगे के लिए इस श्रावेश की नारीख से सीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[मं० उ०प्रत-नो०स०/65/80(64)]

O.N. 501.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. L. Hitkuri, 62|1, Juhi Kalan Colony, Kanpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 65-Kanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason of justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. L. Hitkaui to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No UP-HP/65/80(64.]

आं॰ अं॰ 502 ----यतः. निर्याचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए उत्तर प्रदेश में लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर निर्वाचन क्षेत्र से घुनाव लड़ने वाले उम्मीव-बार श्री ज्ञान चंद, 63/5 माल रोड, कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रति-निधिन्य प्रधिनियम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए मियमो द्वारा प्रपेतित श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाख्रिल करने मे ग्रमफल रहें हैं:

श्रौर यत., उक्त उम्मीक्शर ने, सम्प्रक् सूचना विए जाने पर भी, एस समफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही विया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाक्षान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजिस्य नही है;

प्रत. थव, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के श्रनुपरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त थी ज्ञान चद के समद के किसी भी सदन के वा किसी राज्य की विधान सभा प्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादण की नारीन्द्र में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन घोषित करना है।

[स॰ उ॰प्र॰-संा॰स॰/६५/४०(७५)]

O. N. 502.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gyan Chand, 63/5, Mall Road, Kanpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 65-Kanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Gyan Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/65/80(65)]

भा० अ० 503.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-कानपुर विर्वाचन के के चृताव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्रीमती सुशीला क्षत्राणी 62/1 हरवंश मोहाल, कानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भौर यत. उक्त उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना विए जाने घर भी, इस चसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्वष्टीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भत. अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाधन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती मुणीला क्षवाणी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान संभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चून जाने और होने के निए हम श्रीदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के निए निर्माटन धोषित करना है।

[स॰ उ०प्र०--लो॰स०/65/80(66)]

O.N. 503.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Sushila Kshatrani, 52/1, Harbanch Mohal, Kanpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 65-Kanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Llection Commission hereby declares the said Shuimati Sushila Kshatrani to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No UP-HP/65/80(66)]

## नई दिल्ली 13 मई, 1981

आ० अ० 504 ---यत, निर्वाचन प्रायोग का ममाधान हो गया है कि जनतरी, 1980 में द्रुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 4-पूर्वी दिल्ली निर्वाचन केल से चुनाय लड़ने वाले उम्मीवयार श्री बीठ एल० करौतिया, ए.म-311 स्कूल बलाक, णकरपुर, दिल्ली-92 लोक प्रतिनिधिक्व अधिनियम, 1951 सथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रमुक्त रहे हैं,

श्रीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयदा स्पव्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौत्तिस्य नहीं है,

भ्रत सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन भ्रायोग एनदृहारा उक्त श्री बीठ एसठ करौतिया को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की निधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस भादेश की तारीख्न से नीन वर्ष की कालायिंग के निए निर्माहन घोषिन करता है।

[म० दिल्ली-लो०म०/4/80(10)]

#### New Delhi, the 13th May, 1981

O.N. 504.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri B. L. Karautia, S-311 School Block, Shakarpur, Delhi-92, a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 4-East Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri B. L. Karautia to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Patliament of the I egislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/4/80(10)]

आ० अ० 505 ---यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-पूर्वी दिल्ली निर्वाचन केव से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगवान सहाय, 76, नन्द भवन, रघुत्ररपुरा नं० 1, दिल्ली-31 लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए सए नियमो द्वारा अपेक्षित ग्रापने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दावित्व करने से ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यत, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक शूचना विश जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण भ्रथदा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पोस इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्याग्रीचित्य नहीं है,

श्रत अब, उक्त भिधिनिया की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्रारा उक्त श्री भगवान सहाय को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान सभा अथवा विधान परिपर् के सदस्य चुने जाने स्रीर होने के लिए इस स्रादश की घारीज से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घाषित करता है।

[म० वि.ली-सो०म०/ 1/90(11)]

O.N. 505—Whereas the Election Commussion is satisfied that Shri Bhagwan Sahai, 76-Nand Bhawan, Raghubarpura No. 1, Delhi-31, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 4-East Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagwan Sahai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/4/80(11)]

आा० अ० 506 — यत, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-पूर्वी विल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लघ्ने वाले उम्मीदवार श्री मेधनाय योगेश्वर, मीं-915, जहांगीरपुरी, विल्ली-33 लोक प्रतिनिधित्य प्राधिनियस, 1951 लघा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे है;

श्रीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

प्रत प्रव, उक्त प्रधिनियम की क्षारा 10-क के प्रतुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री मेघनाथ योगेण्वर की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मधा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावंश की नारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्महन घायित करता है।

[सं० दिल्ली-ला०म०/4/९०(12]

O.N. 506.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Meghnath Yogeshwar, C-915, Jahanglrpuri, Dellii-33, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 4-East Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Meghnuth Yogeswar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. DL-HP/4/80(12)]

आ। अ। 507 — यत, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मो० ग्रन्थुल्ला, 2092 क्षा 'नाहरखां' दिखागंज, विल्ली शोक प्रति-निधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रमफल रहे है:

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक मृचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौजित्य नहीं है,

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्टिनयम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्विषन श्रायोग एसद्द्वारा उक्त श्री मो० श्रम्बुल्मा को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयता विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्रोहन घोषित करता है।

[मं० दिम्ली-लो०म०/4/80(13)]

O.N. 507.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Moh. Abdullah, 2092, Kucha Naharkhan, Daryagani, Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 4-East Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Moh. Abdullah to be disqualitled for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/4/80(13)]

आं० अ०508 — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-पूर्वी विस्ती निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जे० सी० रैना, एफ-3, किलमिल कालौनी, विस्ती लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रवेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक्त सूचता दिए जाने पर भी इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भौर निवचिन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्र्य नही है;

भनः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री जे० सी० रेना को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित बोधिन करना है।

[सं० विल्ली-लो०म०/. 4/80(14)]

O.N. 508.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri J. C. Raina, F-3, Jhilmil Colony, Delhi, a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 4-East Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri J. C. Raina to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/4/80(14)]

आ० ग्रं० 509 — यन, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-पूर्वी दिल्ली निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुरेन्द्र सिंह, ब्लाक सी, म०गं० 8 ए, ग्रर्जन नगर, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धनः ध्रव, उक्त ध्रश्नियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन ध्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री मुरेन्द्र सिंह को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की तारीना में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्रोहन घोषित करता है।

[सं० दिल्ली-लो०स०/4/80(15)]

O.N. 509.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Surendra Singh, Block 'C', H. No. 8A, Arjun Nagar, Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 4-East Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Surendia Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/4/80(15)]

आ० अ० 510 — यत', निर्वाचन आयोग का समाक्षान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश से लोक समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 60-हमीरपुर निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री राम सनेही ग्रा० व पो० उजबेड़ा, जिला हमीरपुर (उ०प०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1956 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनयम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री राम सनेही को संसव के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के मवस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इम श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्दाष्टिन श्रोषित करना है।

[सं० ज०प्र०-लो०स०/60/80(55)]

O.N. 510.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Sanehi, Village and Post Ujberi, District Hamirpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 60-Hamirpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Sanehi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/60/80(55)]

आर अ०511:— यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 60-हमीरपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री रमा गंकर निगम, ग्रा० व पो० चन्छीत, जिला हमीरपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनयम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों हारा भपेक्षित श्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे है;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्याचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

ग्रतः श्रवः, उक्त श्रिष्ठित्यमं की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री रमा शंकर निगम की संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्माहत धोषित करता है।

[सं॰ उ॰प्र॰-सो॰स॰/६०/৪०(56)]

O. N. 511.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rama Shanker Nigam, Village & Post Chandaut, District Hamirpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 60-Hamirpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rama Shanker Nigam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/60/80(56)]

आर अ 512:—यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 77-खुर्जा (ध्र०जा०) निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती राजधुलारी, ग्रा० समैता शफीपुर, पो० भाईपुर, जिला बुलन्दशहर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रेपेक्षित समय के घन्दर तथा रीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीववार द्वारा दिये गये भ्रम्यावेवन पर विचार करते के पश्चास, निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि 243 GI/81—5 उसके पाम इस भ्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या श्वायीचिस्य नहीं है;

धतः धवः, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एनव्दारा उक्त श्रीमती राजवुलारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा धणवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्सहत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-लो०स०/77/80(57)]

O.N. 512.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Rajdulari, Village Sonete Safipur, P.O. Bhaipur, District Bulandshahr (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 77-Khurja (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. Rajdulari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member or either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/77/80(57)]

भारकार 513: — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश से लोक समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उ5-बुमरियागंज निर्वाचन केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चन्द्र प्रकाश, पार गनवरिया, पोर इटावा, जिला बस्ती (उर्वप्रर), लोक प्रतिनिधिस्य ग्राधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रापेक्षित ग्रापे निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस धमफलता के लिए कोई कारण धयवा स्पब्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन धायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोधिक्य नहीं है;

मतः अय, उक्त भिवितियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्दारा उक्त श्री चन्द्र प्रकाश को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर और होने के लिए इस आवेश की तारीका से तीन वर्ष की काल विधि के लिए निर्राहत भौषिन करना हैं।

[सं० च०प्र०-लो०स०/35/80(58)]

O.N. 513.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chandra Prakesh, Village Ganwaria, P.O. Itawa, District Basti (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 35-Dumariyaganj constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chandra Prakash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/35/80(58)]

आक्षा 514.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 39-महाराजगंज निर्वाचन केले से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुख सागर दाम, प्रा० पो० सिसवा राजा, जिला गोरखपुर (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा मपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, जनत जम्मीदवार ने, सन्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकानता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

मतः भव, जनत श्रीधिनिधम की धारा 10-क के श्रानुमरण में निर्वाचन श्रायीय एतव्दारा जनत श्री सुख मागर दास को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रायुंग विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारोज में तीन वर्ग की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करना है।

[सं० उ०प्र० सो०स०/39/80(59)]

O.N. 514.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukh Sagar Das, Village & P.O. Siswa Raja, District Gorakhpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 39-Maharajganj constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukh Sagar Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/39/80(59)]

# नई दिल्ली, 14 मई, 1981

आं आं 515.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए अ94-हिस्तिनापुर (प्राव्जाव) निर्वाचन कीस से चुनाव लड़ने वासे उम्मीववार श्री टुस्तन सिंह, नि०-84 नेया धाजार सदर, मेरठ कैन्ट मेरठ (उ०५०), लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन धनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाद्यिल करने में असफल रहे हैं;

कौर थतः, ज़क्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस मसकलता के लिए कोई कारण प्रथम स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन मायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायीविस्य नहीं है;

धातः सन्तं, उन्तं प्रक्षितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाच त धायोग एतव्दारा उन्तं श्री टुल्लन सिंद् को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा परिवद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस पावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के बिए निर्दाहत धोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/394/80(29)]

New Delhi, the 14th May, 1981

O.N. 515.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tullan Singh, R/o 85, Naya Bazar Sadar, Meerut Cantonment, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 394-Hastinapur (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason o, justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tullan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/394/80(219)]

आं०आ० 516. — यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 400-खेकड़ा निर्वाचन केल से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामकरण, प्रा० धहमवनगर, तह् धागपन, जिला भेरठ (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ध्रपने निर्वाचन का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रसकल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीववार ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसकता के लिए कोई कारण भयवा स्वब्दीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसकतना के लिए कोई पर्वास्त कारण या स्थायोजिस्य नहीं है;

श्रतः श्रवं, उक्त अधिनिथम की धारा 10-क के अनुसरण में निविचन आयोग एतवद्वारा उक्त श्री रामकरण को संसव के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषव् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाष्ट्रन घोषिन करता है।

[सं॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/400/80(220)]

O.N. 516.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramkaran, Village Ahmed Nagar, Teh. Baghpat, District Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 400-Khekra constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Karan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/400/80(220)]

जा जा जा 517. — यतः, निर्वाचन, भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 402-वरनावा निर्वाचन क्षेप्त से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री बुना, प्रा० हरी, तहर सरधना जिला मेरठ (उर्जा ), लोक प्रति-मिधित्व भ्रिधिनियम, 1951 तथा तशीम बनाए गए नियमों द्वारा भ्रेपिन भ्रपति निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में म्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यत, उकत उम्मीदवार ने, सम्बक्त सुचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसकलता के लिए कोई कारण अवना स्पष्टीकरण महीं विधा है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसकलता के लिए कोई पर्यापन कारण या न्यायौजिस्य नहीं है;

अत. अब, उक्त श्रीधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एमव्हारा उक्त श्री बुन्दा को सक्त के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विज्ञान सभा अथवा विज्ञान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख़ से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[स॰ उ०प्र०-वि॰स॰/402/80(221)]

O.N. 517.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bunda, Village Harra, Teh. Sardhana, District Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 402-Barnawa constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bunda to be disqualified for being chosen us, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/402/80(221)]

आ०अ० 518.—यत', निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 398-खरखौदा निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री महेन्द्र प्रताप शर्मा, ग्रा० व डा० खरखौदा जिला मेरठ, (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए निथमों द्वारा ध्रपेक्षित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने मे असफल रहे हैं।

ग्नौर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धत धव, उक्त सिधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्धाचन धायोग एतव्दारा उक्त श्री महेन्द्र प्रताप शर्मा को ससव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा ध्यवता विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख़ से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[स॰ उ॰प्र॰-बि॰स॰/398/80(227)]

O.N. 518.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahendra Pratap Sharma, Village & P. O. Kharkhauda, District Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 398-Kharkhauda constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Mahendra Pratap Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

IND. UP-LA/398/80(227)

नर्ष दिल्ली, 15 मई, 198 t

आ०अ० 519.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान समा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 135-बीकापुर निर्वाचन केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगदीश प्रसाव, ग्रा० पो० पृह्यी जिना फैजाबाद (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तद्यीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षिल ग्रुपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

भीर यत, जनत जम्मीदवार ने, सम्यकं सूचना दिए जाने पर भी इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यायोचित्य नहीं है,

धतः धवः, उक्त अधिनियम की धार। 10-के के धंनुसरण में निर्वाचन धायोग एतद्दारा उक्त श्री जगदीण प्रसाव को ससव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा धयवा विधान परिषद् के सवस्य चूने जाने भौर होने के लिए इस धादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन घोषित करता है।

[स॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/135/80(222)]

New Delhi, the 15th May, 1981

O.N. 519.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Prasad, Village P.O. Punhpi, District Faizabad (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 135-Bikapur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/135/80(222)]

अर्था 520.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 135-धीकापुर निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीपवार श्री राम पियारे, या० चितांवा, पो० गोशाईगंज, जिला फैंजाबाव (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो कारा अपेक्षित अपने निर्वाचन कथयों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रौर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक धूजना विए जाने पर श्री, इभ अस्फलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

धतः प्रव, उक्त धिर्मियम की धारा 10-क के धनुसरण में लिक्किन धायोग एतद्वारा उक्त श्री राम पियारे को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विवान सभा ध्रयवा विज्ञान परिषद् के सबस्य जुने जाने और होने के लिए इस धावेश की नारीख से तीन वर्ष की काखाविक के लिए निरहित घोषित करना है।

[स॰ उ०प्र०-वि॰स॰/135/80(223]

O.N. 520.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Piyare, Village Chitawan, P.O. Gosaingani, District Faizabad (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 135-Bikapur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Piyare to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. UP-LA/135/80(223)]

आ०अ० 521.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 21-नजीवाबाद (५०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम किशन, ग्रा० वीरवाला, बा० चन्द्रनपुरा जिला बिजनौर (उ०प्र०), शोक प्रतिनिधित्व श्रीधितयम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसकलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः ध्रव, उक्त ध्रिमियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में तिर्वाचन भायोग एतत्वारा उक्त श्री राम किशन की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य मुने जाने और होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्माहत भोषित करता है।

[सं० उ०प्र-वि०स०/21/80(224)]

O.N. 521.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Kishan, Village Beeruwala, P.O. Chandanpura, District Bijnor (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 21-Najibabad (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Kishan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. UP-LA/21/80(224)!

जा० ज० 52 2.— यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 21- नजीवाबाव (भ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाथ लड़ने वाले उम्मीदवार भी मंजू, ग्रा० मोहम्मव भ्रमीखानपुर, डा० साहनपुर जिला विजनौर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रथेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसकल रहे हैं:

भीर यतः, जनत जम्मीवधार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथका स्पट्टीकरण नहीं विका है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं हैं;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आरे। एति द्वारा उक्त श्री मंजू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की धिवान सभा अथना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होंगे के लिए इस आदेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाथिय के लिए विराहित बोबिन करता है।

[सं० उ०प्र०-वि॰स०/21/80(225)]

O.N. 522.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manju R o Village Mohd. Amikhanpur, P.O. Sahanpur, District Bijnor (U.P.), a contesting candidate for general election to the U.P. Legislative Assembly held in May, 1980 from 21-Najibabad (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mangu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/21/80(225)]

आंबार 523.—थतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में प्रुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 21-नजीवाबाद (श्ररूजार) निर्वाचन केल से चुनाश सड़ने भाले उम्मीदशार श्री राम स्थल्प, ग्रार व बार साहनपुर जिला बिजनीर (उर्जर), लोक प्रितिनिश्रित्थ मिलिनियम, 1951 तथा तब्बीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्सिस भवने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर थतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान ही गया है कि उसके पास इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भनः भन्न, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाधन आयोग एनद्वारा उक्त श्री राम स्थरूप की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा धायवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेश की तीरीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निरहित धोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/21/80 ( 226)]

O.N. 523.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Swarup, 1/0 Village & P. O. Sahanpur, District Bijnor (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 21-Najibabad (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Swarup to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/21/80(226)]

अंश्वित 524 — यत , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उस्तर प्रदेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 408-मुजफ्फरनगर निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जिलोकचन्द, 743-योगेन्नपुरी, मेरठ रोड़, मुजफ्फरनगर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित अधिनिधम, 1951 सथा तिद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफन रहे हैं.

भीर यत , उक्त उम्मीवपार ने, सम्यक सूचना थिए जाने पर भी, इस भसकलता के लिए कोई कारण भया स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वा-चन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसकलता के लिए कोई प्यप्ति कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

मत मन, उका मिर्धानयम की घारा 10-फ के मनुसरण में निर्वाचन भाषोग एपदब्राग उका श्री जिलोक चन्द्र की ससद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विज्ञान सभा भाषत्र विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के निष्दुस मादेश की धारीखा से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[নত ও০ম০-খি০ন০/408/80(228)]

O.N. 524.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thiok Chand, 743-Yogendrapuri, Meerut Road, Muzaffarnagar (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 408-Muzaffarnagar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Trilok Chand to be disqualified for being chosen us, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/408/80(228)]

व्याव्यव 525.--यत , निर्वाचन ग्रायोग का समाधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 418-सहारनपुर निर्वाचन को स चुनाव लड़ने वाले उम्मीवज्ञार की तुगल सिंह, ग्राव कपामा, बाव हमनपुर, जिला सहारनपुर (उवप्रव), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 मधा ध्रव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घपेक्षित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में घसकन रहे हैं;

चौर यत , जनस उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना बिए जाने पर भी, इस चसकलता के लिए कोई कारण द्रयमः स्पष्टीकरण नहीं दिया है चौर निविचन भाषीय का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री तुगल सिंह को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की थियान सभा अथया थियान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तिरीच से तीन वर्ष की कालाशिव के लिए निर्दाहत चोवित सरमा है।

[सं०उ०प्र०-धि०स०/418/80(229)]

O.N. 525.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tungal Singh, Village Kapasa, P.O. Hasanpur, District Saharanpur (U.P.), a contesting candidate for general

election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 418-Saharanpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason of justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tungal Singh to be disqualified for being chosen as, and being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/418/80(229)]

# नई दिल्लीं, 16 मई, 1981

आ० अ० 526.—यारं, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 36-स्वार टाल्डा निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदयार श्री राम इपाल , ग्रा० भगवन्तनगर, पो० स्वार, जिला रामपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसक्त रहे हैं',

भीर ातः, जक्त जम्भीवदार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसकन्ता के लिए कोई कारण ध्रयदा स्पष्टीकरण नहीं दिया हैं भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हा गया है कि जसके पाम इस भसकन्ता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

क्षतः अन्न, जन्त भिधितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतवहारा उक्त श्री राम क्रपाल की ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथना विधान परिवद्ध के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की धारीखा से तीम वर्ष की काला-विध के लिए निर्दर्शित घोषित करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰-थि॰स॰/36/80(230)]

# New Delh: the 16th May, 1981

O.N. 526.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Kripal, r/o Village Bhagwant Nagar, P.O. Suar, District Rampur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 36-Suar Tanda constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Kripal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/36/80(230)]

आ० अ० 527'---यर्स, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 36-स्वार टाव्डा निर्वाचन केस्त्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री सदन मिया, प्रा० रतनपुरा, तह० स्वार, जिला रामपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व धाधिनियम, 1951 सथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धायेकित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धासफल रहे हैं;

भौर यत , उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसकलता के लिए काई कारण अयका स्वब्दीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्तिय नहीं हैं; भ्रतः श्रव, उक्त श्रीधिनिधम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एमदद्वारा उक्त श्री मक्त मिथां को संसद के किमी भी सक्त के या किसी राज्य की विधान सभा श्रवशा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस शादेश की तारीख से तीन थर्ष की काला-अधि के लिए निरहिंग घाषित करना है।

मिं० उ० प्रo-विवस्त (36/80(231)]

O.N. 527.—Whereas the Election Commission is satisfied fled that Shii Sadan Miyan, r/o Village Ratanpura, Tehsil Suar, District Rampur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 36-Suar Tanda constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sadan Miyan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/36/80(231)]

## नई दिल्लो 19 मई, 1981

आ० अ० 528. — यनः, निर्वाचन आसोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश थिधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 39-शाहाबाद (अ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाथ लड़ने बाले उम्मीदशार श्री छुट्टन, ग्रा० करनपुर डा० शाहाबाद, जिला रामपुर (उ० प्र०), लोक प्रतितिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रवेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का काई भी लेखा दाखिल करने में असकत रहें हैं;

भीर यसः, उन्त उम्मीदनार ने, सम्यक सूनना दिए जाने पर भी, इस असकलता के लिए कोई कारण भयका स्पष्टीकरण नही दिया हैं भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलक्षा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

भन्नः भन्न, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एसदद्वारा उक्त श्री छुट्टन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भायता विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की सारीखा से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरक्षित बोधिन करता है।

[सं० उ० प्र० वि०स०/39/80 (232)]

### New Delhi, the 19th May, 1981

O.N. 528.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhutan, Village Karnpur, P.Q. Shahbad, Distt. Rampur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 39-Shahbad (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhutan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order,

[No. UP-LA/39/80(232)]

आं अं 529.—--यतः, निर्वाचन म्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 76-पटियाला टाउन निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीवबार श्री तीरचचन्द, 25-चरण बाग, पटियाला (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपंतिर्विचन व्ययों का काई भी लेखा दाखिल करने में प्रसुक्त रहे हैं;

भीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इन भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रयंका स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नही है;

म्रतः मत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन मायोग एसवड़ारा उक्त श्री तीरथचन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य किसी विधान सभा प्रथवा श्रिधान परिवद के सवस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेग की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[स॰ पंजाब-वि॰स॰/76/80(65)]

O.N. 529.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tirath Chand, 25-Charan Bagh, Patiala (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Asembly held in May, 1980 from 76-Patiala Town constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tirath Chand to be disqualified or being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/76/80(65)]

#### नई दिल्ली, 20 मई, 1981

आं ब्या 530. — न्यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 37-रामपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री कैंसर शाह खा घेर हमन खां, रामपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं;

भीर मनः उन्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस झमफानता के लिए कोई कारण झथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन झायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस झसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौद्धित्य नहीं हैं:

धतः, धव, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन ध्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री कैसर शाह खां को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिणद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/37/80(233)]

# New Delhi, the 20th May, 1981

O.N. 530.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kaiser Shah Khan, Ghair Hasan Khan, Rampur (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 37-Rampur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Represntation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kaiser Shah Khan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/37/80(233)]

का०अ० 531.—यतः, निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में ग्रुए उत्तर प्रदेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 396-मेरठ केन्ट निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्रोमपाल गर्मा, 66, मधुबन कालोनी, बागपन रोड, मेरठ (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रोक्षित ग्रामे निर्वाचनों स्थायों का कोई भी लेखा वाज्ञिल करने में ग्रमकल रहे हैं;

भीर यतः, उकत उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी करण नही विया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रवः, जक्त ग्रधिनियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनदक्कारा उक्त श्री श्रोमपाल णर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य भूने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेण की तारीख से तीत वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन श्रोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/396/80(235)]

O.N. 531.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Om Pal Sharma, 66, Madhuban Colony, Baghpat Road, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 396-Meerut Cantonment constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Om Pal Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. UP-LA/396/80(235)]

आं० अं० 532.—-यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 397-मेरठ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लग्नने वाले उम्मीदवार श्री धर्मवीर, 118-फुलबाग कालोनी, मेरठ (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रमें क्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर थतः, उन्त उम्मीदवार ते, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण मथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं हैं;

घतः मन, जनन प्रधिनियम की धारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन भायोग एतपद्वारा जनन श्री धर्मवीर की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य भुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावध के लिए निर्राष्ट्रित घोषित करा है।

सिं॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/397/80(238]

O.N. 532.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dharam Vir, 118-Phool Bagh Colony, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 397-Meerut constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dharam Vir to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the I egislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/397/80(238)]

आ०अ० 533.—-यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के निष् साधारण निर्वाचन के लिए 38-गोरखपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गृरसेवक उर्फ गुरुप्रसाव तिपाठी, ग्राम धर्मपुर, पो० सरांव, जिला देवरिया (उ०प्र०) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों हाग अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिन करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर अतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्थक सूचना दिए जाते पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोबिन्य नहीं हैं;

धनः सब, उनन प्रधिनियम की घारा 10-क के प्रतृपरण में निर्वाचन भागोग एनवृद्वारा उक्त श्री गुरुसेवक उर्फ गुरुश्रमाय विषाठी की संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयबा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[मंo उ०प्र०-लो०मo/38/80(67)]

O.N. 533.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gurusewak Urf Guru Prasad Tripathi, Village Dharampur, P.O. Saraw, District Deoria (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 38-Gorakhpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission & satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gurusewak urf Guru Prasad Tripathi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/38/80(67)]

बा॰अ॰ 534.—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधात हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए अश-गोरखपुर निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बैजनाथ निर्पाठी, ग्राम मठिया, पो० बांसपार जिला गोरखपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्ल प्रधिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे है;

भौर यत, उन्न उम्मीवनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विया है ग्रीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है; भ्रतः भ्रमः, उक्त भ्रश्चितियम की धारा 10-क के भ्रनुगरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उपन श्री बैजनाथ तिपाठी को संसद के किसी भी सक्ष्म के या किसी राज्य की विवान सभा अथवा विधान परिषद के सबस्य भुने जाने भीर होने लिए इस भ्रादेण की तारीख से सीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्णहत धोषित करता है।

[सं॰ उ॰प्र॰-लो॰स॰/38/80/(68)]

O.N. 534.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Baijnath Tripathi, Village Mathia, P. O. Banspar, District Gorakhpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 38-Gorakhpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Baijnath Tripathi to be disqualified for being chosen us, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/38/80(68)]

श्रा० श्र 5 35: — यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 38-गोरखपुर निर्वाचन के लिए 38-गोरखपुर निर्वाचन के लिए 38-गोरखपुर निर्वाचन के लिए अने वाले उम्मीववार श्रो गौंकत धली, मोहल्ला दिलेजाकपुर मकान नं० 135, गौरखपुर शहर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिश्तियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदणार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ध्रसफलता के लिए कोई कारण घथवा स्थष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ध्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं हैं;

झतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन झायोग एतबुद्धारा उक्त श्री शौकत झली को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस मादेल की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता हैं।

[सं० उ० प्र०-सो०स०/38/80/(69)]

O.N. 535.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shaukat Ali, Mohalla Dilojokpur, House No. 135, Gorakhpur City (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 38 Gorakhpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shaukat Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/38/80(69)]

धार घर 536 :-यतः निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि अनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए अश्वनीरखपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार डार्स्स कुमार, बार व पोर भड़सार, जिला गोरखपुर (उर्व्यर) लोक प्रतिनिधिस्य धिंमियम, 1951 तथा तद्धीन चनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असकन रहे हैं;

भौर यन उम्म उम्मीदवार ने, सम्यक्त सूचन। दिए जाने पर भी, इस भ्रगफलना के लिए कोई कारण अथवा स्वब्दीकरण नहीं विया हैं भौर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित नहीं हैं;

ग्रतः अब, उनन भ्रधिनियम की भ्रारा 10-क के भ्रनुमरण में निर्वाचन आयोग एतव्द्वारा उक्त श्री हा॰ सन्त कुमार को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा श्रयवा निश्रान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की नारीक से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिद्धित घोषिन करना हैं।

[सं० उ०प्र०-मो०स०/38/80(70)]

O.N. 536.—Whereas the Election Commission is satisfied that Dr. Sant Kumar, Village Bhadsar, P.O. Bhadsar, District Gorakhpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 38-Gorakhpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Dr. Sant Kumar to be disqualified for being chosen as, and and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/38/80(70)]

का अ 537: यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 38-गोरखपर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुरेश चन्द्र भागैंब, 5-रामनगर कालोनी, बक्शीपुर, गोरखपर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धरेकित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालित करने में घमकल रहे हैं;

भौर यतः, उनत उम्मीदभार ने सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, हम असफलता के लिए कोई कारण भयना स्मन्टीकरण नहीं दिया हैं भीर निर्वाचन भायोग का यह ममाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं हैं;

भतः भवं, उक्त अधिनियम की आरा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुरेश चन्त्र भागेंब को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेग की नारीन्द्र से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्स्तित घोषित करना हैं।

[मं० ३० प्र०-लो० म०/38/80 (71])]

O.N. 537.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suresh Chandra Bhargava, 5, Ram Nagar Colony, Bakshipur, Gorakhpur (U.P.), a contesting condidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 38-Gorakhpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suresh Chandra Bhargava to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP|38|80(71)]

आ॰ ल॰ 538.---यतः, निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए सौधारण निर्वाचन के लिए 79 सरिहन्य निर्वाचन कोल से चुनाव लड़ने वाले उस्मीववार श्री मुच्चदेव सिह. सरिहन्य नगर, मोहल्ला बयालपुरी, जिला परियाला (अंजाव), लोक प्रतिनिधित्व भिधिनिधम, 1951 तथा तस्थीन बनाए गए नियमों द्वारत सप्रेक्षित अपने निर्वाचन क्याों का कोई भी लेखा वाधिन करने में अक्षकल रहे हैं:

भीर यतः जक्त अम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए छाने पर भी, इस समक्रमसा के लिए कोई कारण श्रववा स्पष्टोकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि असके पास इस असफलता के लिए कोई पर्यान्त कारण या न्यायौविस्य कहीं है;

मतः मतः प्रवा प्रधिनियम की धारा १०-क के अनुसरण में निर्याचन भामीग एतद्वारा उथत श्री सुखदेश सिंह की संसद के किसी भी सदन के या फिसी राज्य की विद्यान सभा भामया विधान परिषद के सदस्य शुने पाने की के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-राधि के लिए निर्दित योधित कुरता है।

[বাঁ০ বঁজাৰ-বিদ্যুত/79/80 (66)]

O.N. 538.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukhdev Singh, Sirhind City, Mohalla Dayalpuri District Patiala (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in Mey, 1980 from 79-Sirhind constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukhdev Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PE-LA /79/80(66)]

जा॰ अ॰ 539:----यतः, निर्मायन भाषोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए पंजाब निधान सभा के लिए साधारण निर्धायन के लिए अन्यबोहर निर्वाचन रहेत से चुनाव सकते बाले उम्मीदयार श्री. ईतर राम, सुपन्न श्री हरी राम, गांव व आकथर खन्धादाला, अमरकोट, राहसील फजिलका (पंजाब), लोक मतिनिधिरिय मौजित्यन. 1951 तथा सहधीन बनाए गए नियमों हा अपिन्नत प्रवने निवाचन व्ययों का कोई भी लेखा याखिल करने में असफल गहे हैं;

भीर यतः अभा अभीदभार में, सम्यम् सूचनाविये जाने पर भी. इस इसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्वर्धांकरण नहीं दिय है भीर विश्वांकन आयोग । यह समाधान तो गया है कि उसके पास एक असफ के सिए कोई पर्याप्त का च या न्यायौचित्य नहीं है; 243 GI/81—6 क्षत्र. धव, खबत विधितियम की धार 10 क के धनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्यारा उक्त की ईपार राम को लंसच के किसी भी सबत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषय के सबस्य चुने जाने भीए होने कि लिए इस भावेश की सारीख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्शति वोबित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/91/80 (67)]

1.N. 539.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ishar Ram, S/o Shri Hari Ram, Village & P.O. Kandhwala, Amarkot, Tehsil Fazilka (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislatics Assembly held in May, 1980 from 91-Abokar constitutely has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the Fourist Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ishar Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/91/80(67)]

का० क० 540,---- थतः, निर्वाचन मामोग का समाधाम हो गया है कि महें, 1980 में हुए एंजाव विधान सभा के लिए साम्रारण निर्वाचन के लिए 91-प्रजोहर निर्णयम क्षेत्र से जुनाव लहने वाले उम्मीयवार श्री रमेश मन्त्र, मुसूब श्री मुरारीलाल, मार्फत रिक्यान हाईबे कारगे भूवर्ण, मबोहर (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व मिनियम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए नियमों हारा मरेजित मपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाकिल करने में मसपल रहे हैं,

कीर यत', उश्त जम्मीधवार में. सम्यम् सूचना विष्ण भामे पर भी इस भ्रम्भभता के लिए कोई कारण अथवा स्पन्धीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन ब्राह्मीय का यह समाधान हो गया है कि जसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयन्ति कारणाया ग्याबीचित्य नहीं है;

धतः श्रवः, उनतः श्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्धायन श्राकोग एतवृद्धारा उनतः स्वी रमेश नाग्न की संसद के किसी भी सर्थन के या किसी राज्य की विधान सका श्रथवा विधान परिवर के सदस्य भूने जाने और होने कि लिए इस झावेश भी तानिया से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित श्रीक्षित करता है!

[प्रे॰ पंजाय-वि॰स॰/७1/80( 88)]

O.N. 540.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramesh Chander, Slo Shri Murali Lai, Clo Indian Highway Cargo Movers, Abohar (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislature Assembly held is May, 1980 from 91-Abohar constituency has failed to lodge an account of his expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has to good reason or justification for the fairure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the raid Shri Ramesh Chander to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a seriod of three years from the date of this Cider.

काँ कि कि 541.—यतः, निर्माचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि महै, 1980 में तुए ंकांक विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के तिए 91-प्रवोहर निर्वाचन लेत से चुनाव लढ़ने वाले उम्मीदवार श्री तक्ष्म, सुपन्न श्री कांची राम, मकान ने० 7124, एम॰ नी० ए॰, पटेल नगर, देवी मन्दिर के पास, प्रवोहर (पंत्राव), लोक प्रतिनिधित्व प्रविनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धपेक्षित प्रपर्न निर्वाचन क्यां का कोई भी लेखा वाखिन करने में ग्रामकत रहे हैं;

घोर यतः, उतन उश्मीवधार ने. सम्बन् सूचमा विए जा पर भी, इस अक्षकसता के लिए कोई कारण अथवा स्यष्टीकरण नहीं दिया है घौर निर्वाचन आयोगं का यह समाक्षत हो गया है कि उसके पास इस असफनता के लिए कोई पर्वाच्य कारण या स्यामीजिन्य नहीं है.

धतः धव, उनतः अधिनियम की धारा 10-व ने धनुसरण में नर्भाचन आधोम प्रवृद्धारा उनतः भी वसू राम को संबद के किसी भी सबन के भी किसी राज्य की विधान सभा अभवा विधान परिवद के सर्वस्य चुने जाने भीर होने कि लिए इस धार्यम की तारीब से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन बोधित करता है।

# [मं० पंभाय-वि०स०/91/80 (69)]

O.N. 541.—Whereas the Élection Commission is satisfied that Shri Wattu Ram, S/o Shri Kansi Ram, House No. 7124, M.C.A. Patel Nagar, Near Devi Mandir, Abohar (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly field in May, 1980 from 91-Abohar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the Feople Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act; the Election Commission bereby declares the said Shri Wattu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/91/80(69)]

भां अं 542 ---पेतः निवृचिन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाव विकान समा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 91-अबीहर निवृचिन सेंह से चुनाव लड़के वाले उम्मोदबार श्री जगवींग राय, सुपन्न श्री राम लाल, मार्फन विकी स्टूडियों तहसील रोड, अबोहर (पंजाव) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 नयां तद्धीन अन्तर गएं नियमी डारा अवेंकित रीति से अपने निवृचिन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफन रहे हैं,

कीर युशः, ठक्त उम्मीवकार ने, सम्यक् सूचना दिए जा पर भी, इस-अधुकलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विया है और निर्वाचन चाँका के। यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफसटा के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायीवित्य नहीं हैं;

भतः, भव उक्त सिधिनियम की धारा, 10-क के प्रमुक्षरण में निर्वाचन भावींस एत्रवृहास जेकत भी जगदीम राय की संसद के किसी भी सदन के शि: किसी "राज्य की विधान सभा संयक्ष विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेण की तारीख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्सिंश जोवित करेसा है।

# [सै॰ पंजाब-वि॰स॰/91/80 (70)]

O.N. 541.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Rai, S/o Shri Ram Lal, C/o Vickey Studio, Tehsil Road, Abohar (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held

in May, 1980 from 91-Abohar constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Rai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. PB-LA/91/80(70)]

## नई दिस्सी, 21 मई, 1981

आ० अ० 543 - यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विद्यान मन्ना के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 5-कहनुवास निर्वाचन अन्न से चुनाव लड़ने वाने उम्मीववार श्री धवनार सिह, सुपल श्री मेहांगा सिंह, गांव तुगलवाला, सहसील वा जिला गुन्वासपुर (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में श्रमफल गहे हैं;

भीर मतः, जनत जन्मीयवार ने, सम्मक् सूचना दिए जाने पर की, इस भ्रम्भलतों के लिए कोई कारण प्रथवा सम्बीकरण अहीं दिया है और निर्वाचन भागोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रम्भलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यामीनित्य नहीं है;

श्रतः श्रमः, उनतः श्रीक्षित्यमं की धारा 10-कं के अनुभरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उननं श्री धवतार सिंह को संमद के किसी भी सर्वन के या किसी राज्य का विधान सभा ध्यवा विधान परिषदे के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस झावेश की तारीच में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्देहित घोषित करता है;

[स**० पंजाब-वि०स•/**5/80 (71)]

### New Delhi, the 21st May, 1981

O.N. 543.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Avtar Singh, S/o Shri Mehnga Singh, Village Tugalwala, Tehsil & District Gurdaspur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 5-Kahnuwan constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the taid Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Avtar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of cither House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/5/80(71)]

का० क० 544.—यंत', निवासन धायीग का समाधान ही गया है कि महै, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निवासन के लिए 38-विलामपुर निवासन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार की नसरम यार खां, या० अहरों, त० विलासपुर, जिला रामपुर (उ० प्र०) लोक प्रतिनिधित्व घित्रियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए निवासे द्वारी धरी धरी कित धपने निवासन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धराफ़ल रहे हैं।

क्रीर यतः, उक्त उम्मोवकार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस अतफलता के लिए कीई कारण सचना स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस समफलत के लिए कोई पर्वाप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है।

कतः भन्न, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचना काबीग एतव्दारा उक्त श्री नमरतयार चां को नमद के किसी भी मधन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान प्रश्व के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस प्रादेश की तारीच से न न वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत श्रोचित करता हैं।

[নত তত সঙ্গিতনত/38/80 (234)]

O.N. 544.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nasrat Yar Khan, Village Ahro, Tehsil Bilaspur, District Rampur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 38-Bilaspur constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nasrat Yar Khan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/38/80(234)]

भा० घ० 548 — यन:, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 398-मेरठ कैन्ट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री नगीन चन्च, 1018 पोदीबाझा मेरठ (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन ज्याने का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसफल रहें हैं;

भीर यतः, उनत उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अयवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन अयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याम्त कारण था न्यायां चित्य नहीं है;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा १ 9-क के अनुसरण ने निर्वाधन आयोग एकत्वाका उन्ता भी नगीन चन्त्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधना विधान परिवद के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख सेतीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्माहत धोषित करता है।

[सं• ড॰ স॰ বি৽ स॰/396/80(236)]

O.N. 545.—Whereas the Election Commission is gatisfied that Shri Nagin Chand, 1018, Podibara, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly hel din May, 1980 from 396-Meerat Cantonment constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nagin Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. UP-LA/396/80(236)J

भा० भा० 546 — पत', निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि गई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेम विधान संभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 396-मेरठ केन्ट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद्यवार श्री यधापाल, रजपुंध, मेरठ, (उ०प्र) लोक प्रतिनिधित्व लिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धरेकित प्राप्ते निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे धराफल रहे हैं;

ग्रीर यत , जक्त जम्मीववार ने, सम्प्रक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण नहीं विया हुँ भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं हैं।

भत:, प्रव उक्त अधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण भें निवांचन भायोग एतवृह्वारा उक्त श्री यशपाल को ससव के किसी भी सवन के था किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषव के सदस्य चुने वाने भीर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहत घोषित करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰ बि॰ स॰/ 396/80( 23**7**)]

O.N. 546.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yash Pal, Rajpura, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 396-Meerut Cantonment constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yash Pal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/396/80(237)]

भा॰ न॰ 547.--यत, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गमा है कि मई, 1980 में भुष्ट उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए सीधारण विज्ञीचन के लिए 397 मेरठ निर्वाचन तील से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती जेरा शुक्ता, 74 बुढ़ामा गेट, मेरठ (उ॰प्र॰) लोक प्रतिनिधित लिंधिनयम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा स्रमेशिन अन्हें निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेका वाकिस करने में प्रस्थल रहें हैं;

भौर यत, उनत उम्मीवनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो स्पा है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं हैं;

ग्रतः शव, उन्त प्रधिनियम की धार 10-क के मनुबरण में निवांकन भायोग एतव्हारा उक्त भीमशी वैसा गुक्तां को संसद के किसी भी संबंध के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयंता विधान परिषद के संबंध्य कुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भावेश की तारीक से तीब वर्ष की कालांबधि के लिए निर्दाहत योधित करता है।

[सं• अ० भ० वि० स०/397/80 (238)]

O.N. 547.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Vers Shukla, 74-Budhana Gate, Mecrut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 397-Mecrut constituency has failed to lodge an account of her election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Naw, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Vera Shukla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. UC-LA/397/80(239)]

का० कः \$48. -- यतः, निर्भावन भागोग का सजाधान हो गमः है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 398-मेरठ निर्वाचन केल से चुनाव सको वाले उम्मीदवार भी विजेश्व कुलार, 196 पुरवा उल्लाल रहीम मेरठ (उ० प्र०), लोक प्रतितिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तप्रीन असाए गए नियमी द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन क्यों का कोई की लेखा वाधित करने में असपल रहे हैं:

धौर यतः, उक्त उम्मीवदार ने, सम्यक् सूचना पिए जाने पर धी, इस धसफलता के निए कोई कारण धयवा स्वष्टीकरण गहीं दिया है भौर मिर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास एस घसफलता के लिए कोई पर्यान्त कारण या भ्यायीनिस्य महीं है:

कतः अव, उसत प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाक्षण ग्रायोग एतव्दारा उसत श्री विजेन्द्र कुमार को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सल्भ्य चृने जाने भीर होने के लिए इस भाडेग की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[सं॰ ভঃমৃ॰ বি॰ स॰ /397/80(240)]

O.N. 548.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijendra Kumar, 196-Purwa Aljalu Rahim, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 f. om 397-Meerut constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1931, and the Rules made thereuncer

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijendra Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of l'arliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/397/80(240)]

आं जा 549. यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 397 मेरठ निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्यामलाल गर्या, 96 रामनगर, मेरठ, (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व घिननियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घपेकित प्रपने निर्याचन व्यमों का नोई भी नेबा दाखित करने में धसफल रहे हैं;

भीर यतः, उन्त उम्मीववार ने, सम्पन् सूचना विए जाने पर भी इस ग्रासफलता के लिए कोई कारण भयका स्पन्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोगित्य नहीं हैं;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10 क के मनुसरणे में निर्वाचन आयोग एशव्हवारा उक्त भी स्यामलाल सर्मा को संसद के किसी भी सदल के या किसी राज्य विधान सभा अयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस मादेश की तारीज से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहत भोवित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/397/80(241)]

O.N. 549.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam La! Sharma, 96-Ram Nagar, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 397-Meerut constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Lal Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/397/80(241)]

मां भं 550. यस., निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 397-मेरठ निर्वाचन से चुनाव लड़ने वाले उमीवववार श्री सरवार राजपाल सिंह 178 गाँधी नगर, मेरठ (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व धिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रवेक्षित धपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रसफलत रहे हैं;

भौर यतः, उनत उम्मीदनार ने, सम्यक्ष सूचना दिए जाने पर धी हम समफलता के लिए कई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्मान आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस झसफ लता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है :

भत: भक्त, उन्त भधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उन्त श्री सरदार राजपाल सिंह की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कलावधि के लिए निर्राहस घोषित करता हैं।

[র্ম০ ড০ স০-বিভ্রূত/397/80( 242)]

O.N. 550.—Whereas the Election Commission is satisfied that Sardar Rajpal Singh, 178-Gandhi Nagar, Meerut (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 397-Meerut constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Sardar Rajpal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA|397|80(242)]

# नई बिस्ली, 25 मई, 1981

का॰ अ० 551.—यतः, निर्वाधन धायोग का समाधाम हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 112 अल्यक निर्वाचन केल से भुगाव लड़ने वाले उम्मीवधार शी राधेक्याम, बाँठ विक्तियांना सलीम, पो० सलीन, जिला रायबरेली (उ०प्र०) सीक प्रतिनिश्चिल प्रविनियम, 1951 तथा तव्यीन समाए गए नियमों द्वारा धपे- शिस अपने निर्वाचन स्थयों का कोई भी सेखा वाखिल करने में सम्भल्य रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस द्यसफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्धारा उक्त श्री राधेश्याम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान परिषद के सबस्य कुने जाने भौर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीक्ष से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषिन करता है।

[सं० उ० प्र० वि० स०/112/80 (243)]

# New Delhi, the 25th May, 1981

O.N. 551.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radhey Shyam, Mohalla Milkiana Salon, P.O. Salon, District Rai Bareilly (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 112-Dalmau constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radhey Shyam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/112/80(243)]

### नई दिल्ली, 26 मई, 1981

आंश्रिश 352—यत, निर्धावन द्यायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 2-यतिण दिल्ली निर्वाचन केल से चुनाय लड़ने वाले उम्मीववार श्री बलबीर सिंह, 17/131, सुभाष नगर नई विल्ली लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 तथा तव्धीन अनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वर्धाल करने में प्रसंकल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचनः विए आने पर भी इस मसफलता के लिए कोई कारण मयवा स्पष्टीकरण नहीं विया हैं ग्रीर निर्वा-चन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौद्याल्य नहीं है;

भतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन मायोग एतद्द्वारा, उक्त श्री धलबीर सिंह को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की -विभाग सभा मथवा विद्यान परिषद के सबस्य भुने जाने भीर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत बौधित करना है

[सं० दिस्त्री-सं/० स०/2/80(16)]

# New Delhi, the 26th May, 1981

O.N. 552.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balbir Singh, 17/131 Subhash Nagar, New Delhi a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 2-South Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Balbir Singh to be disqualified for being chosen as,

and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/2/80(16)]

आ० अ० 553.—यतः, निर्वाचन प्रायोगं का समाधान हो थया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए श्र-विक्षण दिल्ली निर्वाचन के किए श्रुनाव लड़ने वाले उम्मीदशर श्री मंगला प्रसाद, डब्लू जैड़-3, रजनपार्ण, धसई-वारापुर, नई दिल्ली, लोक प्रतिनिधित्थ प्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमीं द्वारा च्रियेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसंकल रहे हैं ;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यकः सुचना दिए जाने पर भीः, इस भसकलता के लिए कोई कारण भयधा स्वव्दीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

धतः सन्, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-कं के प्रमुक्तरण में निर्वाचन प्रायोग एतव्दारा उक्त श्री मंगला प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीचा में तीन धर्व की कालावित्र के लिए निर्वित्त घोषित करना है।

[सं॰ विल्ली-लो॰ स॰/2/80(17)]

O.N. 553.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mangla Prasad, WZ-3, Ratan Park, Basai Darapur, New Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 2-South Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mangla Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/2/80(17)]

जां अ 554.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के निए साधारण निर्वाचन के लिए 2-यिना विस्ती निर्वाचन क्षेत्र से चुनाब लड़ने वाले उम्मीदवार की मनमोहन सिंह साहनी, 13/13 तिलक नगर, नई दिल्ली, लोक प्रतिनिधित्व मिधनियम, 1951 ध्या तदीन बनाए गए नियमों द्वारा झपे- क्षित प्रपने निर्याचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्मक सूचमा विए जाने पर भी, इस मसफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पव्यीकरण नहीं दिया है भीर मिर्वाचन मामीग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस धसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त मिविनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निविचन भायोग एतव्दारों उक्त भी मनमोहन सिंह साहनी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयता विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की सारीक से सीन वर्ष की कालाबित्र के लिए निर्माहत धोबित करना है।

[सं० विल्ली-लो० स०/2/80(18)]

O.N. 554.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manmohan Singh Sahni, 13/13 Tilak Nagar, New Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 2-South Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the iailure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Manmohan Singh Sahni to be disqualified for being chosen as, for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/2/80(18)]

गौर यस:, उक्त उम्भीवधार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस मसकलता के लिए कोई कारण प्रयक्षा स्पन्नीकरण नहीं विया है और निर्माचन माबोग का यह समाधान हो मया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं हैं;

श्रतः श्रव, उक्त विधिनियम की बारा 10-म के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवृद्धारा भी राजित्यर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या विद्या प्राच्य की विधान सवाध्यावा विभाग परिवाद के सदस्य जुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाजिय के लिए निर्राहन घोषित करता है ।

[सं**० दि**ल्ली-लो• स०/2/80(19)]

श्रादेश से,

भ्रो० ना० नागर,

धवर सचिव, भारत निर्वाचन आयोग

O.N. 525.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajinder Singh, F-16, Rajouri Garden, New Delhi, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 2-South Delhi constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Art, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajinder Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/2/80(19)]

By order

O. N. NAGAR, Under Secy.

Election Commission of India

नई दिल्ली, 28 धप्रैल, 1981

क्षां का 556.--- यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 13-रायगढ़ (अ॰ज॰जा॰) निर्वाचन-केंद्र से चुनाथ लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जबूश्वर लाम, आराम निवास पैलेस, जसपुरनगर, शायगढ़, जिला रायगढ़ (मध्य प्रवेश), लोक प्रतिनिधित्व प्रिविनिधम, 1951 तथा लड़ीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाबिचन करने में असफल रहे हैं ;

भीर यत, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अनकलता के जिए कोई कारण अथका स्पन्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीजित्य नहीं है;

प्रतः थव, उत्तः व्यक्तिथम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन आसोग एतव्हारा उत्तः जो जबूबर साम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राय की विधान सभा प्रथम विचान परिवद् के सवस्य चुने जाने ग्रीर होंने के लिए इस शावेग की शारीच से तीन वर्ष की कालाविश्व के लिए निर्श्वित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-लो० स०/13/80(23)]

New Delhi, the 28th April, 1981

O.N. 556.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jadubar Sai, Ashram Niwas Palace, Jashpurnagar, District Raigarh (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 13-Raigarh (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jadubar Sai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/13/80(23)]

भां अं 557.---यतः, निर्वाचन मामोग का समाक्षम हो नथा है कि जनभरी, 1980 में हुए मोक समा के लिए साधानण निर्वाचन के लिए 13-रामगढ (मंक्य कार) निर्वाचन-कोल- से -चुनाथ करूने थाने, उम्मीदवार भी राजा असित कुमार हिंह, रामभाठा बंगला, नामगढ जिला रामगढ (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व महिन्यम, 1951 देवा तहीन बनाए गए निम्मों द्वारा धर्मकित मपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में मसफल रहे हैं;

बीर थत:, उक्त उम्मीदशार ने, सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस बक्तफ्मता के सिए बोर्ड कारण अयंत्रा स्पर्यीकरण नहीं दिवा है बीर निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस सक्षफ्रमता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भत. भंब, उक्त स्वितियम की बादा 10-म के बनुसरण में निर्वाचन सायोग एतद्बारा प्रस्त भी राज्य सीलत कुमार सिंह को संस्कृत के किसी भी सबस के था किसी राज्य की विद्यान सभा समया विभाग परिवद के सदस्थ जुने जॉन और होने के किए इस स्वोच्य की तारीज से सीन वर्ष की भारताथिंध के लिए निर्माहक बोधित करता है।

[ৰ্শ০ ম০ ম০-কী০ল০/13/80 (24)]

O.N. 557.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raja Lalit Kumar Singh, Ramphhatha Bunglow, Raigarh, District Raigarh (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 13-Raigarh (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raja Lalit Kumar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-HP/13/80(24)]

आ० अ० 558.— प्रनः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश थिधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 22-सेवदा (घ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाल उम्मीवशार श्री किमोरी णएण, ग्राम व पोस्ट बेरट, जिला वितया (म० प्र०) लोक प्रतिनिधित्य अधिनिध्म, 1951 एथा एडीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन ज्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धमफल रहे हैं;

श्रीर थतः, उक्त उम्मीदवार में, सम्थक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलका के लिए कोई कारण श्रथथा स्मण्टीकरण नहीं दिया है भीर निविचन शायोग का समाधान हो गथा है कि उसके पास इस श्रसफलका के लिए कोई पर्याप्त कारण था स्थायोजिस्य नहीं है ;

भनः भन, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्दारा उक्त श्री किमोरी मरण को संमद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान पण्चित् के सदस्य भूने जाने भीर होने के लिए इस मादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन पोधिन करता है।

[सं० म०प्र०-थि०म०/22/80(38)]

O.N. 558,—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishori Sharan, Village and Post Therat, District Datia (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 22-Seondha (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kishori Sharan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of p State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/22/80(38)]

भीर यसः, उक्त उम्मीवशाद ने, सम्यक सुवना विए जाने पर भी, इस असफल्सा के लिए कोई कारण अथवा स्वव्हीकरण नहीं विया है और निविधन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफल्सा के लिए कोई पर्याप्त कारण को न्यायीशिक्य महीं है ;

भन्न. प्राव, प्रधिनिथम की धारा 10-क के प्रमुद्धरण में निर्वाचन प्रायाण एतक्क्षारा उक्त श्री मूलकन्त्र की संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान मना प्रथम। विधान परिषद् के सदस्य चुने आने घीर होने के लिए इस प्रावेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाश्रधि के लिए निर्माहन को विधा करता है।

[মৃত মৃত মৃত-খিত্ম •/2/80(35)]

ON. 559.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mool Chand, Village and Post Nagada, Pargana Sheopur, District Morena (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh I egislative Assembly held in May, 1980 from 2-Bejeypur constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mool Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/2/80(35)]

# नई विल्ली, 28 भन्नैस, 1981

भा० था० 560.—-मर्तः, निर्वाचन प्रायोग भा समाधान हो गया है कि जनवरीं, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 21-दुर्ग निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री होमलाल वेवांगन, देवागन ट्रासपोर्ट, पोषण हाऊस मिलाई मध्य श्रदेण लोक श्रीपिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा लंबीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन क्यमों का कोई भी लेखा पाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भीर प्रतः, उक्त उम्मीदधार ने, सम्यक सुचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पब्दीकरण महीं विया है भीर निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भन्यकता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचिस्य नहीं है;

भनें. धव, उक्त धाँधनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भाषोग एतंद्वारा उक्त भी हेम लाल देवांगन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा धवना विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने धीर होने के लिए इस भाषेश की तारीक में तीन वर्ष की कामावधि के लिए निर्मिष्ट घोषित करना है।

[सं० म०प्र०-नी०स०/21/80(22)]

#### New Delhi, the 29th April, 1981

O.N. 560.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hemlal Dewangan, Dewangan Transport, Power House, Bhilai (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the House of the People in January, 1980 from 21-Durg Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hemlal Dewangan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/21/80(22)]

आ० अ० 561 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि अनवरी 1990 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 19-कंकर (अ०अ० जा०) निर्वाचन केल से भुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बासूदेव नेताम, गांव पीपरा (बहीगांव) डा० वहीगांव पीपरा तहसील की खेगांव, जिना बस्तर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिशिष्त श्रीधिनियम, 1951 एया तद्वीन बनाए गए नियमो हारा अपेक्षित नीति से अपने निर्वाचन व्ययों कर लेखा वाखान करने में अनकत रहे हैं ;

द्भीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूत्रमा दिए जाने पर जी, इस ध्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह ममाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ,

श्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बासूदेव नेनाम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा प्रयत्ना विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस घादेश की नारी अ से तीन वर्ष की काला-विश्व के लिए निर्राहत भोषित करता है।

[सं० म० प्र० लो० स०/19/80(25)]

O.N. 561.—Whereas the Election Commission is eatisfied that Shri Basudeo Netam, Village Pipra (Bahigaon), P.O. (Bahigaon) Pipra, Tehsil Kondagaon, District Bastar (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 19-Kankar (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manuer as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Basudeo Netam to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/19/80(25)]

का० अ० 562. --- यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 238-गोविन्दपुरा निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री एस० एस० शर्मा, 432-एस-2. बी० सैक्टर, गोविन्दपुरा भोपाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिमिश्चित्व प्रश्लिनियम, 1951 सथा तद्धील धनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेकिंत ग्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर यस, उक्त उम्मीवबार में, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अभक्तलना के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्यापन कारण या स्थायीवित्य नहीं है;

अनः सब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग ए। युद्धारा उक्त श्री एस० एन० शर्मा, को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषय के सवस्य चुने जाने और हीने के लिए उस आयेक्ष की तारीख़ से तीम धर्च की कालावधि के लिए निर्दाह बोधिन करन है

[নত নতনত-বিভ্নত/238/80(36)

ON. 562.—Whereas the Election Commission is ratisfied that Shri S. N. Sharma, 432-N-2, B-Section, Gobindpura, Bhopal, a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly hold in May, 1980 from 238-Gobindpura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even offer due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the raid Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri S. N. Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. MP-LA/238/80(36)]

का॰ अ॰ 593.— यत., निर्वाचन आयोग का समाक्षान ही गया है कि गई, 1980 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिए साजारण निर्वाचन के लिए 25-पोहरी निर्वाचन-केंच्र से प्राप्त शहने वाले उम्मीयवार श्री कोमस सिह, प्राप्त मुदेरी, जागीर-मो॰ शिवपुरी, जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधिस्य श्रीधनियम, 1951 तथा तद्धीन जनाए गए नियमों द्वारा अपेकिन श्रपने निर्वाचन भग्यो का कोई भी लेखा विखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीयबार ने, सम्यक सूचना दिए आने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण मही दित्रा है और निर्वाचन अध्योग का समाधान हो गया है कि उसके पान इन असफलता के रिएए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्तिय नहीं है ;

शत अस, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनव्हारा उक्त थीं कीमल सिंह की ससद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथमा विधान परिवर् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आयेण की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरित्त बोधिन करना है।

[ पं: स॰ प्रय-पि०म॰ / 25/80 ( 39)]

O.N. 563.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shui Komal Singh, Village Mudri, Jagir & Post Shippuri, District Shippuri (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legis lettve Assembly held in May, 1980 from 25-Pohri constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the fallure and the Flection Commission is satisfied that he has no good rea on or justification for the fallure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Komal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(SO MP LA/25/80(39))

भां। अरं 564 ---यस, निर्मावन ग्राथीम का समाधान हो गया है कि महै, 1980 में हुए मध्य प्रथेश विधान सभा के लिए साधारण निर्मावन के लिए 25-पीडरी निर्मावन केन में जुनाब लड़ने नाले उस्मीदबार जी रामजीवाल, ग्राम व पीज काकरिया, जिन्। शिवपुर (मध्य प्रथेश), लिक प्रशिनिधित्य माधिनियम, 1981 तथा नाम वनाए गए मियमों द्वारा "धपे- जिल्ल अपने मिर्वाधन द्यार्थ का कोई भी लेखा वाज्ञिल करने में "असम्बद्ध एहं है ,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया और निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके शाम इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है ;

श्री: घव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन आयोग एशद्द्वारा उक्त श्री रामजीलाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारोख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहिन घोषित करना है।

[सं० म० प्र० -वि०स०/25/80 (40)]

O.N. 564.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramji Lal, Village and Post Office Kakriya. District Shivpuri (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 25-Pohii constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rales made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no mood reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramji Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of 2 State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-J.A/25/20(40)]

भाग अ० 565.— यतः, निर्वाचन माथोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 25-पोहरी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने याले उम्मीदवार श्री नक्ष्मण पसाव, ग्राम व पो० भौलागढ, जिला शिवपुरी (मध्य अदंश), लोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा भरीक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसक्ल रहें हैं;

धौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भमफलता के लिए कोई कारण भयका स्पष्टीकरण नहीं दिया है धौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः धन, उक्त मिधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्डारा उक्त श्री लक्षमण प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जान शैर होने के लिए इस धादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध कालए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/25/80 (41)]

O.N. 565.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laxman Prashad, Village and Post Office Dhoia Garh, District Shivpuri (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislafive Assembly held in May, 1980 from 25-Pohri constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the tailure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxman Prasad to be disqualified for being chosen as, 243 GI|81-7.

and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/25/80(41)]

# नई दिल्ली, 1 मई, 1981

आ० अ० 566.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 208-गोटेगांव (अ०जा०) निर्वाचन-केंग्र से चूनाव सड़ने वाले उम्मीदवार श्री जमना प्रमाद शारिया, गांधी वार्ड गोटेगांव, तहसील नर्रासहपुर (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा मश्चीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में धसफल रहे हैं ;

श्रीर यतः, उक्त उम्मोदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उनके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्क्षाण उक्त श्री जमना प्रसाद झारिया को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विद्यान सभा भ्रमवा विधान परिषद् के सदस्य भूने आने भीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से सीन वर्ष भी कालाबधि के लिए निरहित घोषिन करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/208/80 (47)]

#### New Delhi, the 1st May, 1981

O.N. 566.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jamna Prasad Jhariya, Gandhi ward, Gotegaon, Tehsil Narsinghpur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1960 from 203-Gotegaon (SC) constituency, has tailed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jamna Prasad Jhariya, to be disqualified for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|208|80(47)]

आ० अ० 567.—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 208-गोटेगांव (०जाअ०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वा उम्मीववार श्री नारायण प्रसाद झारिया, मुं० पो० श्रीनगर, तहसील नर-मिहपुर (मध्य प्रवेश), लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 सभा तश्चीन बनाए गए नियमों द्वारा अवंक्षित सपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसभल रहे हैं;

मीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण मथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीत निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलका के लिए कोई पर्याप्त करण या न्यायौचित्य नहीं है ;

मतः प्रजः कि धियमः की घारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वागन भायोग एतवृद्धारा उक्त श्री नारायण प्रसाद झारिया की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा घर्यवा विधान परिषद् के सदस्य पूने जाने और होने के लिए इस घारेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहत घोषत करता है।

[सं॰ म॰ प्र॰-वि॰स॰/208/80 (48)]

O.N. 567.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narayan Prasad Jhariya, Village and Post Srinagar, Tehsil Narsingpur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 208-Gotegaon (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Narayan Prasad Ihariya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either lifeuse of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/208/80(48)]

आ० अ० 568 — यतः, निर्वाधन ग्रायीग का समाधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 82-जयसिंह नगर (धन्जन्जा) निर्वाधन-केत से चुनाव लड़ने वास उम्मीदवार श्री बोधन सिंह ग्राम बृहतवाह, पो० बरेली, जिला शहबोल (मंग्यन), लीक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्राधिल ग्रापने निर्वाधन क्यायों का कोई भी लेखा वाधिक करने में ग्रासफल रहे हैं;

धौर यत', उक्त उम्मीकवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस प्रसम्भवता के लिए कोई कारण प्रयता स्पष्टीकरण महीं दिया है भीर निवीचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भनफनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य महीं हैं;

भतः धन, जक्त प्रक्षितियम की धारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन क्षमयोग रतबुद्धरा उक्त श्री बीधन प्रिष्ठ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भविश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्यहित योगित करता है।

[सं॰ म॰ प्र॰-वि॰म॰/82/80 (50)]

O.N., 568.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bodhan Singh, Village Burranbah, Post Barely, District Shahdol (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 82-Jaisinghoagar (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in purpuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bodhan Singh to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/82/80(50)]

आं अं 569—यतः, निर्वाचन आयोगका समाधान हो गया है कि मई, 1980, में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 65—शाहपुर (अं जिं जां) निर्वाचन केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवनार श्री गावरी जगन्नाथ शंकर मृः पो कासारा, तालुक नाहपुर, जिला थाने (महाराष्ट्र) लीक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 पत्रा तष्ट्रीन बनाये गये नियमो द्वारा अपेकिन अपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी नेखा वाखिन करने में अगकन रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी, इस असफनना के लिये कोई कारण प्रथवा स्पर्टीकरण गर्मा दिया है भीर निकंचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफनता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकिय मही है,

अतः अयः, उक्न अधितियम मी धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन असोग एतद्वारा उक्त श्री गावरी जगन्नाथ मंतर की सभद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की थियान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिये इस आवेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्शतन भोषित करना है।

[म० महा-वि० स०/65/80 (62)]

O.N. 569.—Whe eas the Election Commission is satisfied that Shri Gavari Jagannath Shankar, At & Post Kasara, Tehsil Shahapur, District Thane (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 65-Shahapur (ST) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Gavari Jagamath Shankar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/65/80(62)]

श्रीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर की, इस श्रमफनता के लिये कोई कारण श्रथवा स्पन्दीकरण सही दिया है भीर निर्वाचन श्रामीण का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिये कीई पर्याप्त कारण या न्यायी वित्य नहीं है;

श्रत सब, उक्त प्रधिमियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतद्वारा उक्त श्री रावकर मधुसूदन सीताराम को संसद के किसी भी मदन के मा किसी राज्य की विधान सभा ध्रवना विध ९ परिपव् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेग की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित धोषिन करता है।

मिं० महा-वि० स०/15/80 (63)]

O.N. 576.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raokar Madhusudan Sitaram, 17, Krantivir, Rajguru Marg, Girgum, Bombay-4 (Maharashtia), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 15-Pen Constituency, has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raokar Madhusudan Sitaram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/15/80(63)]

### नई दिस्सी। 2 मई, 1981

आ० अ० 571 — धतः, निर्धाचन इत्योग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिये साक्षरण निर्धाचन के लिये साक्षरण निर्धाचन के लिये अठ-पुस्पराजगढ़ (अ० ज० जा०) निर्धाचन-केन्न से चुनाव सङ्गने वाले उम्मीदवार श्री इत्यराज मिह ग्राम व गो० भेजरी, जिला शहडोल, (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाये गये नियमों द्वारा इत्येजित अपने निर्धाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और यतः, उक्त उम्मीदनार में, सम्पन्न सूचना विये जाने पर भी, इस मसफलता के लिये कोई कारण प्रथम स्पन्नीकरण मही विद्या है और नियंचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस मसफलता लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायो चिश्य नहीं है;

शतः अन, उपन शिधिनियम की धारा 10-तं के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उपन श्री अधराज मिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी। राज्य की विधान मना अथवा विधाम परिषद के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्मान चौषिन करना है।

[स॰ म॰ प्र॰ वि॰ स॰/86/80(51)]

#### New Delhi, the 2nd May, 1981

O.N. 571.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Adhraj Singh, Village & Post Bhejri, District Shahdol (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 86-Pushparajgarh (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Adharaj Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/86/80(51)]

आ० अ० 572.—यतः, निर्वाजन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्थ, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विद्यान सभा के लिये साधारण निर्वाजन के लिये 86-पुस्पराजगढ़ (ग्र० ज० जा०) निर्वाजन-श्रीव से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री धम मिंह, ग्राम बरही, पौस्ट गिरारी जिला शहडोल (म० प्र०) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1931 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रदेशित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसकल रहे हैं;

ब्रीर यस: उक्त उम्मीवधार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण ब्रथता स्वय्टीकरण नही दिया है ब्रीर निर्वाचन ब्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्योप्त कारण या न्यायीचित्य नही है;

कतः कर्त्त, उसत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतज्ज्ञारा उसत भी धन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेण की नारीख से तीन वर्ष की गालाविध के लिये निर्माहत बोषित अरसा है।

[মৃত মৃত মৃত-বিত মৃত/৪৬/৪০ (52)]

O.N. 572.—Whereas the Election Commission is satisfied fied that Shri Dhan Singh, Village Barkes, Post Girari, District Shahdol (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 86-Pushparajgrah (ST) constituency has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the future and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the anid Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/86/80(52)]

धौर यत, जन्म उत्मीवनार ने, सम्मन सूचना विवे जाने पर भी, इस ध्रसफलता ने लिये कोई कारण अवचा स्पष्टीकरण मही जिला है और निर्वाचन आयोग का समाक्षान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कीई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

ग्रतः ह्राव, उपन क्रिशियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन कायोग एतव्हारा उक्त की हजारी मिह की तंत्रव के किसी भी सजन के या किसी राज्य की विद्यान सभा क्षणा विधान परिवर्त के सहस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेण की तारीन से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्माहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि० स०/86/80 (53)]

O.N. 573.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hazari Singh, Village Kirgee, Post Rajendraram, District Shahdol (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 86-Pushparajgarh (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hazari Singh to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|86|80|(53)]

भा० ल० 574.—यतः, निर्योजन प्रायोग का समझ्यान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के निये साधारण किर्यानन के सिसे 81-नीरोजाबाद (प्र.० ज० जा०) निर्याजने केत से चुनाय सहते बाले उम्मीदवार भी इन्ह्याल सिंह, ग्रस्म सरयाही खुर्ब, पो० चानी-श्रिर-मिहपुर, जिला गहरील (मध्य प्रदेश) लेक प्रतिनिधिस्त प्राधिनियम, 1951 सथा सद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रयोक्ति प्राप्त निर्याचन व्यापे का कोई भी लेखा दाखिन करने में प्रकान रहे है: धौर यसः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रासफलता के लिये कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस श्रासफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः ग्राम, उनत ग्रिशिनियम की धारा 10-क के ग्रानुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री इन्द्रपाल सिंह की संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा ग्राथवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिये इस भावेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिये निर्दाहत ग्रीथित करता है।

[सं॰ म॰ प्र॰-वि॰ स॰/81/80 (54)]

O.N. 374.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Indrapal Singh, Village Sarbahi Khurd, Post Pali-Birsinghpar, District Shahdol (Madhya Piadesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 81-Nowrozabad (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said condidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby decrates the said Shri Indrapal Singh to be disquilified for cone shower as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative for a state for a period of three years from the factor that or fer.

[No. MP-LA/81/80(54)]

आं अ 575, — यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 81-नौरीजाबाद (भ० ज० जा०) निर्वाचन-केल से चुनाव लक्ष्मे वाले उम्मीववार श्री माताबीन, ग्राम खोलखम्हरा, पो० पाली-बिरसिंहपुर, जिला शहडोल (म० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनयम, 1951 तथा तक्षीन बनाये गये नियमों द्वारा भ्रषेक्षित श्पने निर्वाचन ध्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसंप्तत रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस भसफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही विद्या है और निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस मसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त भीधांनयम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्द्वारा उक्त भी माताबीम को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा भववा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिये इस भावेश की टारीख से सीम वर्ष की कालाविध के लिये निर्माहत गोषित करता है।

सिं॰ म॰ प्र॰-वि॰ स॰/81/80 (55)]

O.N. 575.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Matadin, Kholokhmahara, Post Shahpur District Shahdol (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 81-Nowrozabad (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1991, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Matadin to be disqualified for being chosen as, and for being.

a member of either House of Parliament or of the Legislative Asssembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this Older.

INo. MP-LA/81/80(55)1

जा० अ० 576. — यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गय। है कि मई, 1980 में हुए, मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये अा-नौरेजाबाद (भ्र० ज० जा०) निर्वाचन-के से से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदनार श्री शिवकरण सिंह, ग्राम मुदरिया, पो० बिरसिहपुर पासी, जिला शहडोल (म० प्र०) लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 स्या तद्धीन बनाय गये नियमों द्वारा अपेक्षित भ्रपने निर्वाचन ग्यमों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिये कोई कारण अथवा स्वष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतक्शरा उक्त श्री शिवकरन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने आने भीर होने के लिये इस आवेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्राहत भोषित करना है।

[स॰ म॰ प्र॰-वि॰ स॰/81/80 (56)]

O.N. 576.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shivkaran Singh, Mudiiya, Post Birsingpur Pali, District Shahdol (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 81-Nowrozabad (ST) censtituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shivkaran Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/81/80(56)]

स्त्रः अ० 577, — मतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधाम हो गया है कि भई, 1980 में धूए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 105-सिंघखेबराजा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारा श्री खरत शारिम्बकराज राभराव, मु० डा० जम्बोरा, तलुका मेकर, जिला कुलवाना (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा स्वधीन बनाये गये नियमो हारा धोक्तित प्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रमक्त रहे हैं;

श्रीर यम', उपन उम्मीक्वार ने, सम्यक सूचना दिये जात पर श्रो, इस असप्तान के लिये कीर्ट कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिश है और निर्वाचन श्रायीम का नमाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

त्रत धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में मियांचन धायोग एतक्त्रारा उक्त श्री खरत तारिम्यकरान रामराव की संगव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयत विधान पर्यिष् के सदस्य चुने जाने धीर होने के लिये इस धादेश की तारीख से शीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्हित घोषित करता है।

[म॰ महा-वि॰ स॰/105/80 (64)]

O.N. 577.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kharat Trimbakrao Ramrao, At & Post Jambhora, Tq. Mehkar, District Buldana (Maharashtaa), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 105-Sindkhed Raja Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kharat Trimbakrao Ramrao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years form the date of this order.

[No. MT-LA/105/80(64)]

आ। अ० 578.---यक्षः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गय। है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विश्वास सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 105-सिचखेव राजा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री लहाने सुखादियो बालाजी, मु० डा० सोनीशी, तलुका मेकर जिला बलावाना (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तय्धीम बनाये गये नियमो द्वारा श्र्मेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उकत अम्मीववार ने, सस्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिये कोई कारण अथवा १५०टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन भ्रायोगका समाधान हो गया है कि असके पास इस असफलत। के लिये कोई पर्याप्त कारण या स्यायौक्षित्य नहीं है;

श्रतः ग्रम, उपन श्रधिनियम की धारा 10 क के ग्रमुमरण में निर्वाचन ग्रायोग एतव्हारा उक्त श्री लहाने मुखादिश्रो बालाजी को संमव के किसी भी सपन के या किसी राज्य की विश्वान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य भुमे जाने भीर होने के लिये इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[मं॰ महा-वि॰ स॰/105/80 (65)]

O.N. 578.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lahane Sukhadeo Balaji, At & Post Sonoshi, Tq. Mehkar, Dist. Buldana (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 105-Sindkhed Raja Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lahane Sukhadeo Balaji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State tor a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/105/80(65)]

#### नहीं विल्ली, 4 मई, 1981

आ० अ० 579.—यसः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मर्छ, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 219 -चीग्ड निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामनाथ सिंह फुलाराम, मु० पो० मेधवीन, तहसील श्रमरवाड़ा, जिला छिददाड़ा (म० प्र०) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 नथा तद्धीन बनाये गये नियमो द्वारा प्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन ब्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

धौर यतः, उकत उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी, इस क्रान्माना के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है धौर रिर्जाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलना के अये कार्र पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

गत अब, उक्त अधिनियम की धारा 10 के अनुपरण में निर्वाचन मायाग एमद्द्वारा उक्त श्री रामनाथ सिष्ठ फुलाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा अलवा विश्वान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की नारिश्व से तीन वर्ष की कालाबधि के लिये निर्हिन घोषित करना है।

[मं० म० प्र० वि० स०/219/80 (49)]

New Delhi, the 4th May, 1981

O.N. 579.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramnath Singh Bhularam, Village & Post Meghdon Tuhsil Amarwara, District Chindwara (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 219-Chaurai constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Ramnath Singh Bhulaiam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House or Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/219/80(49)]

भा० था 580,—यन', निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये र21-पांधुणी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दशरप उईके, मु० पो० कौडिया, तहसील सौसार, जिला छिंदवाडा (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व धिनियम, 1951 तथा तद्धीन यनाये गये नियमों द्वारा अपेकित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं,

भीर यतः, जनल जम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी धम श्रसफलता के लिये कोई कारण श्रथवा स्पट्टीकरण नही विया है भीर निर्धाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमक्त्रता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजिस्य मही है;

ग्रतः ग्रम, उत्तत ग्रिधिनियम की धारा 10-क के प्रनुपरण में निर्वाचन ग्राथोग एतपुदारा उक्न श्री दशरथ उईके को मंमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिये इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[मं० म० प्र०-वि० स०/221/80 (57)]

O.N. 580.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrl Dashrath Uike, Village and Post Koudiya Tahsil Sausar District Chhindwara (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 221-Pandhurna constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dashrath Uike to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/221/80(57)]

आं जि 581. ---यत; नियीवन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निविचन के लिये 223-होशगांबाद निर्वाबन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार धी बाबु लाल देवीलाल, ग्राम बरक्षीरी, पी० सगरिया खुर्व, तहसील हंज्र जिला भोपाल (म० प्र०) लोक प्रतिनिधित्व ग्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अनेक्षित रीति से श्रपने निर्यालन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अनकन रहे हैं।

भीर यतः, उका उम्मीद्रवार ने, सम्पक सुवता विशे जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिये कोई कारण भ्रथवा स्वब्दीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पान इत प्राकनना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नही है।

ग्रतः प्रव, उपन श्राधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुनरण में निर्वाचन बायोग एतदहारा उम्ल श्री वात्रलाल देवीलाल को सबद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिचद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से सीन वर्ष भी कालायां के लिये निर्राहित घोषिन करना है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/223/80 (58)]

O.N. 581.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Babu Lal Devi Lal, Village Warjhiri, Post Jhaguya Khurd, Tehsil Huzoor, District Bhopal (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Platesh action to the Madhya Platesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 223-Hosh-angabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Babu Lal Devi Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/223/80(58)]

#### **मई विल्ली, 6 मई, 1981**

आ। अ० 582.---गतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के क्षिये 144-संखेदा (ग्र० ज० जा०) निर्वाचन न्धीत से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री वासवा मनीलाज प्रसोतम भाई, धमलपूर, पो० मंजरील, शालुका सांखेधा, जिला बदोदरा (गुजराम) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गर्ये नियमों हारा भ्रवेक्षित समय के भन्वर तथा रीति मे प्रपने निर्शाचन अपयों का लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहें हैं ;

श्रीर यतः, उपन अम्मीदबार द्वारा दिये गये श्रभ्यानेदन पर विचार करने के पश्चान निविचन बायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस अगफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भ्रम भ्रय, उदन भ्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एसद्धारा उक्त श्री वासवा मनीलाल प्रसोतम भाई को संसद के किसी भी नदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस आदेश की नारीख से सीम वर्ष की कालावधि के लिये निर्राप्ति घोषित करना है।

[मं० गुज ०-षि० म०/144/80 (51)]

#### New Delhi, the 6th May, 1981

O.N. 582.-Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vasava Manilal Persotambhai, Amalpur Post Manjrol Taluka Sankheda, District Vadodura (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Asssembly held in May, 1980 from 144-Sankheda (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure; Now, therefore, in pursuance of section 10A of the Sold Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vasava Manilal Parsotambhai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council ment or of the Legislative Asssembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/144/80(51)]

धार अर 583.-- यतः, निर्वाचन बायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1981 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये नाधारण निविचन के लिये 83-कोटमा (घ० ज० जा०) निर्वाचन-प्रेख्न से चुनाद लड़ने माले उम्मीदवार श्री लाल सिंह ग्राम व पोस्ट भाद, जिला शहरोल, मध्य प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तया तबधीन बनाये गये नियमों द्वारा धपेक्षित धपने निर्वाचन क्यमों का कोई भी लेखा दाखित करने में प्रसक्त रहे हैं।

धीर यतः, उक्त जम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्ना स्पप्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इप असफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य महीं है ;

मतः ब्रब, उस्त मधिनियम की धारा 10-क के मनुतरण में निर्वावन म्रायोग एतबद्वारा उक्त श्री लाल सिंह को संपद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान समा प्रयंता विवान परिषय के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस आदेश की सार्राख ने तीन वर्ष को कालाविध के लिये निरहित घोषित करता है।

[ដাঁ০ না০ সা০-বিা০ না০/83/80 (59)]

O.N. 583.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Singh, Village and Post Bhad, District Shahdol (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 83-Kotma (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder: thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/83/80(59)]

### न है दिल्लों, 7 मई, 1981

आ० अ० 584.---यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 220-सोसर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वेवराव पातुरकर, मु॰ पो० रामाकोना नहसील सौसर, जिला छिवबाड़ा (म० प्र०) लोक प्रतिनिधित्व प्रिष्ठिनियम, 1951 तथा तर्धीन बनाये भवे नियमों द्वारा ग्रोक्षित ग्रपने निर्धाजन व्ययों का कीई भी लेखा दाखिल करने में भ्रमफण रहे हैं :

और थन., उक्त उम्मीवधार ने, सम्यक सूचमा विये जाने पर भी, इस ग्रास्फलता के लिये कीई कारण भथया स्वव्हीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रतः ग्रवं, उक्त अधिनियमं को घारा 10-क के श्रतुमरण में निर्वावन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री देवराय पातुरकर की संभव के किसी भी गवन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयंवा विधान परिषद् के सदस्य चुनै जाने भीर होने के लिये इस भावेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध ये लिये निर्राहत घोषित करना है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/220/80/(60)]

New Delhi, the 7th May, 1981

O.N. 584.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Deorao Paturkar, Village and Post Ramakona, Tehsil Sawsar, District Chhindawara (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 220-Sansar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Slui Deorao Paturkar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament on of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state fod a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/220/80(60)]

भा० था० 585.— मतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान समा के लिये माधारण निर्वाचन के लिये 55-जलहामनगर निर्वाचन-भेत से चुनाव लढ़ने वाले जम्मीववार भी धाधव रमेश रामचन्त्रा, महात्मा फलै कलोनी, केम्प 4, जलहासनगर जिला बाने (महाराष्ट्र) लोक प्रतिमिधित्य धीधिनियम, 1951 नथा तब्धीन बनाये गये नियमो द्वारा प्रयोक्ति धपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा बाबिल करने में धासपल यहे हैं :

श्रीर यक्षः, उक्त उम्मीदधार में, सम्यक सृचना विये जाने पर भी, इस श्रक्षपलता के लिये मोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस म्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्तिय नही है;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुनरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री भाधव रमेश रामचन्द्रा की संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा भाषता विधान परिषट् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये गिर्राहुन घोषित करता है।

[सं॰ महा-बि॰ स॰/ 55/80(66)]

O.N. 585.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Adhav Ramesh Ramchandra, Mahatma Fule Colony Camp 4, Ulhasnagar, District Thane (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 55-Ulhasnagar Constituency, has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and

the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Adhav Ramesh Ramchandra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No MT-LA/55/80(66)]

भा० भा० 586.— यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान मभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 55-उलहासनगर निर्याचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री टेहलरमाशी सुरेग निर्मलवास, बी० कें० नं० 624/2-3, उलहासनगर, जिला थाने (महाराष्ट्र) लोक प्रनिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा सव्धीन बनाये गये नियमों द्वारा ग्रापेक्षित ग्रापने निर्याचन व्ययों भा कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रासफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी, इस श्रसफलना के लिये मौई कारण स्थवा म्पस्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इन श्रसकता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः धवः, उक्त धिक्षित्यम की धारा 10-क के प्रनुमरण में निर्वाचन धायोग एत्वद्वारा उक्त श्री टेहलरमामी मुरेण निर्मलवाम की संसव के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथम विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस भावेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं० महा-बि० स०/55/80(67)]

O.N. 586.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tabilramani Swish Nirmaldas, Bk. No. 624/2-3, Ulhasnagar-3, District Thane (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 55-Ulhasnagar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shil Tahilramani Suresh Nirmaldas to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|55|80|(47)]

आं० अं० 587.—पत', निर्माचन धायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 55-उलहासनगर निर्वाचन-सेंग्र से भूगाव लड़ने वाले उस्मीवन) श्री देशपांडे जायन्त माधव, ब्लाक मं० ए/480 के पीछे, उलहापरगर 4, जिला थाने (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तंदवान धनाये गये नियमों डारा प्रपेकित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई पी रेगा दीविल करने में प्रसफल यहे हैं;

भौर यतः, उनंत उम्मीदवार ने, सम्यक सूजना विवे जाने पर भी. इस असफलता के लिये कोई कारण अववा स्पष्टीकरण महीं दिया है छौ। निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्यास्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन स्रायोग एतव्हारा उक्त श्री देशपंडि जायन्त माधव को संयद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिये निर्राहित घोषित करता है:

[सं० महा-धि० स०/55/80(68)]

O.N. 587.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Deshpande Jayant Madhav, Behind Bk. No. A/480,Ullasnagar-4, District Thane (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 55-Ulhasnagar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Deshpande Jayant Madhav to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/55/80(68)]

श्रीर यत, जनत जम्मीवनार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस झसफलता के लिये कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण महीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, जनन श्रिशित्यम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निवांधन श्रायोग एतवृद्वारा जक्त श्री बी० के० शर्मा, को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान मभा श्रथवा विधान परिषट के मदस्य भृते जाने भीर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राप्टित घोषिल करता है।

[पं॰ महा-वि॰ स॰/55/80(69)]

O.N. 588.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. K. Sharma Room No 1, New Rajesh Society, Ulhasnagar-4, District Thane (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 55-Ulhasnagar Constituency, has failed to lodgs an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri V. K. Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA.55'80(69)]

भार भर 589. — यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 112-बालापुर निर्वाचन-क्षेत्र से भुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रकाश भास्कर राव कन्जास्कर, शाहार विभाग, बालापुर, जिला ध्रकोला (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिमियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये गिरामो द्वारा प्रपेक्षित रीति से भपने निप्रीवन व्यगो का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहे हैं ,

भीर यतः, उका उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिये कोई कारण श्रयवा स्पष्टोकारण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या स्थायीचित्य नहीं है;

शन श्रव, उस्त धिविनयम भी धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भागोग एतद्द्वारा उस्त श्री प्रकाश भास्कर राव करणास्कर को संसद के किसी भी सबन के था किसी राज्य की विधान सभा ध्रथना विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस धावेश भी तारीख से तीन वर्ष की कर्णावधि के लिये निर्महृत घोषिन करना है।

jंमं महा·वि स । (112/80 (70)]

O.N. 589.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prakash Bhaskarrao Kanzarkar, Shahar, Vibhag, Balapur, District Akola (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 112-Balapur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason of explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shul Prakash Bhaskarrao Kanzarkar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Pauliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/112/80(70)]

# नहीं विल्ली, 8 मई, 1981

आं अं 590.—यतः, निर्वाचन सायोग का समोधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए मध्य प्रयेग विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन
के लिये 8-अम्बाह (अ० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से जुनाय लड़ने वाने
उम्भीववार श्री भारी, प्रांस सम्कापुरा, पो० ग्रा० जग्गाकापुरा, मोजा
कमटरी, परगना अम्बाह (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिक्षित्व प्रधिनियम,
1951 तथा तब्धीन बनाथे गये नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचम
व्यवों का कोई भी लेखा बालिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यस:, उपना उम्मीवनार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस भएफलसा के लिये कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफ सत्ता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिस्य नहीं है:

शतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के अनुभरण में निर्वाचन आयोग एतदबारा उक्त श्री अगरी, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये दम आदेश की तारीख से तीन व की कालावधि के लिये निरहित अपित करता है।

[सं० मण प्र०-वि० सण/8/80(61)]

#### New Delhi, the 8th May, 1981

O.N. 590.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagari, Village Mulukapura, Post Jagga ka Pura Moja. Kamtari, Pargana Ambah, District: Morena (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 8-Ambah (SC) constituency, has failed to Jodge an account of his election expenses as required by the Re-

presentation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/8/80(61)]

आर अर 591.—यतः, निर्वाचन ग्रायंग का समाधान हो गया है कि मर्ग, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिने साधारण निर्वाचन के लिये 38-धौम् निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री हारका प्रमाव धालेय, ग्राम य पो० मौरीजा, जिला जयपुर (राजस्थान) लोक ग्रतिनिधिस्व ग्रधिनियम, 1951 सथा तदशीम बनाये गये नियमों हारा भ्रमीक्षन भ्रपने निर्याचन स्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रराफल रहें हैं;

श्रीर यत, उस्त उम्मीयवार ने, सम्यक भूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के जिये कोई कारण ग्रथवा स्पन्टीकरण नही दिया है भीर निर्याचन श्रायोग का संगोधान हो गया है कि उनके पास इस ग्रसफलता के लिये कोई पर्यास्त कारण पा न्यायौचित्य महीं है;

धनः भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री हारका प्रसाद श्राह्मेय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथना विधान परिपद् के सदस्य चुने जाने श्रोर होने के लिये इस श्राह्मेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्शित भोषित वरसा है।

सिं राज-(व ० स ० / 38 / 80 ( 27 )]

ON. 591.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dwarka Prasad Attreya, Village and Post Morija—District Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 38-Chomu coastituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Sixi Dwarka Prasad Attreya to be dequalified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ LA/38/80(27)]

भा० ७० 592.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समस्यान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 40-जयपुर ग्रामीण निर्भाचन-काट से भनं व लक्ष्में काले उम्मीवकार श्री मोद्दुद्दीन, जगन्नाथ शाह का रान्ता, चीकट्टी रामचन्द्र जी, जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन धनाये 243 GI/81—8

गये नियमों द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं ;

भौर यतः उक्त उम्मीदवार ने, सम्मक सूचना विये जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिये कोई कारण श्रथवा स्पय्टीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या भ्यायौचित्य नहीं है ;

धतः ग्रम, उनत भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रानुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एसव्हारा उपत श्री मोश्नुद्वीन को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिये इस भ्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिये निर्माहन बोपित करता है।

[सं०राज-वि०स०/40/80(28)]

O.N. 592.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Moinudeen. Jagannath Shah Ka Rasta, Chokri Ramchanderjee, Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 40-Jaipur Rural Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission, hereby declares the said Shrl Moinuddin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/40/80(28)]

ब्रा० था० 593.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए राजस्थान विश्वान सभा के लिये साधारण निर्वाचम
के लिये 46-दूद (प्र० भा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव महने वाले उम्मी-वशर श्री हनुमान प्रसाद महरडा, ग्राम व पो० मिनोदिया, जिला अयपुर
(राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रश्विनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये
गये नियनों द्वारा प्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल
करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यगः, उनत उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस प्रमफलता के लिये कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं विया है भौर निर्माचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस प्रसफलता के लिये कोई पर्यात कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एनव्हारा उक्त श्री हनुमान प्रसाद महरहा की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषक् के सदस्य भने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायक्षि के लिये निर्राहिन घोषित करता है।

[सं०राज-वि०स०/46/80(29)]

O.N. 593.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hanuman Prasad Maharda, Village and Post Sinodia, District Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 46-Dudu (SC) Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Fleci n Commi sion is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hanuman Prasad Maharda to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/46/80(29)]

क्षां क 594.—यतः, निर्वाधन झायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिये माधारण निर्वाधन के सिथे 51-बान्धीकुई निर्वाधन-के से चुनाव लड़ने बाने उम्मीदशार श्री शिवधरण, मैसर्स राधामोहन शिवधरण सैठी, राज बाजार, बान्धीकुई, जिला जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व घिषियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों हारा घरेजिन झाने निर्वाधन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में धनकन रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यह स्वता रिये जाते पर भी, इस श्रसफलता के लिये कोई कारण भ्रथवा स्पन्टीकरण नहीं विद्या है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रपक्तना के लिये कोई पर्यान्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रीधितियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री णिवचरण को संसद के किसी भी गदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्ग चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ राज-वि॰ स॰/51/80(30)]

O.N. 594.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shiv Charan M/s. Radha Mohan Shivcharan Sethi, Raj Bazar Bandikui, Dist. Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Ligislative Assembly held in May., 1980 from 51-Bandikul constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder!:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Shiv Charan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-1,A/51/80(30)]

### नई दिल्ली, 11 मई, 1981

आं अं 595.—यतः, निविचित्त प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में दुए लोक सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 11-सवाईमाधोपुर (प्र० अं जां०) निर्वाचन-अंग्र से चुनाव लड़ने वाले उम्भीववार श्री हरिप्रसाव, ग्राम नारायणपुर, नहसील गंगापुर, जिला सवाईमाधोपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिस्व ग्रांधिनियस, 1951 तथा तद्धील बनाये गये नियमों द्वारा ग्रंपेशित रीति से ध्राने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाविल करने में ध्रमफल रहे हैं;

भीर यसः, जक्त जम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलताका निये कोई कारण प्रथम स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन शायीनका समाधान हो गया है कि जमके पास इस ग्रसफलना के नियं कोई पर्याप्त कारण या त्यायीचित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के ध्रनसरण में सिर्वाचन भागोग एतद्वारा उक्त श्री हरि प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी शाज्य की विधान सभा अथवा विधान परिलद् के सवस्य चुने जाने और होने के लिये इस धावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्माहन घोषिन करना है।

[सं० राज-वि० स०/11/80 (30)]

#### New Delhi, the 11th May, 1981

O.N. 595.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hari Prasad, Village Narayanpur, Tehsil-Gangapur, District-Swaimadhopur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January. 1980 from 11-Swaimadhapur (ST) constituency, thas failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the Said Shri Hari Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/11/80(60)]

आ क क 596--- गतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 39-अम्बेर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाथ सड़ने अले उम्मीवदार श्री कजीड्मन माधिनिया, ग्राम पो० खत्नीपुरा धाया चौमू, जिला जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 सथा सद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर थतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमकलता के लिए कोई कारण ध्यान स्पन्डीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गथा है कि उनके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

प्रतः प्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-म के प्रमुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हाल उक्त श्री कर्जाड़मल माथिलया को संसव के किसी भी सबत के या किसी राज्य की विधान सभा अयवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने प्रीर होने के लिए इस प्रावेश की तारीख हैं तीन धर्य की कालायधि के लिए निर्मुटन प्रीचित करता है।

[में० राज-वि० स०/39/80(31)]

O.N. 596.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kajodmal Mavliya, Village and Post Khannipura Via Chomu, District: Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 39-Amber constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is saisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kajodmal Mavliya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/39/80(31)]

भार भर 597.--- पतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के निए साधारण निर्वाचन के लिए 39-अन्बेर निर्याचन-केल मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीवधार श्री हरिनारायण सैनी, गंगापोल बाहर नीवू का माग, जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा त्वश्चीन बनाए गए नियमों हारा अनेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखान करने में अनकप रहे है;

श्रीर यतः, उन्न उम्मीवकार ने, सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसकलता के लिए कोई कारण श्रयवा साब्दीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उपने पार इस श्रमकली के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

धतः धन, उन्त धिधिनयम की धारा 10-क के धनुम्रंण में निर्वाचन कायोग एतंद्वारा उक्त श्री हरिनारायण सैनी को ससब के किमी भी सबन के था रा किसी राज्य की विज्ञान समा अयना विज्ञाद परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस झादेश की उत्तरेख से तीन कर्य की कालावधि के लिए निरिष्ट्रिंग घोषिन करता है।

[सं॰ राज-थि॰ स॰/३९/४०(३२)]

O.N. 597.—Whereas the E'ection Commission is satisfied that Shri Harinaryan Saini, Outside Gangapole, Nimbu Ka Bagh, Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 39-Amber constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Harinarayan Saini to be disqualified for being chosen, as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/39/80(32)]

कार कर 598.---यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 53-बस्ती निर्वाचन-भेन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्भीववार श्री रमेश कुमार साश्री, मु० पो० लवाण, तह्मील दौसा, जिना जथपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्य श्रीव्यनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अनेक्षित अपने निर्याचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखाल करने में श्रासफल रहे हैं;

द्यौर यतः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक भूवना विष् जाने पर भी, इस प्रायफलसा के लिए कोई कारण ध्याया स्पष्टीकरण नहीं विषा है भीर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसक्तनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

श्राणः श्राम् , उक्त श्रविनियम की धारा 10-क के श्रानुसरण में निर्वाचन श्रामोग एसद्बारा उक्त श्री रमेश कुमार शास्त्री को समद के जिसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रामथा विधान परिनद के सदस्य बुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की संशिक्ष से तीन वर्ष की कालाश्रीध के लिए निर्राहित कोषित करता है।

[सं० राज-थि० स०/53/80 (33)]

O.N. 598.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramesh Kumar Shastri, Village and Post-Lavan; Tehsil—Dausa, District Jaipur (Rajasthan) a contesting candi-

date for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 53-Bassi constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramesh Kumar Shastri to be disqualified for being chosen as, and for being, a membe, of either House of Parlament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/53/80(33)]

आ० अ० 509. — यसः, निर्वाचन शायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुँए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 56-कोटपुरली निर्वाचन के लिए उठ-कोटपुरली निर्वाचन के लिए उठ-कोटपुरली हान कमाई, पो० कोटपुरली, तहसील कोटपुरली, जिला जनपुर (राजस्थान) जोक प्रतिनिधिस्य प्रधिनियम, 1951 तथा हिद्धीन बनाए गए निन्मों द्वाम प्रविक्षित प्रदर्भ निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रासकल रहे हैं;

भीर यहां, उन्हें उम्मीदियार ने, सम्यक सुबना विए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अध्या स्पष्टीकरण महीं विया है भीर निर्वाधन आयोग का समाजान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याण कारण या स्थायीनित्य नहीं है;

श्रुतः श्रुवं, उक्त भिवित्तियमं की धारा 10-क के श्रुनुसरण में निर्वाचन शायोत एएव्ह्राण उक्त श्री रुड़ा को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान समा श्रुपता विधान परिषय के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीच से लीम वर्ष की भारताविध के लिए निर्मातिक सरसा है।

[सं० राज-वि० स०/56/80(34)]

O.N. 599.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rooda Kaithawali Tan Amai, Post-Kotputli, Tehsil-Kotputli, Dis rict-Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 56-Kotputli constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Coramission hereby declares the said Shri Rooda to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of l'arliament or of the Legislative 'ssembly or Legislative Council of a Sate for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/56/80(34)]

आ० अ० 600.— यहः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो भया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 192-बारगी निर्वाचन केते से चुनाव सहने बांले उम्मीववार श्री कुंबर सिंह उहने, प्राम बदरगथा, पी० राजाहमलाई महु० थ जिला जयलपुर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधिस्त श्रीक्षितियम, 1951 तथा सव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्येक्षिण ग्रंपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असकल रहे हैं;

श्रीर थतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक मूचना विए जाने पर भी, इस अमफनता के लिए काई कारण श्रयन स्पष्टीकरण नहीं विना है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि असके पास इस असकना। के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यायौजिस्य नहीं है;

ग्रतः भव, उका भिर्मित्यम की धारा 10-क के भ्रतुमरण में निर्वाशन भायोग एनवृद्धारा उक्त श्री कुंबर सिंह उइके की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयका विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तान वर्ष की काला-विधा के लिए निर्माहत घोषिस करता है।

[सं • म • प्र • - चि • स • | 192 | 80 (62)]

O.N. 600.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kunwar Sing Uike, Village Dadragawan, Post: Raja Inlai Tehsil and District: Jabi.lpun (Madhya Pradesh) a con esting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 192-Badgi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanwar Singh Uike to be disqualified for heing chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/192/80(62)]

आ० अ० 601.---धरः, निर्वाचन छ।थोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 232--धोड़ाडोंगरी (म. ज. जा) निर्वाचन के ल 232--धोड़ाडोंगरी (म. ज. जा) निर्वाचन के स चुनाथ लड़ने वाल उम्मीदवार श्री पूरत सिंह मु० निर्वारी, पो० चिचोती, तहसील व जिला बैतूल (मध्य प्रदेश) लोक प्रिनितित्व शिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेक्षित अपने निर्वावन ब्यों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भसकत रहे हैं;

भीर यतः, जका जम्मीवधार ने, सम्यक सृथना दिए जाने पर भा, इस असफलता के लिए कोई कारण अयना स्मध्योत्तरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचिरय नहीं है;

ग्राः ग्रवः, उक्त ग्राधिनियम की धारा ३०-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री सूरत सिंह को संसद के किमी भी सहत के या किसी राज्य की विधान सभा भाषता विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्माहत घोषत करता है।

[सं० म० प्र०-वि०स०/232/80 (63)]

O.N. 601.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surat Singh, Village Niwari-Post Chicholi-Taluka & District Betul (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 232-Ghod Dongri (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Surat Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/232/80(63)]

अर० अ० 602.— यसः, जिबांचन आयोग की समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण गिर्याचन के लिए 198-माटन निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले सम्मोवनार श्री णिव मंकर, 10 गुजराती कालोनी, वेरीसाल, जबलपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 सथा सव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखाल करने में असफल रहें हैं;

ग्रीर यन:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथना स्पद्धीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौकिस्य नहीं है;

धार: धन, उन्न प्रधितियम की धारा 10-क के धनुमरण में निर्वाचन भायोग एस्ट्रार: उक्न श्री णिव शंकर की संसद के किसी भी सदन के आ किसी राज्य की विधान सभा श्रयना विधान परिषण् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस धादेण की ता श्रील से धीन धर्व की कालावधि के लिए निर्माहत घोषित करना है।

[सं ०म०प्र०-विभाग/198/80(64)]

O.N. 602.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shiv Shankar, 10, Gujarati Colony, Cherital, Jabalpur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 198-Pattan constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shiv Shankar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. MP-LA/198/80(64)]

आ० आ० 603.---यतः, निविष्यन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-औरा निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रीतम, धाम व पां० विलगांव परगना जौरा, जिला मुरेना (मध्य प्रवेण) लोक प्रतिनिधत्व श्रींधनियम, 1951 तथा तथ्धीन अनाए गए नियमों धारा प्रपेक्षिण भवने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में अनकल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना थिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण भयका स्पष्टीकरण नहीं थिया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है;

शत: शब, उक्त श्रधिनिधम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रामोग एतद्रारा उक्त श्रो प्रीतम को संमद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा प्रथम। विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेण की तारिका से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्यहित शोधन करता है।

सिंव एक्षर विवस्त 14/80 (65)]

O.N. 603.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pritam, Village and Post Bilgaon, Pargana Joura, District Morena (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 4-Joura constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pritam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/4/80(65)]

का। अ० 604.-यत', निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेग विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए याधारण निर्वाचन के लिए उम्मीदवार श्री लट्टी, प्राम बेनरी, पो० बिमनौरी, परगना जौरा, जिला मुरेना (मध्य प्रदेश) लोक प्रसिनिधित्व भश्चिनियम 1951 सथा तब्धीन यनाए गए नियमों द्वारा भ्रमेषित भ्रमने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दान्तिस करने में भ्रमफल रहे हैं;

मौर यतः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है शील निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण था ध्यायौचित्य नहीं है;

अतः मब, उन्त मधिनियम की धारा 10-क के प्रनुमरण में निर्वाचन प्रातोग एतव्दारा उन्त श्री लट्टी को संसद के किभी भी भवन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषव के सदस्य नुने जाने और होने के लिए इस भ्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत धोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० म०/4/80( ६६)]

O.N. 604.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Latoori, Village: Berni, Post Bisnouri, Pargana; Joura, District: Morena (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 4-loura constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Latoori to be disqualified for being the am as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/4/80(66)]

भा० भ० 605.—यतः, निर्वाधन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेत, विधान सभा के लिए साधारण निर्भात्म के लिए 6—मुरेना निर्वाचन-भोग्न से चुनाव लड़ने बाले उम्मीद-वार श्री पृन्दावन भाजाव, जैन मन्दिर, मुरेना (मध्य प्रदेश) धोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेशिन भपने निर्वाचन भ्रायों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उनत उम्मीवयार ने, मन्यक सूचना विए जाने पर भी, इस अध्यक्तला के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और जिल्लियन आयोग का समाधान हो गया है कि उनके पास इस अयफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

भन भ्रम, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के भ्रनसरण में ानर्वाचन भ्रायोग एसदृष्ठारा उक्त श्री वृत्वावन भ्राजाव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से नीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहत धोषित करना है।

O.N. 605.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Brindravan Ajad, Jain Mandir, Morena, District Morena (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 6-Morena constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Brindavan Ajad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/6/80(67)]

अ(० अ० 606.---यन', निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया
है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण
निर्वाचन के लिए 7--दिमनी (ग्र. जा) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने
वाले उम्मीदवार श्री भूपित, ग्राम डोगरगुर लोधा, पोस्ट वनहरा, तह्मील
व जिला मुरेना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिर्वाच ग्रिविनयम, 1951 सथा
तक्षीन बनाए गए नियमों हारा मपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई
भी लेखा दाखाल करने में ग्रसफल रहे हैं,

धौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण मही विया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का समाधाम हो गया है कि उसके पास इस ग्रसकनना के लिए बोर्ड पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

श्रतः ग्रवः, उवल प्रिमिन्यम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनव्द्वारा उक्त श्री भूपित को संसद के किसी भी सदस के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कानावधि के लिए निर्राहन घोषित करता है।

[स० म० प्र०-वि० स०/7/80(68)]

O.N. 606.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhopati, Village-Dogarpur Lodtha, Post-Datera, Iehsil Morena, District-Morena (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 7-Dimni (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Bhopati to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/7/80(68)]

क्षां का 607.—यतः, निर्वाचन द्यायोगं का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 12--भिण्ड निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उस्मीद-वार श्री बाबुरागं पुत्र सुसेर कोरी, पुरानी बस्ती, कुठणा गली, थिण्ड (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व भश्चिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन स्थयों का कोई भी लेखा धाखिल करने में भ्रमफल रहे हैं;

धौर यतः, उकत उम्मीववार ने, सम्यक सूचना (वए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीविस्थ नहीं है;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुएरण में निर्वाचन भ्रायोग एतवृद्वारा उक्त श्री बाबू राम की संसद के किसी भी भरन के भा किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[#० म० प्र०-वि० स०/12/80(69)]

O.N. 607.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Babu Ram, S/o Shri Sumer Kori, Purani Basti Shri Krishna Gali, Bhind, District-Bhind (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 12-Rhind constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the reople Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has test given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Babu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legisla ive Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/12/80(69)]

ध्रा० अ० 608 — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश निधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 12-भिण्ड निर्यचन-श्रेत्र से चुनाव लड़ने थाले उम्मीदवार श्री सरदार सिंह, सुभाष नगर वार्ड नं० 20 भिष्ठ, जिला भिण्ड (मध्य प्रदेश) लोक प्रनिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों हारा ग्रामिल ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहे हैं;

श्रीर यत', उक्न उम्मीबवार ने, सम्यक सूचना दिए जग्ने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौषित्य नहीं है;

ग्रामः ग्राब, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के अनुमरण में निर्वाधन आयोग एतद्हारा उक्त श्री मरदार सिंह की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अमना विधान परिषद् के सदस्य धुने जाने और होने के लिए इन घादेश की सारीख से तीन वर्ष की इम कालायधि के लिए निर्राहत धोषित करसा है।

[स॰ भ॰ प्र॰-बि॰ स॰/12/80(70)]

O.N. 608.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sardar Singh, Subhash Nagar Ward No. 20, Bhind, District Bhind (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 12-Bhind constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sardar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/12/80(70)]

क्तं कि वि. 609.—पन, निर्वाचन प्रायोग का समाप्तान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विज्ञान समा के लिए साधारण निर्वाचन के थए 13-रोन निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देवेन्द्र कुमार धर्मा, विलास, भिण्ड, जिला भिण्ड (सध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेकित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं:

भीर यतः, उक्त उम्मीयथार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निविचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस ध्रमफलता के लिए कोई पर्याटन कारण या न्यायीलिस्य नहीं है;

भतः भवः, उक्त भिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भागोग एतद्शारा उक्त श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयथा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर माने के लिए इस श्रावेग की तारीका से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/13/80(71)]

O.N. 609.—Whereas the Election Commission is setisfied that Shri Devendra Kumar Sharma, Bilas, Bhind, District: Bhind, (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 13-Ron constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the feilure and the Election Commission is satsfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Devendia Kumar Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/13/80(71)]

का० अ० 610.—यनः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्याचन के लिए 13-रोन निर्वाचन-अँत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम मनोहर, मछण्ड लहार, मिण्ड, जिला भिण्ड (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो हारा अंभित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिन करने में धनमाल रहे हैं;

भीर यतः, उनन उम्मीदशार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भमफलता के लिए कोई कारण श्रयना स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पान इस श्रमफनतः के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मत अब, उनत मधिनियम की धारा 10-क के श्रनुपरण में निर्वाशन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री राम मनोड्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेल की नारीखा से तीन वर्ष की काला- मधि के लिए निर्दाहन धोषिन करता है।

[मं० म० प्र०-विब् म०/13/80(72)]

O.N. 610.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Manohar, Machand, Lahar, Bhind, District Bhind (Madhya Pradesh) a confesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 13-Ron constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the Peeple Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Manohar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of ei her House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/13/80(72)]

कां० २० 611.—यनः, निर्धाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मबन्यर, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए उप चुनाव के लिए 163-पाबायमण निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुशराम ग्रैंजू भगवान मध्, वार्ड नं० 2, नेताजी मगर, यवतमाल, जिला यवतमाल (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमों हारा श्रोधीत अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने मे असफल रहे हैं;

शीर यतः, उक्त जम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयका स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नहीं है;

धतः ध्रवः, उक्त धर्धिनियम की धारा 10-क के धनुमरण में निर्वाचन ध्रायोग एतव्दारा उक्त थी मुगराम बैजू भगतान सधु को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथता विधान परिषद के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस ध्रावेण की नारीख से शीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहन घोषित करना है।

[सं० महा-वि० स०/163/80-इप (1)]

O.N. 611.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mashram Baiju Bhagwan Sadhu, Ward No. 2, Netaji Nagar, Yavatmal, District Yavatmal (Maharashtra) a contesting candidate for Bye election to the Maharashtra Legislative Assembly held in November, 1980 from 163-Yavatmal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses a all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mashram Baiju Bhagwan Sadhu to be disqualifled for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/163/80(Bye)(1)]

भा भ भ ६12.--यमः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 163-यवनमाल निर्वाचनके लिए 163-यवनमाल निर्वाचनके ले लिए 163-यवनमाल निर्वाचनके में चुनाव लड़ने वाले उम्मीय-आर श्री गान्ताराम लक्ष्मनराव वेटी, मु० डा० लोहारा, तालुक यवनमाल, जिला यवनमाल (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिस्व अधिनियम, 1951 तथा पर्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अधिकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अमकल रहे है;

भीर थस:, उक्त उन्नीदबार ने, सन्यक सूचना थिए जाने पर भी, इस समक्रमता के लिए कोई कारण श्रवना न्यव्हीकरण नहीं विना है और निर्माचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस घन हुन। के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रात: श्राव, उक्त श्रीधितियम की धारा 10-क के धनुमरण में निर्वाधन श्रीयोग एतब्द्वारा उक्त श्री शालाराम लक्षमनरात्र वेटी की संमध के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विद्यान मना श्रीया विद्यान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रीदेश की निर्शेख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्शित बोषित करता है।

[मं० महा-वि ०म०/163/80(71)]

ON. 612.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shantaram Laxmaniao Weti, at P.O. Lohara, Tq. Yavatmal, District Yavatmal (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 163-Yavatmal Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shantaram Laxmanrao Weti to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/163/80(71)]

## नई विल्ली, 12 मई, 1981

भार भार कि 613.--- यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1981 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-मेहगांव निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-धार श्री बद्री प्रसाद, गांव गट्टा, परगना मेहगांथ, जिला भिण्ड (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा सद्बीन बनाए गए नियमों द्वारा अभेक्षिन अपने निर्वाचन व्ययों का कोई ही लेखा दाखाल करने में श्रमकल रहें है;

भीर थत', उक्त उम्मीविधार ने, सम्यक्त सूचना दिए जाने पर भी, इस भनजन्ता के लिए कोई कारण अवसा स्पर्धकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन अधोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इप अनक-लवा के लिए कोई पर्योक्ष कारण या स्यायौजित्य नहीं है;

भ्रतः ग्राबं, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एन्स्ड्रारा उक्त श्री बढ़ी प्रमाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा अथवा विश्वान परिषद् के सदस्य जुने जाने ग्रीर होते के लिए इस भागेण की गारीख में तीन वर्ष की भानावधि के लिए निर्दाहर घोषित करता है।

[ল্ল দ্ৰুষ্ণ-জিল্প্ৰ/10/80(73)]

### New Delhi, the 12th May, 1981

O.N. 613.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Badri Prashad, Village: Gatta, Pargana: Mehgaon, District Bhind (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 10-Mehgaon constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

New, therefore, in pursuance of section 16A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shi Badri Prashad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/10/80(73)]

भार का 614.— यह., निर्वाचन शायोग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए मध्य प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 201-वहंतिबद निर्वाचन-केंब से चुन.य लड़ने धारे उसमीदधार श्री नन्थू मिह लाधी, प्राम करही, पोठ माठ मुन्हों (मन्धारा), जिला जबलपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधिस्व श्रीधिनयम, 1951 तथा सद्तीन बनाए गए नियमो हारा अपेक्षित अपने निवाचन श्रायों का कोई मां लेखा दाविल करने में धामफल रहे है;

ग्रीर थलः, उक्त उक्सीदशर ने, सम्यक्ष सूचना दिए जाने पर भी इस अस्प्लम्या के लिए काई कारण अथवा स्पन्धीकरण नहीं दिया है, ग्रीर नियचिन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस अस्प्लम्हा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है:

कतः ग्रज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निवचिन आयोग एनंद्बारा उक्त श्री नत्यू सिंह लोधी की संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयका विधान परिषद् के सदस्य भुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की काणावधि के लिए निरहित घोषिक्ष करना है।

[सं० म०प्र०-चि०स०/201/80(74)]

ON, 614.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nathu Singh Lodhi, Village: Karahee, Post: Kunhi (Satdhara), District Jabalpur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 201-Bahatiband constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the due potice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Nathu Singh Lodhi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/201/80(74)]

## नई दिल्ली, 13 मई, 1981

आ० अ० 618.— यहः, निर्वाधन झायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 5-संगारिया निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाध लड़ने वाले उम्मीद-क्षार श्री भावर चन्द पुत सरदारा राम, लालगढ़ जाटन, शहसील शादुल शाहर जिला गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रक्षिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 सथा रुद्धीन बमाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षील अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त अम्मीदवार मे, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अक्षफलमा के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्याचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस अस-फल्या के लिए कोई पर्यान्त कारण या न्यायौनित्य नहीं है;

मतः स्रव, उक्त प्रधिनित्म की धारा 10-क के अन्तरण में निर्वाचन आयोग एतद्धारा उक्त श्री शादर चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विभान सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के निए इस भादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करना है।

[र्स**० राज-वि०म०/5/80(35)**]

## New Delhi, the 13th May, 1981

O.N. 615.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhadar Chand, son of Shri Saidara Ram, Lalgarh Jatan, Tebsil Sadulsahar, District Ganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 5-Sangarin constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhadar Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/5/80(35)]

आ० अ० 616.— य्याः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो ग्या है कि गई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 5-सांगरिया निर्वाचन के से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-धार श्री मागीरथा, पुल श्री बस्तीराम, ग्रामरपुरा जालू, नहसील संगारिया, जिला गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 सथा सर्धान बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमकन रहे हैं;

धीर थतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस मसफलता के लिए कोई कारण प्रथया स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस अस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

इसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एनव्दारा उक्त श्री भागीरथ को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की सारीख से सीन वर्ष की कालावांश्र के लिए निर्देहित बोचित करता है।

[सं० राज-वि०स०/5/80(36)]

O.N. 616.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Bhagirath, S/o Shri Basti Ram, Amarpura Jalu, Tehsil Sangaria, District Ganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 5-Sangaria constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said shri Bhagirath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/5/80(36)]

आ० अ० 617, ......थराः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान मधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 5-मंगारिया निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाल उम्मोद-धार श्री मंगतराम पृत्र श्री भीकमचन्व जैन, गुरू नानक बस्ती, संगारिया, जिला गंगामगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 सथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घरेकित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में घसफल रहे हैं;

भीर थतं, उक्त उम्मीव्यार ते, सम्यक मुचना विष् जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथा। स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हा गया है कि उसके पास इस अस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

----

इ.स., इ.स., उक्त धिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन इत्योग एनंद्द्वारा उक्त श्री मगनराम को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा इत्यना धिधान परिषद् के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की धारीचा से तीन धर्य की कालाबाध के लिए निर्देहन घोषित करमा है।

[मं० राज-विक्स०/5(80(37)]

O.N. 617.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mangat Ram, S/o Shri Bhikamchand Jain, Gurunanak Basti, Sungaria District Ganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 5-Sangaria constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is justified that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mangat Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/5/80(37)]

भीर यत:, उक्त उम्मीवधार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रसफलसा के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

कतः, अब, उक्त अधिनियमं की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एसव्द्वारा उक्त श्री जगजीत सिंह ढिल्लों को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विश्वान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्दाहत बोबित करता है।

[सं० राज-चि॰स०/6/80(38)]

ON, 618.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagjeet Dhillon, 62, H-Block, Sriganganagar, District Sriganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 6-Ganganagar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagieet Dhillon to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/6/80(38)]

मा० मा० के 619:---यतं, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि नई, 1980 में हुए राजस्थान विद्यान सभा के लिए लाधारण निर्वाचन के लिए 6-गंगानगर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-धार श्री महादेघ प्रसाद, वार्ड नं० 9, सूरतगढ़, जिला श्रीगंगानगर (राज-स्थान) लोक प्रतिनिधित्व स्रिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई मी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीवधार ने, सम्प्रक सूचना विए जाने पर भी इस असफलक्षा के लिए कोई कारण प्रथया स्पष्टीकरण नहीं विया है, भौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस मस-फलका के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिस्य नहीं है;

ध्रमः, ध्रव, उक्त ध्रधिनियम की घारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन ध्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री महावेच प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयदा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की सारीख से तीन धर्ष की कालाश्रधि के लिए निर्महत घोषिन करता है।

[सं० राज-चि०स०/6/80(39)]

O.N. 619.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahadev Prasad, Ward No. 9, Suratgarh, District Sriganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 6-Ganganagar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahadev Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/6/80(39)]

भा० भा० 620:—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो नया
है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वा-चन के लिए 6-गंगानगर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री लम्भुराम, 493, वितोबा बस्ती, श्रीगंगानगर, खिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तव्यीभ बनाए गए नियमों द्वारा मधिनत प्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

धौर यतः, उक्त खन्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रमफलमा के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफसता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौष्तिस्य नहीं है;

भागः, प्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रानुसरण में निर्वाधन भायोग एनवृद्धारा उक्त श्री लक्ष्मू राम को संसव के किसी भी सदन के वा किसी राज्य की विधान सभा भवता विधान परिषद् के सबस्य चुने जामे भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[तं • राज-वि०ते • (6/80 (40)]

O.N. 620—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Labhu Ram, 493, Binoba Basti. Sriganganagar, District Sriganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 6-Ganganagar constituency. has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Labhu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/6/80(40)]

बा॰ बा॰ 621:—यतः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान थिधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 10-पीलीबंगा निर्वाचन-श्रेत्र से चूनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री हैत राम, पुत्र श्री जियाशम लिखमीसर, तहमील सूरतगढ़, जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिस्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षेत्र ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा साखिल गरने में ग्रमफल रहे हैं;

ग्रीर यस:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलसा के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मनः, मन, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री हेन राम को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा मथना विधान परिषद् के सदस्य चृने जाने भीर होने के लिए इस मादेश की सारीख से सीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन घोषित करसा है।

[सं० राज-वि०म०/10/80(41)]

O.N. 621.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Het Ram, S/o Shri Jiya Ram, Likhmisar, Tehsil Suratgarh, District Sriganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 10-Pilibinga constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the sald candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Het Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-J.A/10/80(41)]

आर प्र 622: या:, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साक्षारण निर्वाचन के लिए अ०-फनेहपुर निर्वाचन-केन्नेत्र से चुनाव लड़ने वाले जम्मीव-चार श्री यामीन, मु॰ पो० साहबसर, फनेहपुर-सीकर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रेपित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसम्प्रता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

चतः, मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री यासीन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रायना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तिरोद्य से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स॰ रাজ॰वि॰म॰/30/80(42)]

O.N. 622.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yasin, Village and Post: Sahabsar, Fatehpur-Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 30-Fatehpur constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yasin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/30/80(42)]

का॰ का॰ 623:—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 25-जामनगर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बान्धा इकवाल हमन, गांधी बाई, जामनगर, जिला जामनगर (गुजरात) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल गहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्माह सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य मही है;

श्रमः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्क्षारा उक्त श्री वान्धा इक्त्याल हमन की समद के किसी भी सक्ष्म के या राज्य की विधान मभा श्रयत्रा विधान परिषद् के सदस्य किसी चुने जाने श्रीर होंने के लिए इस श्रादेश फी नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहित घोषिन करना है।

[सं॰ गुज ०वि॰स /25/80(52)]

O.N. 623.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vandha Iqbal Hasan, Gandhivad, Jamnagar, District Jamnagar (Gujarat), a contesting caudidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 25-Jamnagar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vandha Iqubat Hasan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/25/80(52)]

का० का० 624 — यत , निर्वाचन श्रायोग का समाक्षान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-भाषाड़ निर्वाचन-केल्ल से चुनाब लड़ने वाले उम्मीदनार श्री कानसागारा मनसुलाल जुषा, सई देवालिया तालुका, भानवाड़ जिला जामनगर (गुजरात) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमो द्वारा ध्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययो का नोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं ,

ग्रीर यत, उक्त उम्मीवयार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रयदा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाघान हो गया है कि उसके पास इस ग्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्नत. ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री कानसागारा मनसुखलाल जुथा को ससव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथथा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत ग्रीपित करता है।

[स गुज-वि॰स॰/29/80(53)]

O.N. 624.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kan-agara Mansukhlal Jutha, Sai Devaliya, Taluka-Bhanvad, District Jamnagar (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 29-Bhanvad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kansagara Mansukhlal Jutha to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/29/80(53)]

आ० अ० 625 — यमः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 29-भानवाड निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भाटिया समट कानाभाई, भण्डारिया तालुक खमभालिया, जिला जाम-भगर (गुजरात) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रायेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे है;

भौर यम', उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

घतः धव, उक्त घिधिनियमं की धारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन घायोग एतव्द्वारा उक्त श्री भाटिया समट कानाभाई को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा घथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने घीर होने के लिए इस घावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ गुज-वि॰स॰/29/80(54)]

O.N. 625.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhatiya Samat Kanabhai, Bhandaria, Taluka-Khambhaliya District Jamnagar (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 29-Bhanvad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhatiya Samat Kanabhai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/29/80(54)]

भा० अ० 626 — यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया
है कि मई, 1980 में हुए गुजरान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन
के लिए 29 मानवाड निर्याचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने आले उम्मीदवार
भी खानिया मेरामन देवानन्त्र, पोस्ट शिया, नाषुका भानवाड़, जिला
जासनगर (गुजरान) लोक प्रतिनिधित्व धिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन
बनाए गए नियमो द्वारा ध्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा
वाखिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

भौर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नही है,

अन अब, उक्त अधिनिथम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतक्तारा उक्त श्री खानिया भेरामन देवानन्द को समद के किसो भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के मदहर चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन घोषित करता है।

[स गुज-वि॰म॰/29/80(55)]

ON. 626.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ravaniya Meraman Devanand, Post Shiva, Taluka-Bhanvad, District Jamnagar (Gujurat), a contesting candidate for general election to the Gujurat Legislative Assembly held in May, 1980 from 29-Bhanvad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ravaniya Meraman Devanand to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No GJ-LA/29/80(55)]

आ० अ० 627 — यत. निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 202-मुख्यारा निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुभाष प्रोवर, 10/38, शिवाजी वार्ड, कटनी (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो हारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण, नश्री विधा है भौर निर्वाचन श्रायोग का समाधास हो गया है कि उसके पास इस श्रम-फतला के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यामीचित्य नहीं है; धतः धक, उक्त घिष्टिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतव्दारा उक्त भी सुधाय ग्रोवर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायिश के लिए निर्साहत धोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/202/80(75)]

O.N. 627.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Subhas Grover, 10/38, Shivaji Ward, Katni (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 202-Murwara constituency, has falled to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Subhash Grover to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/202/80(75)]

# मई दिल्ली, 20 मई, 1981

भा० भं० 62 है:---यतः, निर्माचन भाषीम का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 2-भिण्ड निर्वाचन-सेन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदशार श्री राम कमल वास, ग्राम अभाव (बालाजी) तहसील दतीया, जिला दतीया (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रक्षक रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण प्रचवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रस-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थाधीचरय नहीं है;

भतः भवः, उक्त भिक्षितयम की खारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवृद्धारा उक्त भी राम कमल बास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विभाग संभा भावना विभ्रान परिषद् के सदस्य चुने खाने भीर होने के लिए इस भावेश की सारीख से सीन वर्ष की कालाविभि के लिए निर्राहंस बोबित करता है।

[सं म न प्रवाशिक्ष | 2 | 80 (26)]

# New Delhi, the 20th May, 1981

O.N. 628.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Kamal Das, Village Unao (Balaji), Tehsil Datia, District Datia (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 2-Bhind constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Kamal Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/2/80(26)]

मा० थ० 629:—यतः, तिर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 80-उमरिया निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव, लड़ने बाले उम्मीब-वार श्रीमती, उमिला, ग्राम व पो० बड़ेरी, जिला शहबोल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनित्व स्वधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए नए नियमों द्वारा श्रोक्ति रीति से प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

भौर मनः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथना स्पष्टीकरण नही विया है और निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नहीं है;

घसः ग्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के घनुसरण में निर्धावन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्रीमती अमिला को ससव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा भर्मना विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भावेग की तारीजा से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰ वि॰स॰/80/80(80)]

O.N. 629.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Urmila, Village and Post Barreree, District Shahdol (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 80-Unaria constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Urmila to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No MP-LA/80/80(80)]

मा॰ मा॰ ति 630:—ःयतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 80-उमरिया निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री भोला प्रसाद, मोकाम कानपुर, जिला गहडोल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1956 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा मधिकत रीति से भपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ससफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण घथवा स्पव्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का संगाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौजित्य नहीं है;

मतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन बायोग एतव्दारा उक्त श्री भोला प्रसाद को संयद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा बचदा विद्यान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस प्रादेश की तारीका में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[र्सo मoप्र**०धवि**०स०/80/80(81)]

O.N. 630.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhola Prashad, Mokam Manpur, District Shahool (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 80-Umaria constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, his not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Bhole Prashad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Levislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

<sup>1</sup>Ne. MP-LA/80/80(81)]

भा० छ० 631 — यसः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 101-धरमजयगढ़ (अ०ज०जा०) निर्वाचन-केल से चृताव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बहायुर सिंह राठिया, मुकाम पोस्ट स्वापुल, तहसील धरमजयगढ़, जिला रायगढ़ (सध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य मधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित रीति से भपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा पाखिल करने में भ्रमकल रहे हैं;

मौर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् भूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुमरण में निर्धाचन ध्रायोग एतव्धारा उक्त श्री बहादुर सिंह राटिया को संमद के किमी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषक् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ध्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्स्हित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/101/80(82)]

O.N. 631.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bahadursingh Rathiya, Mokam Post Swaphool, Tehsil Dharamjaigarh, District Raigarh (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 101-Dharamjaigarh (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bahadursingh Rathiya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a Stale for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/101/80(82)]

का० ४० 632:—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान मधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 50-महाराजपुर (ध०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव सहने वाले उम्मीदवार भी रामाधार, प्राम भावेर, पो० रणीली, जिला छतरपुर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिक्षित्व धिधिनयम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धपेक्षित धपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस झसफलता के लिए कोई कारण प्रयंवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस धमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्याधीचस्य नहीं है; मलः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भनुमरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रामधार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस झादेश की कारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्राहन धोवित करना है।

[मं० म०प्र०भवि०स०/50/80(83)]

O.N. 632.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramadhar, Village Bhadar, Post Rogoll, District Chhatarpur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 50-Maharaipur (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramadhar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/50/80(83)]

आ० अ० 633.---यनः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 34-मुगावली निर्वाचन-शेल से चुनाव सड़ने वाले उम्मीद-बार श्री श्रूरूण कुमार, मदर बाजार चन्देरी, पो० चन्देरी, जिला गूना (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाज्ञिल करने में प्रसफल रहे हैं:

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भंतः भ्रबं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रम्लण कुमार को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रम्या विधान परिषद् के सबस्य बुने जाने और होने के लिए इस भ्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्साहत धोषित करता है।

[संव मव्यव-विवसव/34/80(84)]

O.N. 633.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Arun Kumar, Sadar Bazar Chanderee, Post Chanderee, Dstrict Guna (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 34-Mungaoli constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Arun Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/34/80(84)]

आ० अ० 634:— ग्रयतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में क्षुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 34-मुगावली निर्वाचन-केंद्र से जुनाय लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री इफतदा खा, मैदान गली चन्देरी, पो० चन्देरी, परगना मंगावली, जिला गुना (मध्य प्रदेण) लोक प्रतिनिधिस्य ग्रिधिनियम, 1951 तथा तष्-धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्र्मेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत, उक्त उम्भीवजार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथता प्यय्टीकरण नि दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इम श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नही है;

श्रतः श्रव, उक्तं श्रीधिनियम की धारा 10-क के श्रनुरारण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्तं श्री इकतदा खा को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा निधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्स्हित बोधित करना है।

सं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/34/80(85)]

O.N. 634.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Iftada Khan, Maidan Gali Chanderce, Post-Chanderee, Pargana-Mungaoli, District-Guna (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly hald in May, 1980 from 34-Mungaoli constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the Shri Iftada Khan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA[34]80(85)]

श्रा० अ० 635.—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 34-मुगावली निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री बालमुकन्त्र मांगीलाल जाजू, नगरपालिका अध्यक्ष, चन्देरी, जिला गुना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन अनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

श्रीर यन', उक्त उम्मीदवार ने, सम्मक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलना के लिए कोई कारण श्रधना स्पष्टीकरण नही विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रातः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतव्हारा उक्त श्री बालमुकत्व ग्रायोलाल आजू, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[स॰ म॰प्र०-वि॰स॰/34/80(86)]

O.N. 635.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bal Mukund Mangilal Jagoo, Nagarplika Adhyakashya, Chanderee, District-Guna (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh egislative Assembly held in May, 1980 from 34-Mungaoli constituency has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason for justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bal Mukund Mangllal Jajoo to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA]34[80(86)]

### नई विन्ली, 20 सई, 1981

भा० ७० 636.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि गई, 1980 में शुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 3-टीबी (भ०जा०) निर्याचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीयवार श्री इंगर राम, भू०पू० विधायक, रावतसर, जिला श्री गंगा-नगर, (1) राजस्थान लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रमने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इन श्रमफलना के लिए कोई कारन श्रमत स्पष्टी तरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के निए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

श्रन. श्रव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एनव्दारा उक्त श्री खुंगर राम को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयना विधान परिषद् के सक्त्य चुने जाने धौर होने के लिए इस ग्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत धोषित करता है।

[सं राज वि न्स | 3/80 (43)]

#### New Delhi, the 20th May, 1981

O.N. 636.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dungar Ram, Former M.L.A., Rawatsar, District-Sriganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 3-Tibi (SC) Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dungar Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Asssembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA|3|80(43]

बार अर 637.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधानसभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 3-टी बी (भ्रव जाव) निर्वाचन-भेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री स्पराम, सिकन थालक्का, तहसील नोड्र, जिना श्री गगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व धाधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गर्नियमों द्वारा अपेक्षित भने निर्वाचन क्यायों का कोई भी ने बादिबन कर में धामफल रहे हैं;

श्रीर यतः, जनत उम्मीदबार ने, पमाक्, सूचना दिए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण प्राम्या रम्प्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गम है कि उसके पास इस श्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायीविस्य नहीं है; धनः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एनव्हारा उक्त श्री रूपराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथम विधान परिपद् के सदस्य चूने जाने भौर होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राह्म घोषित करना है।

[सं॰ राज-वि॰ न॰ 3/80(44)]

O.N. 637.—Whereas the Election Commission is satisfied that Siri Roop Ram, Sakin Thaldaka, Tehsil-Nohar, District-Sriganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 3- Tibi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason of explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Roop Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA<sup>[3]</sup>30(44)]

ब्रां० ब्रं० 638.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का सगाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उन्टीबी (ग्र० जा०) निर्धाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री हजारा राम, गांव खाराखेडा, तहसील टीबी, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों हारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन श्र्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्राक्षसल रही हैं ;

भीर यतः, उकत उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असम्बत्ता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्षित्य नही है ;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाधन श्रायोग एतड्द्वार उक्त श्री हजारा राम को समद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विश्वान सभा श्रयवा विश्वान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख़ से तीन वर्ष की कानत्वधि के लिए निर्दाहन घोषित करता है।

[मं० राज-वि० स०/3/80 (45)]

O.N. 638.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hazara Ram, Village-Kharakhera, Tehsil-Tibi, District-Sriganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 3-Tibi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Ru'es made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hazara Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/3/80(45)]

आं अं 639.—यन., निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा थे लिए साधारण निर्वाचन के लिए उन्होंकी (अठ जा०) निर्वाचन क्षेत्र से बुनाज लड़ने वाले उम्माद-वार श्री बीरवल, वार्ड न० 6, राजनमर, जिला श्री गगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिन करने में श्रसकल रहे हैं;

श्रीर, अतः, उक्त उम्मीवनार द्वारा दिए गए प्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है?

भ्रत. शब, उवन प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रतुसरण में निर्वाचन प्रायोग एलव्हारा उक्त श्री बीरयल को संमद के किसी भी सपन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयवा विधान परिवक् के गवस्य बुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख़ से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषिन करता है।

[सं० राज-वि० म०/3/80 (46)]

O.N. 639.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Birbal, Ward No. 6, Rawatsar, District Sriganganagar, (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 3-Tibi (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after consideration the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Birbal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/3/80(46)]

भा० अ० 640: — यतः, निर्श्वन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 4-हनुमानगढ़ निर्वाचन-श्रेत्र से चुनाव लढ़ने वाले उम्भीववार श्री नन्दलाल, मुकाम पोस्ट टीबी, तहसील टीबी, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रापने अपेक्षित निर्वाचन व्ययों का कोई भी नेखा दाखिल करने में ग्रामक रहे हैं

भीर यतः, अक्त जम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है ;

ग्रातः ग्रावः, उपन ग्राप्तिन्यम की घारा 10-क के प्रनुगरण में निर्वावत भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री नन्दलाल की संभद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के रिए निर्राहत योजित करता है।

[सं० राज-वि० म०/4/80 (47)]

O.N. 640.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nand Lal, Village and Post Tibbi, Tehsil Tibbi, District Sriganganagar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 4-Hanumangarh constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nand Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No, RJ-LA/4/80(47)]

आं ग्र० 641.—यतः, निर्वाजन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाजन के लिए 15-मोखा (ग्र० जा०) निर्वाजन-क्षेत्र से भुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री बालू राम नायक, ग्राम साधासर, तहसील नोखा, पो० साधासर, जिला बीकानेर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए निवमों द्वारा ग्रायेक्षित ग्रपने निर्वाजन व्ययों का नोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोगका समाधान हो गया है कि उसके पाम इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

भतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्द्वारा उन्त श्री बालू राम नायक को रांसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा भणवा विधान परियद् के मदस्य पुने जाने और होने के लिए इस भादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहन बोधित करता है।

[सं० राज-वि० म०/15/80 (48)]

O.N. 641.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Baluram Nayak, Village Sadhasar, Tehsil Nokha, Post Sadhasar, District Bikaner (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 15-Nokha (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Baluram Nayak to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/15/80(48)]

आरं अरं 642. — यतः निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्छ 1980 में हुए, राजस्थान विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 36-खण्डेला निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री नागर मल (नागर मल शर्मा) मूं गों पीतमपुरी, बाया कावट, जिला सीकार (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए नए नियमों द्वारा प्रदेशित प्रपने निर्वाचन व्यथों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहें हैं ;

धौर यत', उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक भूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण मही दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलत के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रत. ग्राय, उसत ग्राधिनियम की घारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतवृद्वारा उसत श्री नागर मल को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विद्यास सभा भ्रथना विद्यान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित चौषित करता है।

[सं॰ राज-वि॰स०/36/80(49)]

O.N. 642.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Nagar Mal, (Nagar Mal Sharma), Village and Post Pitampuri, Via-Kanwant, District Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 36-Khandela constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or exclusion for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Nagar Mal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislataive Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/36/80(49)]

का० अ० 643:—यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिएँ 32 सीकर निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्भीववार श्री भगवान, सलासर बस स्टेन्ड सीकर, जिला सीकर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नव्यीन बनाए गए मियमों हारा प्रपेक्तित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी नेखा दाखिल करने में ध्रमफन रहें हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी इस प्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्वाचन प्रायोग का सभाधान हो गया है कि उसके पाम इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीनित्य नहीं है;

धतः प्रव, उकत प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एनव्द्रारा उक्त श्री भगवान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस प्रावेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषित करता है।

[सं० राज-वि०स०/32/80 (50)]

O.N. 643.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagawan, Salasar Bus Stand, Sikar, District Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 32-Sikar constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagawan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. RJ-LA/32/80(50)]

कां का 644:----यतः निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए अधारण निर्वाचन के लिए अधारण निर्वाचन के लिए अधारण निर्वाचन के लिए अधारण निर्वाचन श्री मोहन लाल घार्य, ग्राम दोलतपुरा, पो० कटराधन, जिना सीकर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिन्य प्रधिनियम, 1951 तथा तथ्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्षित प्रपत्ने निर्वाचन करने में प्रमुख्त रहे हैं ;

ग्रीर यतः, उन्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यांकीचित्य नहीं है;

कत काब, उक्त क्राधिनियम की धारा 10-क के धन्मरण में निर्वाचन भाषांच एनद्द्वारा उक्त भी भोहन लाल क्रायें को समद के किमी भी मदन के या किमी राज्य की विधान सभा क्रयवा विधान परिषद् के मदस्य खुन जाने क्रीर होने के लिए इस क्रादेश की नारीका से नीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्महोंस घोषिन करना है।

[स॰ राज-वि॰ स॰/32/80 (51)]

O.N. 644.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohan Lal Arya, Village Daulatpura, Post Korrathai, District Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 32-Sikar constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shi Mohan I al Arya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/32/80(51)]

का॰ अ॰ 645 ---यत, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए भाधारण निर्वाचन के लिए 32-सीकर, निर्वाचन-केत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हेमा राम, पुत्र श्री लख्नन राम, ग्राम गोकुलपुर, जिला सीकर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिस्य मधिनियम, 1951 सथा नद्धील बनाए गए नियमो इररा अपोक्षित न्यपने निर्वाचन करने मे सस्यक्त रहे हैं ;

भीर यत', उन्त उम्मीवनार में, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण ग्रथका स्पटीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रांसोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्व नहीं है ,

भ्रत अनं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 10-क के मनुमरण में निर्वाचन आयोग एतव्धारा, उक्त श्री हेमा राम को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधास सभा प्रथम विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस मारोण की मारीख से नीत वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषिन करता है।

[सं० राम-वि० म०/32/80 (52)]

O.N. 645.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Hema Ram, S/o Lachhaman Ram, Village Gokulpur, District Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 32-Sikar constituency, has falled to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hemæ Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/32/80(52)]

आ० अ० 646--५५ , निर्वाचित्र शायोग का समाधान हो गथा है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान संगा के लिए साधारण निर्वाच के लिए 41-ह्यामहल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाथ लड़ने वाले उम्मीवेदार श्री बहारी लाल, 299, गुरुनानकपुरा, आवर्ष नगर, जयपुर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा संव्धीन अनाए एए निथमों द्वारा प्रथेक्षिम अपन निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेका वैक्षिण करने में असफल रहे हैं;

धीर थतः, उन्त उम्मीवदार नं, सम्यक भूचना दिए जाने पर भी, इस अभक्तता के लिए कोई कारण अववा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन अधीग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असक्तान के लिए कोई पर्योग कारण या स्थायीचित्य नहीं है ,

%। ग्रज, उक्त ग्रंशिनियम की धारा 10-क के भतुसरण में निर्वाचन श्रायांग एनवद्वारा उक्त श्री बिहारी लाल को ससद के किसी भी सदन के दा किया राज्य की विधान सभा श्रयका विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन धर्ष की काला-क्षित्र के लिए निर्माल सोयित करता है।

[मं राभ-वि०म०/41/80(53)]

O.N. 646.—Whereas the Election Commission is satisthat Shri Bihari Lal, 299, Gurunanakpura. Adaish Nagar, Jaipur, (Rajasthan), a contesting condidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 41-Hawamahal constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the mid Shri Bihari Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/41/80(53)]

आ । अ । 647 --- थनं , निर्धाकन आयोग का समाधान हो गथा है कि मई 1980 में हुए राजस्थान विवाकः समा के लिए साधारण निर्वाकन के लिए साधारण निर्वाकन के लिए 41-हथामहल निर्वाकन-कित से चुनाव लड़ने थाले उम्मीद-वार श्री राधे ग्याम, मकान मं० 114, जींग माना का खुरा, गलभा है । विदेश जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिध्यक्ष प्रधिनिध्यम, 1951 तथा तब्धीन जनाएं गए नियमों द्वारा भोकित प्रपने निर्वाकन क्ययों का कोई भी , लेखा बाबिल करने में असकल रहें ह

ग्रीर भनः, उक्न उम्मीदवार ने, सम्यक मूचना विए जाने पर भी, इस अन्यक्तिका के लिए कोई कारण अयका स्पटीकरण नहीं दिया है भीर निर्याचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस अनकलता के निए कोई समस्त्र कारण मा स्पामीविक्य नहीं हैं,

इ.स. इ.स. उसन अधिनिथम की घारा 10-क के धनुसरण में जिक्कांधक इ.चि.। एसद्द्वारा उकन श्री राधे क्याम की संसद के किसी भी सदन के या विक्षी राज्य का निधान सभा अध्या विधान परिषद् के सदस्य चुने आने श्रीर होने के लिए इस अदिश की भारीख में तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निस्टिंस घोषिम करना है।

[म० ४ज-वि० म०/41/80/(54)]

O.N. 647. Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radhey Shyam, House No. 114, Jedna Mata La Khurra, Galta Road, Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 41-Hawamahal constituency, has falled to hodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereinder;

And whereas, the said candidate, even ofter due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radhey Shyam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Co not of a State for a period of three years from the date of this order.

No. RI-LA/41/80(54)1

आ० अ०६४8 .---थरः, निर्माचन धायोग ना समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान धिधान सभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 42-जौहरी बाजार, निर्माचन-केल से चुनाब लड़ने धाले उम्मीद्रशार श्री थः सभी सिद्धकी, मोहस्ला धिमायितयान, रामगंज, जयपुर (राजस्थान) राम प्रतिनिधित्व अधिनिथम, 1951 तथा धद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्माचन व्ययों का नोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीवद्यार ने, सन्धक सूचना विए जाने पर भी, इस इसफलता के निए कोई कारण अथवा स्पर्याकरण नहीं दिया है और निर्वाचन कायोगका समाधान हो गया है कि उसके पास इस इस्सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजिन्य नहीं है ;

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में मिर्वाधन आयोग एतवृद्धारा उकत श्री घठ सभी सिद्धकी को संसद के किसी भी सदम था किसी राज्य की विधास सभा प्रथबा विधान पिष्ववृ के सदस्य चुने जाने घौर होने के लिए इस आदेश की धारीख से तीन धर्ष की कालाधिक के लिए निर्श्वित घोषिह करहा है।

[सं० राज-धि० स०/42/80/(55)]

O.N. 648.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri A. Sami Siddiqui, Mohalla Bisaytian, Ramganj, Jaipur, (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assambly held in May, 1980 from 42-Joharl Bazar constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri A. Sami Siddiqui to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either Thus. Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

IN - RJ-L \/42/80(55)]

भा० २० ६४२, व्यवस्थान द्वायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निविचन के लिए 45-फूलेरा निर्वाचन-केल से चृताय लड़ने थाले उम्मीदश्वर श्री दशरण, चेणारों का मोहल्ला, रेनधाल, जिला जयपुर (राजस्थान), लोक प्रितिधिक्ष अधिनियम, 1951 सथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षिक स्पने निर्वचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्ष्म उम्मीवधार ने, सम्यक सूचमा दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग दम समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलमा के लिए कोई पर्योग कारण या न्यायौचित्य नहीं है .

क्रमः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुगरण में निर्वाचन भायोग एनवृद्धारा उक्त श्री दगरथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रमका विधान परिषद् के सदस्य भूने जाने श्रीर हं।ने लिए इस शादेश के क्षारीज से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्याहर बोपिय करना है।

[सं० गज-वि०स०/45/80/(56)]

O.N. 649.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dashrath, Chejaro Ka Mohalla, Renwal, District Jaipur, (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 45-Phulera constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dashrath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/45/80/(56)]

आ० अ०६50 — प्राः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 45-फुलेरा, निर्वाचन-केस्न से चुनाव लड़ने थाले उम्मीदधार श्री पेमला, निश्वासी बस्सी, पौ० कालखा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर (राजस्थाम) लोक प्रतिनिधित्य भिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेकित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में धमफल रहे हैं ;

भीर ५त., उक्त उम्मीदवार ने, सम्पण सुनना दिए जाने पर भी, इस मसफलता के लिए कोई कारण धयमा म्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निविचन धायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इम असफन् लहा के लिए कोई पर्याप्त गारण या न्यायौचित्य यहीं है;

क्षाः अब, उक्त व्यक्षित्यम की धारा 10-क के धनुरारण में निर्वाचन आयांग एतव्दारा उक्त पेमला की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवधा विधान परिचद् के सदस्य चुने जाने और हीने के लिए इस आदेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाधिध के लिए निर्मित्त बारित करता है।

[सं० राज-धि० स०/45/80/(57)]

O. N. 650.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pemla, Village Bassi, Post Kalakh, Tehsil Phulera, District Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 45-Phulera constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pemla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/45/80/(57)]

लां अं 651.---या, निर्वाचन आयोग का समाधान हो भया है कि मई. 1980 में हुए राजस्थान विश्वान मना के लिए साधारण निर्वाल के लिए 48-फागी (बं जा) निर्वाचन-केंद्र से चुनाय लड़ने का उम्मीदकार थी गोपी, मुं पाँ फागी, तिहसील फागी, जिला जयुर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा ध्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों था कोई भी लेखा दाखिय करने में अनक्ष्य पहें है ;

श्रीर यथः, उक्त उम्मीदकार ने, सम्प्रक सूच । दिए जाने पर भी इस असकता के लिए कोई कार्ग श्रयन। सर्ध्यानगण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उन्होंने पास इस असकता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है;

श्रसः श्रम, उक्त श्रधिनिधन कं धारा 10-ए के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रामोग एएव्ह्रारा उक्त श्री गोपी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की श्रियान सभा श्रथला विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्राहरी पंषित करना है।

[मं० राज-धि० स०/48/80 (58)]

O.N. 651.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopi, Village and Post—Phagi, Tehsil—Phagi District—Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 48-Phagi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/48/80(58)]

आं अं 652.---यसः, निर्वाचन कायोग का समाधान हो गथा है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विज्ञान मका के लिए सःधारण निर्वाचन के लिए 48-फागी (अं जां) निर्वाचन-केंत्र में चुनाथ लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री प्रवाण, प्राम श्रीरामणीतुरा, पी डाबिज, क्षांथा माधौराजपुरा, सहसील फागी, जिला जयपुर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनिथमः 1951 सथा सद्धीन बनाए गए निथमों द्वारा प्रपेक्षित प्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असकत रहे हैं;

श्रीर थस:, उक्त उम्मीववार में, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसकन्ता के लिए कोई कारण श्रवका स्पष्टीकरण महीं विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गथा है कि उसके पास इस श्रमकन्ता के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यायोगित्य नहीं है;

धतः स्रवं, उनत प्रधिनियमं की धारा 10-क के श्रनुभरण में निर्वाचन प्रायांग एतव्दारा उवत श्री प्रकाश को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयमा विधान पिष्पव् के सदस्य चुने जाने भीर हाने के लिए इस अविश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित योपित करता है।

[सं० राज-धि० स०/48/80 (59)]

O.N. 652.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prakash, Village Sriramjepura, Post Davich, Via-Modhorapura, Tehsil Phagi, District Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 48-Phagi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prakash to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the late of this order.

[No. RJ-L \/48/80(59)]

ब्यां० अ० 653.---रत, निर्माचन भाषीन का नमादा हो गया है कि मई, 1980 में हुए राज्ञान बिधान साम के लिए साधारण निर्वावन में लिए साधारण निर्वावन में लिए 18-फानी (अ० जार) निर्मात स्थित में चलाज लड़ने बाले उम्मीवन बार श्री भवर लान, प्राम मुगुन्सुरन, गा० डिडावता साम माधोराजपुरा, तहसील फानी, जिला जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा समुशीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित धपने निव्वचिन व्ययों का तोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमुक्त रहे हैं ;

भीर याः, उक्न उम्मीदवार ने, सम्यक् मूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलना के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उनके पास इस भ्रसफलता के शिएकोई पर्याण कारण या न्यायौचित्य मही है;

धत. भव, उक्त प्रक्षितियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाधन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भंबर लाल को संभद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की थिधान गना भ्रायशा निधान परिषद् के सदस्य भुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारोख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्स्तृत घोषित करना है ।

सिं॰ राज-वि॰ स॰/48/80 (60)]

O.N. 653.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhanwar Lal, Village Mukundpura, Post Didawata, Via-Madhorajpura, Tehsil Phagi, District Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 48-Phagi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhanwar Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/48/80(60)]

भा० भा० 654.—यतः, निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन
के लिए 48-कागी (घ० जा०) निर्वाचन-भोत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री रामनारायण गुसाईवाल, मु० न० 30, तोपखाना सङ्क, रगरों का
मोहल्ला, तोपखाना देश, जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व धाधिनियम,
1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित धपने निर्वाचन
क्यायों का कोई भी लेखा वाखिल करने में झमफल रहें हैं ;

भौर यतः, उन्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा रप्यतिकरण नही दिया है भीर निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नहीं है;

मतः, श्रव, उक्त मिधिनियम की धारा 10-क के घनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्हारा उक्त श्री रामनारायण गुसाईबाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान सभा प्रथवा विधान परिषार् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस घादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाबिध के लिए निरहित घोषिन करना है।

सिं० राज-वि० स०/48/80(61)

O.N. 654.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Narain Gusalawal, House No. 30, 1 opkhana Sadak, Ragro Ka Mohalla, Topkhana Desh, Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 48-Phagi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his rejection expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the suid Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Naraln Gusainwal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA-48/80(61)]

आ० अ० 655.—यतः, लिर्जायन प्रायोग का समायान हो गया है कि
भई, 1980 में हुए राजस्यान विधान मन्ना के लिए साधारणं निर्वायन के
लिए 96-प्राव्यमेर विधान निर्वायन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उस्तीदबार श्री महेन्द्र मिंह पर्वार, पंचार भवन, एण्डरमन रोड, नसीराबाद, जिला अजमेर (शाकस्थाम) लोक प्रतिनिधित्व प्रश्वितियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए, नियमों द्वारा अवेतिक प्रकी निर्वायन व्यक्षी का कोई भी लेखा बनीयस्य करने में अस्तप्रम रहे हैं :

ग्रीर यस, उक्त उम्मीवजार ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रासफलता के लिए कोई कारण ग्राथवा न्यष्टीकरण नहीं विधा है ग्रीर निर्वाचन अध्योग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिए कोई पर्यापन कारण-यह व्यायोक्तिस्य नहीं है .

भत अब, क्रम्स प्रधिवियम की धारा 16-क के जनसरण में निर्वाचन आयोग हिसद्वारा जबत भी महेज सिंह पंचार को ससव के किसी भी सब्बन के छन किसी काज्य की विज्ञान सभाः ग्रम्बन श्रीव्यन परिचयु के नवस्य चुने जाने और होने के लिए इस पावेश की गार्राम से तीन वर्ष की काला-विद्या के लिए निर्माहत पीषित करता है।

[सं० म्नज-विव स०/96/80 (62)]

O.N. 655.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahendra Singh Panwar, Panwar Bhawan, Anderson Road, Nasirabad, District Ajmer (Rajasthan), a contasting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 96-Ajmer Westenstituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahendra Singh Panwar to be disqualified for being chosen as, and for being at member of either House of Parliment or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/96/80(62)]

जा॰ अ॰ 656.—यतः, निर्माशतः आयोग का समाधानः हो नया है कि
मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण जिविक्त के लिए 98-मतीराबाद निर्वाचन-भन्न से चुनाप लड़ने वाले झस्मीक्वार थी कामड़ सिंह, ग्राम व पोस्ट वीर, जिला मजमेर, (राजन्यान) -लोक प्रतिनिधित्व मिनियम, 1951 तथा तद्भीन बनाए एए नियमो बारा मपे-कित मपने निर्वाचन न्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में मतफल रहे हैं; भीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्बक् सूचना विए अने पर भी इस भ्रमफनता के लिए कोई कारण श्रवता स्पष्टीकरण नहीं दिन है भीर विविधित भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस असकक्षमा के लिए कोई पर्याण कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

मत, यत्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्धाचन भायोग ज्तद्द्वारा उक्त श्री कामड़ सिंह को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सवस्य खुने जाने और होने के लिए इस आदेण की ताराख से तीन वर्ष की कालावाध के लि विर्शित योधित करना है।

[स॰ राजा ॰-वि॰ स॰/98/80 (७३)]

O.N. 656.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii kamar Singh, Village and Post Beer, District Almer, (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 98-Nasirabad constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kamar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/98/80(63)]

्रक्का कि 657.—यतं, निर्वाचन भायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान गभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 174-माहोर, निर्वाचम-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार भी नारा राम, पुत्र गेना राम, नाम आहो र जिला कालीर (क्षांकम्यान) लोक प्रतिनिधिष्ठ प्रधिनियम, 1951 नथा नव्धीन क्लाए गए नियमो द्वारा अपेजित घपने विर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वास्त्रिल करने से धसफल रहे हैं:

भीर यत, उक्त जम्मीववार ने, सम्मक् सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलना के लिए कोई कारण मध्यवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाधन भाषोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यामीचित्य महीं है ,

भने भव, उनन प्रधिवियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन कायोग एतव्हारा उनते श्री तारा राम को समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथत्र विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की ताराख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देशित घोषित करना है।

[मं० राज-वि० म०/174/80(64)]

O.N. 657.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tara Ram, S/o Generam, Village Ahore District Jalore (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 174. Ahore constituency, has falled to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Tara Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/174/80(64)]

भाव अव 658—यन, निर्वाचन प्रायांग का समाधान हा गया है कि मई, 1980 में हुए राजम्धान विधान सभा के निए साधारण निर्वाचन के निए 174-प्राहोर निर्वाचन-अंत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीक्वार श्री सीकल चन्द जैन, पुत्र नथाजी, बालीतान, तहसील प्राहोर, जिला जालौर (राजस्थान) लोक प्रतिसिधित्व प्रार्थानयम, 1951 नथा नद्धीन बनाए गए सियमो द्वारा प्रापेक्षित प्राप्ते निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेका व्यक्तिय करने म अनकल रहे है,

श्रीर यत, प्रक्त उम्मीदवार ने, सम्बक् सूचना विए जाने पर भी. इस श्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण मही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का सभाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यस्थीचिन्य मही है;

धन श्रव उ.ने श्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन सायोग एनद्वारा उक्ने भी भाकल जन्द जैन को समद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रववा विधान परिषद् के णवस्य चुने जाने और होने के लिए इस धार्यण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्मातन धीर्थिन करना है।

[म॰ राज-वि॰ म॰/174/80 (65)]

O.N. 658.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sankal Chand Jain, S/o Nathaji, Balotan, Tehsil Ahore, District Jalore, (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 174-Ahore constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shell-Sankal Chand Jain to be disqualified for being choren as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/174/80(65)]

भार भार कि 659 — यतः निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 85-गंगापुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाली ज़म्मीदवार श्रीमती कुगला थेवी, रेलवे कोम्रोपरेटिव के पास क्वार्टर नंश 219/टी गंगापुर सिटी, जिला सवाईमाधोपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिन्व प्रधिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा म्रयंक्षित समय के मन्दर तथा रीति से मने निर्वाचन व्ययों का लिखा दाखिल करने में मसफल रही हैं :

ग्रीर, यता , उसत कस्मीदवार द्वारा दिए गए जन्मन्यन्वेदन पर विकास करने के प्रश्चाल निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो त्रया है कि उसके पास इस श्रासफलना के लिए कोई पर्योग्न कारण या स्थायीचिस्स नहीं है ;

स्रत स्रव, उक्त स्राधिनियम की धारा 10-क के समुसरण में निर्वाक्षम आयोग-एत्व्द्वारा उक्त श्रीमक्षी कुशला देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्राम सभा स्रथला विश्राम परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस स्रावेग की तारीचा से तीन वर्ष जी कालावधि के लिए निर्माहन मीपिन वरना है।

[स॰ राज-१व० स०/8-5/80 (66)]

O.N. 659.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Kusla Devi, Rallway Co-operative ke Pass, Quarter No. 219/T, Gangapur City, District Swaimadhopur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 85-Cangapur constituency, has failed to lodge an account of her election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Kusla Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-I A/85/80(66)]

और अब 660 — यस, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड 1950 में हुए गारत विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए गाधारण के लिए जामनार शिक्त के के मिला मूलजी, हैपीयां डिरिस, खमभालिया, जिला जामनार (गजरात) नोक प्रतिनिधिन्त प्रधिनियम, 1951 तथा सर्वधीन मनाए गए निर्वाच प्रयोक्ति प्रधान के निर्वाचन व्ययो का कोई भा लेखा दाखिल करों में प्रसफ्त रहे हैं ;

श्रीर यतः, जनन उम्मीदवार ने, सम्मक् मूचना विए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्यब्धीकरण नही विधा है और निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस अमफलना के लिए कोई पर्यान्त कारण या स्थायीचिस्य नहीं है ,

श्रम श्रम, उक्न श्रश्चित्यम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्न श्री सनवारा केशव मूलकी, को संसद के किसी भी गढ़न के या किसी राज्य की विधान सभा श्रम्था विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होते के जिए इस सादेश की नाकीच से तीन वर्ष की कालावित के लिए विद्हिस चौषित करना है।

[सं० गुण-वि० म०/30/80 (56)]

O.N. 660.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Satwara Keshav Mulji, Hapivadiarea, Khambhalia, Dist ict Jamn gai (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 30-Khambhalia constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or j stification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Satwara Keshav Mulji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Lagislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GI-LA/30/80(56)]

अहे अब 60 रूप्पानः विविधन आसीय का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में दूर गुजरात विधान सभा के विष् साधारण निर्धावन के लिए 31-वारनः। निर्धावन-श्रंत से भुनाव लड़ने वाले उम्मीदवन यो अक्षानी विधानजी बारकादाम, खरवा चौकला रोड, भमवानित्त स्ट्रीट, असमत्त्र (मुकरात) लोक प्रतिनिधिस्त प्रधानयम, 1951 तथा तद्यीन बनाए गए नियमो दारा प्रपेक्षित प्रथने निर्वाचन व्ययों का सीई भी लेखा वालिल करने मे असफल रहे हैं;

कीर यतः, उनत सम्मीवनार ने, सन्धक न्मूनना दिए जाने पर भी, इसम्बद्धकलता के लिए कोई कारण अवदा स्पटीकरण नहीं विया है घीर निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि उसके पाम इस असक्यना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है; श्रत श्रव, उश्त श्रविनियम की बारा 10-क के अनुगरण में निर्वाचन श्रायोग एतवृहारा उश्त श्री कालानी विश्वनणी हारभाशन को समद के किसा भी मदन के या निर्मार राज्य की विधान मना श्रन्थवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेण का तारीक से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्मादत भोषित करना है।

[40 सुनव विव मव/31/80 (57)]

O.N. 661.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalani Visanji Dwarkadas, Kharva Chakla Road, Bhagvansing's Street, Jammagar (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 31-Dwarka constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Kalani Visanji Dwarkadas to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/31/80(57)]

और यत, उनत उम्मीदवार ने, सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भनकता के लिए कोई पर्यात्त कारण या स्यायौजित्य नही है;

श्रत' ग्रम, उनत प्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रानुमरण में निर्पाचन भ्रायोग एतद्वारा उनत भी वर्षमार कुंबरणी हेमतजी को समद के किनी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सना प्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीरहोने के लिए इस ब्रादेश की तार्राम्य से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्मित बोषित करता है।

सिं० गुज-वि० स०/107/80 (58)]

O.N. 662.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Parmar Kunwarji Hemataji, At and P.O. Salal Via Prantij, District Sabarkantha (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 107-Prantij constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the Feople Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Parmar Kunwarji Hemataji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Councit of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ LA/107/80(58)]

आर अर 663.——पतः, निर्भावन आयोग का समाधान हो पता है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र किधान गया के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 212-प्रोमेरणा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पयार गोविन्द णूगरीव, मुठ्य पाँठ नाईचाकूर, तालुका भ्रामेरणा, जिला उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 नया क्ष्मिन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित प्राने निर्वाचन वायो का कोई भी लेखा दाखिल करने म भ्रमक्ष्म रहे हैं ,

भीर यतः, उक्न उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए काई कारण भ्रथवा स्वव्हीकरण नहीं विधा है भीर निर्वाचन भाष्योग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के निए कोई पर्योग्त कारण या स्वायीचित्य नहीं है;

श्रतः प्रथ, उक्त श्रिश्चित्यन की धारा 10-क के अनुसरण में निर्यावन अन्योग एनव्द्रारा उक्त श्री पक्षार गोविन्द गूगरीव को संसद के किनी भी सब्दन के या किसी राज्य की विद्यान सना अन्या विश्वान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इन आवेश की तारी का से तीन वर्ष का कानाविध के लिए निर्स्तित वाचिन करता है।

सिं॰ महा-वि॰ स॰/212/80(72)]

O.N. 663.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pawar Govind Sugriv, At & Post Nai-Chakur, Taluka Omerga, District Osmanabad (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1930 from 212-Omerga constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pawar Govind Sugriv to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/212/80(72)]

आ० अ० 664.—यत. निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन
के लिए 250-भवानी पेथ निर्वाचन-श्रेश्न से चुनाव नहने वाले उम्मीदवार
श्री मोरेश्याम कान्त दामोदर, गांव व डा० डिहाव, तालुका हवेजी, जिला
पूने (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए
गए नियमों द्वारा ग्रवेकिन ग्रवने निर्वाचन व्ययों का कोई भा लेखा वाखिल
करने में ग्रसफल एहं है;

भीर यतः, उक्त उम्मीवबार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयक्षा स्वर्ष्टीकरण महीं विया है और निकी-चन प्रायोग का गमाधान हो गया है कि उनके पास इस प्रसक्तना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिन्य नहीं है;

श्रतः श्रव, अन्त भ्रधिनियम का धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्धाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री मंदि क्याम कान्त दामीदर को मंसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विश्वान मना अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के निए इस मन्द्रेग की नारीख से मोन वर्ष की कालावधि के निए निर्हित भ्रीष्त करता है।

[स॰ महा-वि॰ स॰/250/80(73)]

O.N. 664.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri More Shyamkant Damodar, At & Post Dehugaon, Taluka Havell, District Pune, (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 250-Bhavani Peth constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri More Shyamkant Damodar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/250/80(73)]

आर अर 665 — यत , निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में प्रुए महाराष्ट्र विधान संधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 250-भवानी पय निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सूर्य बस्ती गाम देव राव, 212-नाना पथ, पूर्त-2 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षिन ग्रपने निर्वाचन न्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहें हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्भीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोर्ड कारण श्रथ्या स्पन्नीकरण नहीं दिया है और सिर्वाचन ग्रायोग का समाक्षान हो ज्या है कि उसके पाम इस ग्रयण्डलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है ;

अतः अय, उनत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निकांचन आयोग एतद्वारा उनत श्री सूर्य बन्सी नाम देव राव को संमद के किसी भी सदम के या किसी राज्य को विश्वान मना अथवा विधान परिषद के सबस्य पुते जाने और होने के लिए इस अविंग की नाराख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहन घोषित करना है।

[स॰ महा-वि॰ मं०/250/80(74)]

O.N. 665.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suryawanshi Namdeorao, 212, Nana Peth, Pune-2 (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 250-Bhavani Peth constituency, has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suryawanshi Namdeorao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/250/80(74)]

## नई दिम्ली, 21 मई, 1981

आर अर 666.—यतः, निर्वाचन भ्रायोगका समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 211-निर्लगा निर्वाचन-क्षेत्र से चनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कामबले लक्ष्मण राजाबा, तकाली पोस्ट असतुरी, तालका निर्लगा, जिला श्रोस्मानबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेका वाकिल करने में असफल रहे हैं ;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीबवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसकलता के लिए कोई कारण अववा स्थानीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसकलना के लिए कोई पर्वाप्त कारण या स्थानीचित्र्य नहीं है ; श्रतः श्रव, उक्त श्रधितियम को धारा 10-क के श्रव्युसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री कामबले लक्ष्मण राजाबा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य के: विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने भीर होने के लिए ६व श्रावेश की नारोश में सीर वर्ष की काला-विध के लिए निर्देहन पायित करना है।

[मं० महा-वि० गं०/211/80 (75)]

New Delhi, the 21st May, 1981

O.N. 666.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kamble Laxman Rajba, At Takli, Post Ustorl, Tq. Nilanga, District Osmanabad (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 211-Nilanga constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Kamble Laxman Rajba to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/211/80(75)]

आर अर 667 — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समावात हो गया है कि भई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 116-मुरतिजायुर निर्वाचन केन्न स चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार की प्रारावित्व कमलाक देशमुख, मुरु डार जामधी, (बीर केर), तलुका मुरतजायुर, जिला प्रकोला (महाराष्ट्र) ओक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों हारा प्रपेक्षित रीति से प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भा लेखा दालिल करने में प्रसक्त रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्प्रक सूचना किए जाने पर मी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पटीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कीई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र्य नहीं है;

श्रम श्रव, उत्त श्रिवित्यम की धार! 10-कं के श्रतुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतदहारा उत्तन श्री श्रारिक कमलाकर नेवामुख को संसव के किमी भी मदन के या किथी राज्य की विधान सभा श्रवजा विज्ञान परिषद के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की कारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन भोषित करता है।

[मं० महा-वि० स०/116/80 (76)]

O.N. 667.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Arvind Kamlakar Deshmukh, At & Post Jamthi (bk.), Taluka Murtajapur, District Akola (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 116-Murtazapur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the sald Shri Arvind Kamlakar Deshmukh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/116/80(76)]

आर अर्थ 668 — पत् , निर्वाक्त झायोगे कर समाधम हो गवा है कि मर्ट, 1980 में हुए महाराष्ट्र विश्वात सभा के लिए मोधारणे निर्वाक्त के लिए 276-जाट (अ० जा०) निर्वाकत-केल से जुनाम लड़ने वाले उम्मं द-बार श्री बाम दे जकर यमुनाएगा, मु० व डा० जाट, तालका जोन जिला संगर्ल, (महाराट) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा निर्धान बनाए गण नियमो हाथ ध्रोकित झाने निर्भाचन ध्ययो हा बोर्ट भी लेखा दाखिल करने में समणल रहे हैं ,

भीर यत, जनन उम्मी स्वार ने, मायक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमान्त्रता के लिए वीई कारण अथवा स्पर्धीकरण नहीं विधा है भीर निर्मानन भाषीम का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असप नता के लिए कोई पर्यान कारण या न्याधीचित्र नहीं है ,

ग्रतः अत्र; उक्त भविनियम भी धारा 10 क के भ्रमुमरण में निर्वाचन भायोग एत्रप्रांत उक्त भी वाममोदे शंकर यधुनापेता की संसद के किसी भी सबत के या किसी राज्य की विधान सभा अर्थश विधान परिषद के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबिध के लिए निरहित धीषिन करना है।

[নাঁ০ দাশা সাহিৎ নাংগ/278/80 (77)]

O.N. 668.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Waghmode Shankar Yamanappa, At & Post Jat, Tal Jat, District Sangli, (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 276-Jat (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Waghmode Shankar Yamanappa to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/276/80(77)]

आ० अ० 669 ---पतः, निर्वाधनः बायोग का समाधाम हो गया है कि
मर्ड, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के
के लिए 276-जाट (घ० जा०) निर्वाधन-दीक्ष से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-बार श्रीं गाले सुभाक सिंद्राम, शिवाधी पंथ, मु०व डा० जाट, तहसील जाट, जिला संगती (महाराष्ट्र) लीक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए निर्यमों द्वारा मधिलत सपने निर्वाधन व्ययोधका कोई धी लेखा दाखिल करने में समफल रहे हैं ;

श्रीर यन', उक्त उस्भीवनार ने, सम्प्रक सूचना विए जाने पर भी, इस इसफलता के निर्ण कीई कारण' इधवा स्पष्टीकरेंण''नही दिया' है और निर्माचन' आयोग' को समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकानता के लिए कीई पर्यात कारण' या स्याधीकित्य' नहीं है :

चत. श्रंब, उक्त श्रांधिषयं की घारा 10-कः के ध्रमुसरण में निर्वाचन कासीण एतंत्र्जारा उक्त श्री माले संभाप सिद्धमंत्र, भी संसव के किनी भी सदम के या किनी राज्य की विधान मभा मथवा विधान विश्ववं के सर्वच्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भानेण की नारीख से सीम वर्ष की कालावंदि के लिए निर्मेशन घोषिन करना हैं।

[सं॰ महा-वि॰ भ०/276/80 (78)]

O.N. 669.—Whereas the Election Commission is satisfied that Suri Sale Subhash Sidram, Shivaji Peth, At & Post Int, Taluka Int, District Sangh (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 276-Int (SC) constituency, has faffed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sale Subhush Sidram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/276/80(78)]

आ। क्षं० 670 — यन , निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 276-जाट (ग्र० जा०) निर्वाचन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री तोगोने दिंगम्बर नाना, मु०व पो० ग्रवानगी, तालुका जाट, जिला मंगंकी (महाराष्ट्र) मोक प्रतिनिश्चित्व अधिनियम, 1951 तथा तव्धीच क्षंण पेए नियमो द्वांण प्रमेशित ग्रपने निर्वाचन व्ययो को कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं ;

त्रीर यतः, उक्त उम्मीजवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पं॰ भी, इस भसकत्ता के लिए कोई कारण भ्रथका स्फर्टाकरण नहीं दिवा है और निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भनकत्त्र के लिए कोई पर्यात कारण या त्यावीचिरक नहीं है ,

भतः भवं। उसते प्रशिविधान की धारा 10-क के प्रानुसरण में निर्विधान प्रायोग एंत्रदृष्टारा उसते जी तीराने विधान का ना को संस्थ के किसी की सवन के पा किसी राज्य की विधान भभी प्रणया विस्तान परिषद् के सर्वेस्पर कुने जाने भीर होने के लिए इस प्रावेश की नारील से तीन वर्ष की किलांग विधान के लिए निर्महत घोषिन करता है।

[सं॰ महा॰ वि॰ स॰/276/80 (79)]

O.N. 670. Wheteas the Election Commission is satisfied that Shri Torane Digarder Nana, At & Post Awandhi, Tal. Jat, District Sangli, Maharashtra, a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 276-Jat (SC) constituency, has fulled to lodger an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candulate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good-reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said let, the Election Commission hereby declares the said Shri Toranc Digamber Nand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either Home of Parliament of of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/276/80(79)]

नई विल्ली, 22 मई, 1981

भा० अ० 671 — जनः, निर्माणनः श्रीवाये का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए सन्ध प्रवेश विधानः समा के लिए साधारण निर्धानिक के लिए साधारण निर्धानिक के लिए स्वत्र क्ष्मार (अ० जा०) निर्धानिक के प्रकार निर्धा निर्धा क्ष्मार, ग्राम व पाँ सरकनपुर, जिला टीक्स कहार प्रमाणन स्वाप सरकनपुर, जिला टीक्स कहार (मध्य प्रवेश) लोक -प्रमितिधिरक धाँविनियमः 1951 निर्धा सर्धिक का कोई की निर्धा वादिल करने से प्रमाणन रहे हैं

ग्रीर यम , उस्त उम्मीतवार ने, सम्प्रक स्वनाः दिए जा। पर भी, इस असफलकाशके लिए वीडि कॅमिण 'कंबेवा म्ल्टीकरण 'नहीं दिया है और निवासक आकोक कर समाधार्थ हो गया है कि उसके पास हम अवस्ते के लिए कोई पर्याप्त कारण 'या स्थापीकिश्वे नहीं है मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्विचन आयोग एतद्द्वारा उक्तें श्री भुरदेशा चमार को संमद के किसी भी संदन के या किसी राज्य की विधान सभा अर्थेषा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/45/80 (87)]

New Delhi, the 22nd May, 1981

O.N. 671.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhuriya Chamar, Village and Post Sarkanpur, District Tikamgarh (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 45-Kharagpur (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Comission hereby declares the said Shri Dhuriya Chamar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/45/80(87)]

भार थं० 672.—गत, निर्विचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक मना महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 7- बर्ग्बई उत्तर पूर्व निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार थी वसंत उंडे, उंडे निवास, महाराष्ट्र नगर, भांडूप (पिच्चमी) बम्बई-400078 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हार्रा अपेक्षिन अपने निर्वाचन क्यार्यी का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

स्रीर यतः, उनत उम्मीदवार ने, लम्यक सचना दिए जांने पर भो, इस ग्रसफलता के लिए कीई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रत. श्रव, उवत श्रधिनियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उवत श्री वंसन उंहे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और हं ने के लिए इस श्राहेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन बोधित करता है।

[मं० महा-लो० स०/7/80 (50 )]

O.N. 672.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Vasant Unde, Unde Niwas, Maharashtra Nagar, Bhandup (West) Bombay-400078 a contesting candidate for general election to the Maharashtra Lok Sabha held in January 1980 from 7-Bombay North East Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Comission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Comission hereby declares the said Shri Vasant Unde to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-HP/7/80 (50)]

## नई किली, 21 मई, 1981

आ अं अं 672 - -यतः, निवंचिन श्रीयीग की समाधान ही गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन की लिए हो -उनियारा निर्वाचन-सिंग्न में चुनाव लेड़ने वाले उम्मीदवार श्री जमना लाल मीना, ग्राम श्रीनगर, पंचायत रानीपुरा, तहसील उनियारा, जिला टींक (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व ग्रेधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित ग्रंपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रवफल रहे हैं ;

श्रौर यतः, उक्त उम्मोदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भा, इस अमफलतः के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं।दरा है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यावीचित्य नहीं है ;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त शो जमता लाल मीनों को संसद के किसी भी सदन के या किसो राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मदस्थ चृने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश को तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन घोषिन करता है।

[स॰ राज-वि॰ स॰/91/80 (67)]

## New Delhi, the 21st May, 1981

O.N. 673.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jamna Lal Meena, Village-Srinagar, Panchayat-Ranipura, Tehsil-Uniyara, District-Tonk (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 91-Uniara constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jamna Lal Meena to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/91/80 (67)]

आ० अ० 674 -थनः, निर्वोचन यायोग का समाधान हो गरा है के मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान संभा के लिए साप्रारण निर्वाचन के लिए 195-नावा निर्वाचन-भेव से बनाव लड़ने वाले उप्मीदवार श्री जवाहरा राम, प्राम खोखर, तहसोल परवनसर, जिला नागौर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनाम, 1951 नथा तद्धीन बनाए एए निए ऐं उप्पा श्रीक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन स्थाों का लेखा दाखिल करने एं अन् जन रहे हैं ;

श्रीर यत', उक्त उस्मीरकार ने, सम्यक स्वना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथवा स्वधीकरण नहीं दिशा है श्रीर निर्वाचन श्राशोग का समाश्रान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पंत्रीन कारण या नाशीचिंता नहीं है,

श्रंतः प्रव, उक्त श्रंधितियम की धारा 10-क के श्रृक्तरण में निर्वाचन श्रायोग एनट्डान उक्त श्री जवाहरा राम को ससद किसी भा सदन के बी किसी राज्य की विद्यान समा राथवा विद्यान परिवद् के मदस्य चने जीने श्रीर होंने के लिए इस श्रादेश की नारीख मे तीन वर्ष की कालाबंधि है निए निर्राहत घोषित करता है।

सिं रोज-विं सं0/195/80 (A8)

O.N. 674.—Whereas the lEection Commission is satisfied that Shri Jawahara Ram, Village-Khokhar, Tehsil-Parbatsar, Distinct-Nagaur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 195-Nawan constituency, has failed a lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jawahara Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/195/80(68)]

## नई दिल्ली, 22 मई, 1981

आ॰ अ॰ ६७.5.—यतः, तिर्याचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए सामारण निर्वाचन के लिए 33-धोद निर्वाचन-धौद्ध से चुनाव लड़ने वाले उम्मीददार को प्रहलाद राय, ग्राम व भो॰ दुर्शाली, जिला सीकर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व श्राधिनियम, 1951 तथा तद्भीन बनाएगए नियमों द्वारा श्रवेकिन श्राने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाविल करने में श्रमफल रहे हैं ;

ग्रीर यतः, उकत उम्मीधवार ने, सम्यक सूलता दिए जाने मो, इश ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टाकरण नहीं विया है भीर निवालन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्यात कारण या न्यायीजिध्य नहीं है ;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्धारा उक्त श्री प्रहलाद शय को ससव के किसा भी सदन के या किसा राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिवद् के सवस्य जुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वध की कालावधि के लिए निर्दाहत घोषित करता है।

[सं० राज-वि० स०/33/80 (69)]

#### New Delhi, the 22nd May, 1981

O.N. 675.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prahlad Rai, Village and Post Gugoli, District Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 33-Dhod constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prahlad Rai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/33/80(69)]

का अ 676.—यतः, निर्वाचन घ्रायोग का समाघान हो गया है कि मई, 1981 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उ3-धोव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नियाण सिंह, ग्राम व पो० सेवववड़ी, जिला सीकर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित भपने निर्वाचन ब्यायों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का सभाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है।

भतः भवं, उक्त अधिनयम की घारा 10-क के भनुसरण मे निर्वाधन भागोग एमब्ह्वारा उक्त श्री सियाण मिह को गंमव् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के मदस्य खुने जाने श्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्दाहत घोषित करता है।

[सं॰ राज-बि॰ स॰/33/80(70)]

O.N. 676.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Siyan Singh, Village and Post Sewadbadi, District Sikar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 33-Dhod constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Siyan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/33/80(70)]

## नई दिल्ली, 23 मई, 1981

आ अ 677.—यत, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 169—रेवदार (अ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री खांबा, वासन, तहसील रेवदार, जिला सिरोही (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व धिर्मित्यम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धसफल रहे हैं:

भौर यतः, उनतं उम्मीदवार ने, सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस मसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचिन्य नही है;

श्रतः श्रव, उक्त श्राधितयम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री श्रांशा को संसद् के किसी श्री सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सब स्य खुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत शोषित करता है।

[सं० राज०वि० म०/169/80(71)]

## New Delhi, the 23rd May, 1981

O.N. 677.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Amba, Basan, Tehsil Reodar, District Sirohi (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 169-Reodar (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Amba to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this older.

[No. RJ-LA/169/80(71)]

आं अं अं 678.- - - यतः, निर्वाचन क्र. योग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के निए साधारण निर्वाचन के लिए 187- बिलाझा निर्वाचन के से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मोहनलाल श्रीधरी (जाट) खरिना मीठापुर, तहसील बिलाझा, जिला जोधपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा भवेशित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धमफल रहे है;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक्ष सूचना विए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण भश्रवा स्पष्टीकरण मही विया है भौर निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि उसके पाग इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नहीं है

धनः ध्रव, उक्त ध्रधिनियमं की धारा 10-क के धनुसरण में निवांचन ध्रायोग एनवृह्यारा उक्त श्री मोहनलाल चौधरी (आट) की समद के किमी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ध्रीर होने के लिए इस ध्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन बोधित करता है।

[सं० राज वि• स०/18क/80(72)]

O.N. 678.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohan Lal Chaudhury (Jat), Khariya Mithapur, Tehsil Bilara- District Jodhpur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 187-Bilara constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohan Lal Chaudhary (Jat) to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/187/80(72)]

मां० अं० 679'-यत, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 190-फलौदी, निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मन्यनारायण ब्यास, श्री ब्यास अर्थवेदक भवन, खाण्डा फलमा बोड, जोधपुर, जिला जोधपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्षित ध्रपते निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रमकल रहे है;

और यत, उक्त उम्मीववार ने. सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रमफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है:

भनः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री मत्यनारायण ब्याम, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्स्टित घोषिन करना है।

[सं० राज⊸वि० म०/190/80( 73)]

O.N. 679.—Whereas the Election Commission is satisthat Shri Satya Narain Vyas, Shri Vyas Ayurved Bhawan, Khanda Phalasa Road, Jodhpur, District Jodhpur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 190-Phalodi constituency has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has no given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Satya Natain Vyas to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. RJ-IA|190|80(73)]

नई दिल्ली, 25 मई, 1981

आ० अ० 680:— यतः, निर्वाचन ग्रामोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान मधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103-बेड्बरहमा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री निर्वामा सोमाधाई बालजीभाई ग्राम नया पोस्ट बेजपुर, तालुका भिलवाड़ा, जिला सबरकान्ता, गुजरान लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तर्धिन वनाए गए नियमों द्वारा ध्रीधित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए आने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायीजिस्य नही है;

चतः अय, उयन ध्रधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री निमामा सोमाभाई वालजीभाई को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य बुने जाने धौर होने के लिए इस धादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन बोधित करता है।

> [मं० गुज० वि० म०/103/80(59)] \_

धर्मबीर, श्रवर संजिब

New Delhi, the 25th May, 1981

O.N. 680.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ninama Somabhai Valjibhai, Vil. and Post-Vejpur, Taluka-Bhiloda, District Sabarkantha (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 103-Khebrahma constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ninama Somabhai Valjibhai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of his order.

[No. GJ-JA/103/80(59)]

DHARAM VIR, Under Secy.

## नई विल्ली, 20 मई, 1981

कार अरु 681.—लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा पदल्य णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन प्रायोग, महाराष्ट्रा सरकार के परामर्थ से श्री बीठ केठ हालवे के छुट्टी चले जाने पर श्री धारठहीठ रानाहे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन श्रीधकारी को उनके कार्यभार सम्भालने की तारीख से जब तक श्री बीठकेठ हालवे जो छुट्टी पर है पुनः श्रपना कार्यभार संभाल नहीं लेने तब तक महाराष्ट्र राज्य के मुख्य निर्वाचन श्रीक्रकारी के छुप में एत्यद्वारा नाम निर्देशित करना है।

## New Delhi, 20 May, 1981

O.N. 681.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Maharashtra hereby nominates Shri R. D. Ranadive, John Chief Electoral Officer, Maharashtra as the Chief Electoral Officer for the State of Maharashtra with effect from the date he takes over charge and un il Shri B. K. Halve, on leave, rejoins duty.

[No. 154|MT|81]

आ० अ० 682. — लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन प्रायोग, सिक्किम सरकार के परामर्थ की श्री डी०के० मनावलन के स्थान पर श्री एस०पी० प्रधान युख्य सिचिव, निक्किम का दिनोक 30 श्रप्रैल, 1981 ग्रमले प्रावेगों तक सिकिस राज्य के सुख्य निर्वाचन श्रिधकारी के रूप में एतद्वारा नाम निर्देर्गित करता है।

[स॰ 154/मिकिम/81]

O.N. 682.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the people Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Sikkim hereby nominates Shri M. P. Pradhan, Chief Secretary to the Government of Sikkim, as the Chief Election Officer for the State of Sikkim with effect from 30th April, 1981, and until further orders vice Shri D. K. Manavalan.

[No. 154/SKM/81]

आर अर 683.—लोक प्रतिनिधत्व यिधिनयम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (१) द्वारा प्रवत्त स्वितयों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन भायोग, तामिलभाषु सरकार के परामर्श से श्री डी० के० भोझा के छुट्टी जाने पर श्री एस० गणेशन, उप सचिव, तामिल नाहु सरकार को उनके कार्य भार सम्भालने की तारीख से जब तक श्री डी० के० भाझा जो खुट्टी पर है पुन ग्रपना कार्यभार संभाल नहीं लेते तब तक तामिलनाडु राज्य के मुख्य निर्वाचन श्रीधकारी के क्य में एतक्षारा नामनिर्देणित करना है।

[स॰ 154/नामिलना**ड्/**81]

O.N. 683.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Tamil Nadu hereby nominates Shri S. Ganesan, Deputy Chief Electoral Officer and Deputy Secretary to the Government as the Chief Electoral Officer for the State of Tamil Nadu with effect from the date he takes over charge and until Shri D.K. Oza, who is on leave, rejoins duy.

[No. 154/TN/81]

नई विख्ली, 28 मई, 1981

अ ० अ० 684 — नांक प्रतिविधित्व प्रिवितियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-कं की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन श्रायोग, मणिपुर सरकार के परामर्थ से मिंबन, मणिपुर सरकार श्री ए० एच० चौधरी, प्राई०ए०एस०, को उनके कार्यभार समालने की तारीख से अगले आदेणों तक मणिपुर राज्य के मुख्य निर्वाचन श्रीधकारी के रूप मे एनव्शारा नाम निर्वेशित करता है। [सं० 154/मणिपुर/81]

भावेश से,

के० गणेशन, सचिव

#### New Delhi, the 28th May, 1981

O.N. 684.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Manipur hereby nominates Shri AH. Chowdhury, I.A.S., Secretary to Government of Manipur as the Chief Electoral Officer for the State of Manipur with effect from the date he takes over charge and until further orders

[No. 154/MR/81]

By order,

K. GANESAN, Secy.

## संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात का कार्यालय (केग्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

नई दिल्ली, 18 फ वरी, 1981

## निरस्त भावेश

श्री० श्र० 685.---मैंसर्सं० इन्डियन ग्रह्युमीनियम कैंबर्स नई दिल्ली को एक ग्रायास का० सं० एल/एफ/2867789/सी/20/73/बी/79 दि० 15-11-79 घास्ते 988327/-रु० का जारी किया गया था ग्रीर तत्पत्वांत इसे ग्रायान-न्यापार नियंत्रण ग्रादेश 1955 की धारा 5(3) (1) के शंतर्गर मैंसर्स चिनार एक्सपोर्ट्म प्रा० लि० नई दिल्ली जी एक एक्पोर्ट-हाऊस है, को हस्तास्तरित किया गया था स्था यह प्रशैत/मार्च 1980 के ग्रत्नंत कि ग्रीर हाई कार्बन स्टील व्यायर राड (४० 98,832/-तक) 2. श्रह्युमीनियम के ग्रायात के लिए दिया गया था।

एक्सपोर्ट हाऊस जो इस लाइसेंस के अधिग्रहण कर्ता है ने सूचित किया है कि उपरोक्त लाइसेंस की कस्टम काणी, बाकी राशि 728528/द० का इस्तेमाल किए बगैर उनके क्लीयरिंग-एजेन्ट द्वारा खो गई है। उपरोक्त कथन के समर्थन में एक्सपोर्ट्स-होऊस ने एक शायथ पत्र श्रायाल नियति संबंधी कार्यविध-पुस्तिका 1980-81 के पैरा 334 के श्रक्ति प्रस्तुत किया है। ग्रतः मैं सन्तुप्ट हं कि उपरोक्त श्रायात-पाइसेंस की पूल कस्टम हेतु कापी खो गई है।

श्राः भ्रायान-व्यापार नियक्षण श्रादेश 1955 दि  $\sigma$  7-12-55 (यया सर्गाधिक) की धारा (9सी०सी०) में प्रदल्म श्रिकारों का प्रयोग करने हुए मे उपरोक्त का० सं० पी० एक/2867789 सी/20/73/डी०/79 दि  $\sigma$  15-11-79 की निरम्ल करने का श्रादेश देश है।

श्रव उक्त फर्म इस लाइसंस की कस्टम हेतु कापी की धनुलिपि (डूप-लीकेट) कापी आयाय-निर्मात कार्यीविधि-पुस्तिका 1980-81 के पैरा 353 और 354 के संतर्गत जारी की आएगी।

[म० इंजि०-3/भन्नेल-80/ई०पी०/माई०डी:०ए०/सीएमए/585)]

एस० एल० चौहान,

उपमुख्य नियंत्रक, ग्रायान-नियंति

कृते संयुक्त म्डय नियंत्रकः, श्रायास-नियान

# OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

CLA.

New Delhi, the 18th February, 1981

## CANCELLATION ORDERS

O.N 685.—Import licence No P|L|2867789|C|XX|73|D|79 dated 15 11-79 for Rs 9,88,327 was issued in the name of M/s The Indian Aluminium Cables Ltd., New Delhi and subsequently transferred in the name of export House viz, M/s Chinar Exports (P) Ltd., New Delhi under clause 5(3)(1) of the Imports (Control) Older, 1955 for import of 1 Zinc and High Carbon Sieel Wire Rods (upto Rs 98,832) and 2 Aluminium as per April|March' 80 Policy

The Export House, who is the holder of the licence, has stated that the Custom Purpose Copy of the original licence has been lost misplaced by their cleaning agents without having been utilised the balance of Rs. 7,28,528. In support of their above statement, the Export House has produced an affidavit as per provision under in Para 334 of the Hand Book

of Imports Exports Procedures 1980-81 I am satisfied that the original Customs Purposes Copy of the above original licence No. P|L|2867789|C|XX|73|D|79 dated 15-11-1979 has been lost|misplaced by the firm.

In exercise of the powers conferred on me under Clause 9(cc) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 is amended, I hereby order the cancellation of the original Custom Purposes Copy of the licence No P|L|2867789|C|XX|73|D|79 daed 15-11-79

As duplicate licence of Customs Purposes Copy will be issued to the firm in accordance, with provisions in Paias 353 and 354 of the Hand Book of Import Export Procedures 1980 81

[No Engg 3|April'80|EP|IDA|CLA|585]

S L CHOHAN,

Dy Chief Controller of Imports and Exports. for J1 Chief Conroller of Imports and Exports



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई विल्ली, शमिवार, जून 27, 1981/ग्राचाढ़ 6, 1903

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 27, 1981/ASADHA 6, 1903

इस भाग में शिम्न पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग П—क्षण्ड 3—उप-क्षण्ड (iii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संब राज्यतेत्र प्रशासनों की छोड़ कर) हेन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए छए आदेश भीव अधिभूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

## मुद्रण भिवेशालय

नई दिल्ली, 15 मई, 1981

भारकार 704.—मुद्रण निवेशक ने श्री पी०भार० रामचन्द्रन नैयर को विनाक 8 मप्रैल, 1981 के मपराहुन से मगले भादेश होने तक ६० 840-40-1000-व०रो०-40-1200 के वेतनमान में भारत सरकार मुद्रणालय, कोरट्टी में उप प्रवस्थक (फोटोलियो) के पद पर स्थानापस्र रूप में नियक्त किया है।

[सं॰ एन॰ (19)/प्रशा॰ ए॰ II]

हरीश जन्द्र मंगी, उप निवेशक (प्रशासन)

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 15th May, 1981

O.N. 704.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri P. R. Ramachandran Nair to officiate as Deputy Manager (Photo Litho), in the Govt. of India Press, Koratty in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 8th April, 1981, until further orders.

[No. 21/8/80-A1I]

H. C. SHARMA, Dy. Director (Admn.)

## भारत निर्वाचन आयोग

#### मादेश

नई विल्ली, 1 धप्रैल, 1981

भा०अ० 705.—यसः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान मभा के लिए साधारण निर्वाचन 317 GI/81—1

के लिए 170-बिहपुर निर्वाचन-शेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री किशोर कुमार यादध, ग्रा० पो० बिहपुर, थाना बिहपुर जिला भागलपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहें हैं,

श्रीर यतः, जकत जम्मीदबार ने, जमे सम्यक सूचना बिए जाने पर भी भ्रपनी उस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भयवा स्तब्धीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोषिस्य मही है;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के भनुभरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री किशोर कुमार यादव को समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिपद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत घोषित करना है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰/170/80(42)]

#### **ELECTION COMMISSION OF INDIA**

#### **ORDERS**

New Delhi, the 1st April, 1981

O.N. 705.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishore Kumar Yadav, Vill & P.O. Bihpur, P.S. Bihpur, Distt. Bhagalpur, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar, Legislative Assembly from 70-Bihpur constituency, held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the

(421)

Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Kishore Kumar Yaday to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a Slate for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/170/80(42)]

चा॰ घ॰ 706.—मतः निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए ताधारण निर्वाचन के लिए ताधारण निर्वाचन के लिए 170-बिहपुर निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री सीलाराम सिंह प्राजाव, ग्राम वयालपुर, पो॰ झंडापुर, जिला धारालपुर, बिहार लोक प्रतिनिधिक्त प्रधिनियम, 1951 मधा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उकत उम्मीवनार ने, उसे सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी श्रपनी उस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग, का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त करण या न्यायोचित्य मही हैं;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री सीताराम मिह आजाद को संमव के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिपद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविश्व के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/170/80/(43)]

O.N. 706.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sita Ram Singh Azad, Vill. Dayalpur, P.O. Jhandapur, Distt. Bhagalpur, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 170-Bihpur constituency held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the people Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good leason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A, of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sita Ram Singh Azad, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/170/80(43)]

कां कं 707.— यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 170-बिहपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उम्भीदवार श्री विशेष्वर यादव. शाम उसमानपुर, पो० खरिक बाजार, जिला भागलपुर, बिहार लोक प्रतिनिधिस्व मधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपनै निर्वाचन व्ययों का लेखा वाजिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

भौर, यत. उक्त उम्मीववार ते, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी भाषनी उस भासफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भौर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है उसके पाम इस भासफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है।

श्रतः भ्रम, उक्न अधिनियम की धारा 10-क के ग्रामुमरण में निर्योचन भाषोन एतब्दारा एक्त भी विशेष्यर याच्य को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रायवा निधान परिषद के सबस्य चुने जाने झौर होने के लिए इस झावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहन घोषित करना है।

सिं० बिहार-वि० स०/170/80/(44)]

O.N. 707.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Visheshbar Yadav, Vill Usmanpur, P. O. Kharik Bihpur constituency, held in May, 1980 has failed to lodge an tal election to the Bihar Legislative Assembly held rom 170-Bhipur constituency, held in May, 1980 has failed to ledge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Visheshbar Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/170/80 (44)]

ध्या० था० १० 8. — यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 170-बिहपुर निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रफीक उदीन मतवाला, ग्राम पो० व थामा, बिहपुर जिला भागलपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित रीति से ग्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक भूषमा दिए जाने पर भी भ्रपनी उस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है,

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एन इड़ारा उक्त श्री रफीक उद्दीम मनवाला को समद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तिन वर्ष की कालावधि के लिए निर्मात करना है।

[सं० बिहार-वि०म०/170/80/(45)]

O.N. 708.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rafique Uddin-Matawala Vill. & P.O. Bihpur, P. S. Bihpur, Distt. Bhagalpur, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in from 170-Bihpur constituency, held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Rafique-Uddin-Matawala to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/170/80 (45)]

नई विरुखीं, 28 अप्रैल, 1981

आं०अ॰ 709.—-मत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साक्षारण निर्वाचन के लिए 108-चेरिया परियारपुर निर्वाचन-क्षेत्र में चूनाव लड़ने बाले जम्मीदवार श्री पोशन यादन, धाना व पी० कुम्मी, जिला बेगुसराय, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो ब्रारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों कोई भी लेखा वास्त्रिल करने मे समफल रहे हैं,

भौर, यत', उक्त जम्मीदबार ने, उसे सम्यक सूचना विए जाने पर भी भपनी उस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भौर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य मही है;

श्रतः स्रव, उक्त स्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन स्रायोग एतवढ़ारा उक्त श्री पोणन यावव को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा स्रथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस स्रवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषिन करता है।

[सं विहार-वि०स०/108/80(52)

#### New Delhi, the 28th April, 1981

O.N. 709.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Poshan Yadav vill. & P.O. Kumbhi, Distt. Begusarai, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 108-Chena Bariarpur constituency held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Poshan Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/108/80 (52)]

कांश्वा 710.—यतः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए किहार विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए
109-बखरी (ग्रन्जान) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीववार
श्री भूकेंग्वर वास, ग्राम व पोन्न वन्द्ररी बाजार, जिला देगुसराय, बिहार
छोक प्रतिनिधिस्व ग्रिशिनयम, 1951 लया तब्धीन बनाए गए नियमों
द्वारा ग्रिशिस ग्रुपने निर्वाचन क्यायों का कोई भी लेखा दाखिल करने में
ग्रासफल रहें हैं;

और, मतः, उक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्यक सूचना थिए जाने पर भी भपनी उस ग्रसकलना के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण मही दिया है, और निर्वाचन भाषीन का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त करण या ग्यायोचित्य नहीं है,

श्रतः, श्रम, उक्त श्रिशिन्सम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री भूणेक्वर दास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की बिधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देशित घोषिस करता है।

[सं विहार-विवसः | 109/80/(53)]

O.N. 710.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhuneshwar Das, Vill. Bakhri Bazar, P. O. Bakhri Bazar, Distt. Begmarai, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 109-Bakhri (SC) constituency, held in May, 1980 has failed to lodge an

account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made throunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any teason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Bhuneshwan Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/109/80 (53)]

नई विरुली, 29 अप्रैस, 1981

आ०थ० 711.—यन, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 106-बरोनी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रावणेश्वर दत्त, क्राम व पो० बरोनी ह्योदी, जिला बेगूसराय, बिहार लोक प्रतिनिधित्व धर्धिनियम, 1951 सथा तपधीन बनाए गए नियमों हारा ध्रपेक्षित ध्रपने निर्वाचन स्मां का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रसफल रहें है;

भौर, यत', अभ्य उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विए जाने पर भी भपनी उस स्रसफलता के लिए कोई कारण प्रचवा स्पष्टीकरण कही विया है, भौर निविधन धायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस स्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत. अब उक्त ध्रधिनियम की धारा 10-क के ध्रमुसरण में निर्वाचन ध्रायोग एतदब्राग उक्त श्री रावणेश्वर दक्त को संसद के किसी भी संदर्व के या किसी राज्य की विद्यान सभा ध्रथवा विद्यान परिषद् के सदस्थ चुने जाने धीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीम वर्ष की कालाविद्य के लिए निरहित घोषित करता है।

> [स॰ बिहार-वि॰स॰/106/80(54)] एस॰ सी॰ जैन, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 29th April, 1981

O.N. 711.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rabneshwar Dutt, vill. & P. O. Barauni Deudhi, Distr. Begusarai, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 106-Barauni constituency held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Rabneshwar Dutt to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. Br-LA/106/80 (54) ]

S. C. JAIN, Under Secv.

भावेश

नई विरुली, 22 मई, 1981

आ अ 712. पिता निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मर्ब, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 25-पोहरी निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री जगदीण प्रमाद वर्मा हरगोविन्द, प्राम गोवरा, पौ० नदीरा, जिला सिवपुरी (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा हदधीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रवेशिन रीति से अपने निर्वाचन ध्यवों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रस्तान रहे है.

भौर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्मक सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रस्कलता के लिए कोई कारण भ्रथका स्पब्दीकरण मही दिया है भौर विविचिम भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसकनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या म्थायोचित्य नहीं है;

धतः ग्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्धारा उक्त श्री जगदीश प्रसाद वर्मा हरगोविन्द को संसर के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰म॰/25/80(90)]

#### **ORDERS**

New Delhi, the 22nd May, 1981

O.N. 712.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Prasad Varma Hargovind, Village Govara, P. O. Nadira, District Shivpuri (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 25-Pohri constituency, has fatted to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Prasad Varma Hargovind to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from this order.

[No. MP-LA/25/80 (90)]

## नई दिल्ली, 23 मई, 1981

भा० भ० 713.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 92-टोडारायसिंह निर्वाचन-भेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार भी श्रवण, पुत्र बालू रेगर, निवासी टोडारायसिंह, जिला टांक (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असकल रहे हैं;

भीर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा विए गए मध्यावेदन पर विभार करने के पश्चात् निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसकतना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उन्त श्रीधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उन्त श्री श्रवण को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषव् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत बोषित करता है।

[सं० राज०-वि०स०/92/80/(76)]

New Delhi, the 23rd May, 1981

O.N. 713.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sarwan, S/o Balu Regar, Resident of Todaraisingh, District Tonk (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 92-Todaraisingh Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure; Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sarwan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/92/80(76)]

#### नई दिस्सी, 25 मई, 1981

भा० भ० 714.—पतः, निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 280-खालेगांव निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगर सिंह पावव, 4 मल्हार गंज, इन्दौर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रणेकित भ्रपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उसत उम्मीदवार ने, सम्भक्त सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन श्रायोग का समाधास हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उपत श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनवद्वारा उक्त श्री श्रमर सिंह यादन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्रान सभा श्रथना विश्रान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारी सि से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित पौषित करता है।

[मं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/280/80(88)]

#### New Delhi, the 25th May, 1981

O.N. 714.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Amar Singh Yadav, 4 Malharganj, Indore (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 280-Khategaon constituency, has falled to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or jurisdiction for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Amar Singh Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/280/80(88)]

## मई **दिल्ली, 27 मई, 1981**

आ०थ० 715.—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि
1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान समा के लिए साधारण निर्धाचन के
लिए 175-बोरेन्द्र मगर निर्वाचन-केंद्र से चुनाच सड़ने बाले जम्मीदवार
भी लाल कप्तान लाल पुलस्त्य, प्राम पो० ठाकुरटोला जिला राजनीयगांव (म०प्र०) लोक प्रतिनिधित्व मिवनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए
गए नियमों द्वारा भ्रमेक्षित भ्रमने निर्वाचन भ्र्ययों का कोई भी लेखा
वाविल करने में भ्रमेकल रहे हैं;

धौर यतः, जनत उम्मीवनार में, सम्मन भूनना विए जाने पर भी, इस मसकलता के लिए कोई कारण मधना स्पन्टीकरण, नहीं विमा है भीर निर्वाचन भाषीग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस मसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोभित्य नहीं है; घर सन, उस मांबितियर को घारा 10-क के मनुपरण में निर्वावित भाषोग एतद्वारा उनन श्री लाल कप्तान साल पुलस्तम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस म्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्देशन घोषित करना है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/175/80(94)]

## New Delhi, the 27th May, 1981

O.N. 715.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri I al Kaptan Lal Pulstya, Village and Post Thakurtola, District Rajnandgoan (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 175-Birendranagar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the sald candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Lal Kaptan Lal Pulstya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/175/80(94)]

#### मई विख्ली 28 मई, 1981

आ अ जिं ति .— यनः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान मधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 92-डोजारायांसह निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नारायण नाथ पुत्र किथान माथ, नवरंग मार्वल स्टोन, ग्राम व पो० उमर, नहसील हिण्डोली, जिला बूंबी (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तव्धीन यनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में अमकल रहे है,

भौर यतः, उनत जम्मीदनार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पट्टीकरण नहीं दिया है घौर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस घमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

श्रतः, श्रयः, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतपुद्धारा उक्त श्री भारायण नाथ, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारील से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषित करता है।

[सं॰ राज॰-वि॰म॰/92/80) (77)]

#### New Delhi, the 28th May, 1981

O.N. 716.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narayan Nath, S/o Shri Kishan Nath, Navrang Marble Stone, Village and Post Umar, Tehsil Hindoli, District Bundi (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 92-Todaraising constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Narayan Nath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or

of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/92/80(77)]

आं अं 717 -- यत् , निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान निर्धान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 92-टोबारार्यासह निर्वाचन-भेन्न से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरजी राम, पुन्न केमरा गूजर, कपड़े की बुकान, ग्राम व पोस्ट दूनी, तहसील देवली, जिला टोक (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व 'द्राधिनियम, 1951 सथा तद्धीन यनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में घमफल रहे हैं;

ग्रीर यत, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना विए आने पर भी, इस असफलता की लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माचन आयोग का समाधान हो गया है को उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायो चित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एसद्द्वारा उक्त श्री हरीराम की संसद के किसी भी सदन वे या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करता है।

[सं० राज०-वि०स०/92/80(78)]

O.N. 717.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harjee Ram, S/o. Shri Kashra Gujar, Cloth Shop, Village Duni, Post Duni, Tehsil Develi, District Tonk (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 92-Todaraising constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Shri Harjee Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/92/80(78)]

आं अ 718---यतः, निर्वाचन श्र.योग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 94-किशनगढ़ निर्याचन-केन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामेश्वर लाल, धानमण्डी, मदनगंज, जिला ग्रजमेर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीकृति रीति से श्रपने निर्याचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

घोर यतः, उक्त उम्मीववार ने सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस घ्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण महीं वियः है घोर निविचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायोजिस्य नहीं है;

श्रतः, श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री रामेश्वर लाल को संसव के किसी भी सदन के किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेण तारीख से तीम वर्ष की कालावधि के लिए। निर्मृत धोषित करता है।

[मं० राज०-वि०स०/94/80(79)]

O.N. 718.—Whereas the Election Commission is satisfied that Srhi Rameahwar Lal, Dhanmandi, Madanganj, District Ajmer (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 94-Kishangarh constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rameshwar Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/94/80(79]

आंबार 219. —यतः, निर्वाचन झायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 140-राजसमन्द (ग्रव्जाव) निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदमार श्री भागीरथ, पुत्र श्री वन्तावर मल, चान्त्रपोल बाहुर, कांकरोली, जिला उदयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्जीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रेपेक्षत समय के श्रन्थर तथा रीति से श्रुपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में अनक्षत रहे है;

भीर, यतः, उक्न उम्मीदवार द्वारा दिए गए भ्रष्ट्यावेदन पर विकार करने के पश्चात् निविचन भायोम का यह भी समाधान हो गवा है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिक्ष्य मही है;

भ्रतः, ग्रम्, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एन द्वारा उक्त श्री भागीरथ को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने गों होने के लिए इस भ्रावेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषित करना है।

[सं० राज-वि०स०/140/80(80)]

Q.N. 719.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagirath, S/o Shri Vaktawar Mal, outside Chandpole, Kankroli District Udaipur (Rajasthan), contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 140-Rajsmand (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the fallure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagirath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/140/80(80)]

कार्यं 720. — यत, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 146-बोरवाड़ा (अ०ज०जा०) निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भी मना लाल, मांव क्षीकचास, पोस्ट ढीकवास, तहसील खेरवाड़ा जिला उध्यपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनिधम, 1951 सभा तव्धीन बनाए गए नियमों हारा अपेक्षित अपने भिर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करमें में असफल रहे है;

श्रीर यतः, उस्त उम्मीवबार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विद्याः है श्रीर निर्वाचन भ्रयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यययोजित्य नहीं है;

श्रनः श्रव, उक्त श्रीधियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाधन श्रायोग एनद्द्रारा उक्त श्री मनालाल को संसद के किमी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा श्रयला विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[म॰ रा०-वि॰स॰/146/80(81)]

O.N. 720—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mana Lal, Village Dhikwas, Post Dhikwas, Tehsik Kherwara, District Udaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 146-Kherwara (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the fallure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A, of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mana Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/146/80(81)]

आंश्मार 721. — यतः, निर्वाचन प्राचीम का समाधान हो नया है कि मई, 1980 में हुए मह.र.ष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 86-शिरपुर निर्वाचन-केन्न से जुनाव शड़ने न.से उम्मीदवार सीताराम निश्नाम माली, नरवाड़े, पोस्ट तथा तालुका णिरपुर, जिला धले (महाराष्ट्र), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रवेकित ध्रवने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ध्रसक्त रहे हैं;

शौर यत', उनत उम्मीवबार ने सम्यक सूचना विए जाने घर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्वव्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरणं में निर्काचन आयोग एतव्दारा उक्त श्री सीताराम विश्वाम मासी को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कलावधि के लिए निर्राहित योखित करता है।

सिं महा-वि • स • / 86/80/(80)]

O.N. 721.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sitaram Vishram Mall, At Warwade, Post and Taluka Shirpur. District Dhule (Maharashira), a contesting candidate for general election to the Maharashira Legislative Assembly held in May, 1980 from 86-Shirpur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

Sitaram Vishram Mall to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/86/80(80)]

भा० अ० 722 — यत निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए साधारण निर्वाचन के लिए सिंहा निर्वाचन के लिए सिंहा निर्वाचन श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह, गांव व पो० वैकुण्डपुर, जिला रीवा (मध्य प्रदेण) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं :

भीर यन उक्न उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्यान कारण या न्यायीचिन्य नहीं है ;

भ्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनिथम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री नरेन्द्र प्रनाप मिंह को संमद के किसी भी भरता या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य भुने जाने सौर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख में नीत वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत बोपिय करता है।

[ मं० म०प्र०-वि०स०/68/80(91)]

O.N. 722.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narendra Pratap Singh, Village and Post Baikunthpur, District Rewa (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 68-Mangawan constituency has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Narendra Pratap Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/68/80(91)]

आर अर 723 — यत, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान नभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-रीवा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गम करण सिंह, ग्राम व पो० ग्रमवा, रीवा, जिला रीवा (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाज्ञिल करने मे असफल रहे है ;

भौर यत, जनन जम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस असफलना के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायीचित्य नहीं है;

भन भव, उक्त घिधिनियम की धारा 10-क के ध्रन्मरण में निर्वाचन घायोग एतद्वारा उक्त श्री राम करण मिह को ससद के किसी भी सबत के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य पुने जाने घीर होने के लिए एस घादेण की नारीय में नीन वर्ष की कालायिध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[स॰ म॰प्र॰-त्रि॰ स॰/६६/८०(१२)]

O.N. 723.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Karan Singh, Village and Fost, Ambah, Rewa, District-Rewa (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 66-Rewa constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Karan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/66/80(92)]

आ० अ० 724.---यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-रीवा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय सड़ने वाले उम्मीदवार श्री हाजी शाहबानुल हक, श्रमहिया, रीया, जिला रीवा (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन सपने मिर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफन रहे हैं:

भौर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचन। दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकर नही विया है भौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री हाजी शाहबानुल हक की संमद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथता विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की नारीख से नीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करना है।

[म० म०प्र०-वि०म०/66/80(93)]

O.N. 724.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Haji Shabanul Haq, Amhiya, Rewa, District Rewa (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 66-Rewa Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Haji Sahbanul Haq to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/66/80(93)]

नई दिस्सीं, । जुन, 1981

आ० अ० 725—यन, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के निए साधारण निर्वाचन के लिए 8-सत्ता निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री छोटा, ग्राम व पो० पिथोराबाद, जिला सनना (सध्य प्रदेण) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो बाग ग्रापेक्षित रीति

से अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिन करने में झमफल रहे हैं.

भीर यत, उना उम्मीदनार ने, सम्प्रक सूत्रता दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रमता स्वष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उनके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्योग्त कारण या स्वर्थीचित्र नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रीधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रासीग एतवृद्धारा उक्त श्री छोटा को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवः विधान परिवद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहन घोषिन करना है।

[मं॰ म॰प्र॰-मो॰भ॰/8/80(27)]

New Delhi, the 1st June, 1981

O.N. 725.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhota, Village and Post Office Pithaurabad, District-Satna (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 8-Satna constituency, has failed to lodge any account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhota to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/8/80(27)]

आ० अ० 726.—यत, निर्वाचन अधिग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 8-मतना निर्वाचन-भेव से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कमलेण प्रमाव, ग्राम बोरकाट, पो० ग्रा० लाखना वाह, जिला मतना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए निवमीं द्वारा अधिकत समय के मन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन उपयो का कोई भी लेखा दाखिल करने में अनकत रहे हैं;

श्रीर या, उक्त उन्मीववार ने, सम्पक् सूचना विए जाने पर भी: इस श्रमफलना के लिए कोई फारण श्रथना स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिन्य नहीं है;

अत: अब, उक्त अिंतियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन भाषीग एतद्द्वारा उक्त श्री कमलेश प्रमाद को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भाषा विधान परिषद के सदस्य चृते जाने भीर होने के लिए इस भादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्माहन घोषिन करना है।

[मं० ग०प्र०-सो०म०/8/80(28)]

O.N. 726.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kamlesh Prashad, Village Ghorkat, Post Office-Lakhanwah, District Satna (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 8-Satna constituency, has failed to lodge any account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kamlesh Prashad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP|8|80(28)]

भा० अ० 727.— यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधाण्य निर्वाचन के लिए 94-प्रसहोल निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले, उम्मीदवार श्री गैकवाड रामसिह सोमुसिह, डाका उत्तरम, नालुक प्रस्तडोल, जिला जलगांव (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेशित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं।

श्रीर यस., उस्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस भ्रमफलला के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

श्रतः सन्न, उन्त प्रधिनियम की धारा 10-कं के घ्रनुसरण मे निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री गेकवाड़ रामसिह सोनुसिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयत्रा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख़ से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हाहन घोषिन करना है।

[सं० महा-वि०स०/94/80(81)]

O.N. 727.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gaikwad Ramsing Sonusing, Post Uttran, Taluka-Eindol, District Julgaon (Maharashtra) a contesting candidate for general electionto the Maharashtra Legislative Assembly held in May 1980 from 94-Erandol Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Hection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gaikwad Ramsing Sonusing to be disqualified for being chosen as, end for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/94/80(81)]

भा० अ० 728—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड 1980 में हुए राजस्थान विधान सवा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उन्दीवी (घ० जा०) निर्वाचन-केन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार थी किशन लाल, रावनसर रोड, नारचर के पास, हनुमानगढ़ टाउन, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रिथिक अपने निर्वाचन अप्यो का कोई भी लेखा दाखान करने में समफल यह है ;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस समफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पटीकरण नही विका है श्रीर निविचित्र श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रयकवता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र्य नहीं है ; भ्रतः ग्रब, उनतं श्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्वारा उक्त श्री किशान लाल की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथना विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहत भौषित करता है।

[स॰ राज-वि॰ स॰/3/80(85)]

O.N. 728.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ksihan Lal, Rawatsar Road, Targhar Ke pass, Hanumangarh Town, District—Sriganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 3-Tibi (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Communication is hereby declares the said Shri Kishan Lar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/3/80(85)]

भा० अ० 729.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 189-धोसिया निर्वाचन-क्षेत्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री किशनवान चारण, मेहरा जींता का बास, मारवाड़ भयनिया, तहसील भ्रोसिया, जिला जोधपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधियनम, 1951 तथा तद्धीन बनाएगए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अनफल रहे हैं ;

श्रीर यतः, जनत उम्मीदवार ने, सम्यक् भूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण प्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

धातः ग्राव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन भाषोग एतदहारा उक्त श्री किशनवान चारण को संसद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सवस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस झादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिन धोषित करना है।

[सं० राज-वि० स०/189/80(86)]

O.N. 729.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishandan Charag Mehra Jonta Ka Bas, Marwad Mathaniya, Tehsil—Osian, District—Jodhpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 189 Osian constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kishandan Charan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/189/80(86)]

आ० अ० 730.—यतः, निर्वाचन ब्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 189 ग्रोमिया निर्वाचन केत से चुनान लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवनाथ, वेरा दृधिया मयानिया, तहसील ग्रोसिया, जिला जोधपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भीर यत', उक्त उम्मीवबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, जक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री शिवनाथ को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषिस करता है।

[सं॰ राज-वि॰स॰/189/80(87)]

O.N. 730.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shivnath, Bera Dudiya Mathaniya, Tehsil—Osian, District—Jodhpur (Rajathan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 189-Osian constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission is hereby declares the said Shri Shivnath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/189/80(87)]

षां थ थ 731. -- गृतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 4-ह्नुमानगढ़ निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदियार श्री मधा राम, वार्ड नं 8, ह्नुमानगढ टाउन, जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा मधिल रीति से प्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में मसफल रहे हैं;

भीर यत., उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए, जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथदा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्तिस्य नहीं है;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री मचा राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयचा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिष्टत मोषित करसा हैं।

[मं० राज-थि० स०/4/80(88)]

O.N. 731.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Magha Ram, Ward No. 8, Hanumangarh Town, District—Ganganagar (Rajasthan) a contest-

ing candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 4-Hanumangarh constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission is hereby declares the said Shri Magha Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RI-LA/4/80(88)]

## नई विरुली, 2 जून, 1981

आ० अ० 732.— यत., निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 118-हलोल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कलववास रामछोदास णाह, स्थान तथा डाक रामेगरा, तालुका हलील, जिला पचमहल (गुजरात), लोक प्रतिनिधित्व ग्रिशित्यम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रिक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहें है ;

भ्रीर, यत', उक्न उम्मीदबार द्वारा दिए गए भ्रम्पावेदन पर विचार करने के पण्चात् निविधन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफनना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् भूचना विष् णाने पर भी, इस ममफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमक-लता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

ग्रासः प्रक, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतक्द्वारा उक्त श्री वलकदास रामछोवास शाह को संसद के किसी इसे सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अध्या विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देश बोबित करता है।

[सं गुज-वि॰स०/118/80(61)]

## New Delhi, the 2nd June, 1981

O.N. 732.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Shah Vallavdas Ranchhoddas, At and Post Rameshra, Taluka-Halol, District-Panchmahals (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 118-Halol constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason for justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shah Vallavdas Ranchhoddas to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of 3 State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/118/80(61)]

आ० अ० 733—यनः, निर्वाचन ग्रायीग का समाधान हो गया है कि सर्द, 1980 में हुए सहाराष्ट्र विधान सभा के लिए मधारण निर्वाचन के लिए 162-केलापूर (ग्र० ज० जा०) निर्वाचन-केत से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री किरम जनाज गोरंगज मु० बिन्नोली बोटॉनी, ता० घानी, जि० यावतमल (महाराष्ट्र), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 नया तद्धीन बनाए गए नियमो हारा ग्रीक्षित ग्रयने निर्वाचन. व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमकल रहे हैं;

श्रीर यन, उन्त उम्मीदार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसकतता के लिए कोई कारण ध्रयना स्वब्दीकरण नहीं दिया है भीर निर्याचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है,

श्रत श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनव्हारा उक्त श्री किरम जन्माजी गोदराज, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा श्रवचा विश्वान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होनें के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन घोषिम करता है।

[मं० महा-वि० म०/162/80(82)]

O.N. 733.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Keram Jangaji Godraj, At-Chinchoni Boton, Tq. Wani District Yavatmal (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Kelapur (ST) Constituency, has fulled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Keram Jangaji Godraj to be disqualified tor being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MΓ-LA/162/80(82)]

व्यां अर्ज 734 — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-केलापूर (अर्ज जाज जाज) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाथ लड़कों वाले उम्मीववार श्री कोहिनाके गंगा राम शममाजी, मुज खैरगोन (डी) पोज पन्डारकावाड़ा, ताज केलापुर, जिला याधतमल (महाराष्ट्र), लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफल रहे हैं;

द्यौर यतः, उक्त उम्मीद्वार ने, सम्यक्ष सूचना विष् जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

यतः प्रम, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निविचन प्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री कोटिनाके गंगाराम प्रमभाजी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा प्रथम। विधान परिवव के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्महित बोवित करता है।

[सं० महा-वि० स०/162/80(83)]

O.N.734.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Kotinake Gangaram Sambhall, At Khairagaon (D) Post Pandharkawada, Tq. Kelapur, District Yavatmal, (Maharashtra), a contesting candulate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Kelapur (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not riven any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said 3hri Kotinake Gangaram Sambhaji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of other House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. MT-I.A/162/80(83)]

आ० अ० 735 — यह, निर्वाचित प्रामीण का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 156-शाहपुरा (घ० जा०) निर्वाचन-केत से चुनाव लड़ने धाले उम्मीदंबार श्री मोहन लाल बलाई, पिना श्री प्रताप बलाई, ग्राम बछखें इा यात्र खादेहा जिला मीलवाड़ा (राजस्थान), लोक प्रतिनिधिन्य श्रीधिनियम, 1951 सथा नद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा घपेकित ध्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिन करने में श्रीमक्त रहे हैं ,

श्रीर या उक्त उम्मोदनार ने, सम्प्रक सूचना विए जाने घर भी इस असफलना के लिए कोई कारण श्रयना स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भागोग का धमाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिन्य नहीं है ,

भ्रम भव, उक्त भ्रधिनियम भी धारा 10-भ के भ्रमुभरण में निवासित भायोग एनद्वारा उक्त भ्री मोहन लाल बलाई को मनद के किसी भी संदन के था किसी राज्य की श्रिधान सभा श्रथया श्रिधान परिषद् के सबस्य भूने जीने और होने के लिए इस भादेश की नार्गख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाल घोषित करता है।

[स॰ गज-कि॰म॰/156/80(89)]

O.N. 735—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohan Lal Balai, S/o Shri Pratap Balai, Village Bachhkhera, Vin-khadera, District-Bhilwara (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 156-Shahpur (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohan I al Balai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No RI-I A/156/80(89)]

## नई दिल्ली, उजून, 1981

भा० भ० 736 ---यन, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनभरी 1980 में हुए लॉक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उन्मूष्ट निर्वाचन-केन्न में चुनाव लड़ने वाले उम्मीयकार श्री भीवन सिंह शेखावस याम लालासर, नहसील डगरगढ़, जिता चेरु (राजस्थान), 317 GI/ --3

मोग प्रमितिधिन्त श्राधिनियम, 1951 ध्या तद्गील बनाए गए नियमो द्वारा श्रोक्षित श्रापंत निर्वाचन व्यथा का कोई में। लेखा दाखित फरने म स्माफन रहे हैं ;

भीर यह , उक्त उन्मीबन्धः ने, सम्प्रम् स्वतः। दिए जानेपर भी, इस श्रसकत्ताः के लिए कार्ड कारण श्रयका स्मन्दीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन श्राधीन का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलता के लिए कोर्ड पर्याप्त कारण या स्माधीचित्यं नहीं है ,

अन अब, उन्न प्रधिनियम की बारा 10-क के अनुसरण म निर्वाचन आयोग एनद्वार। उपन श्री गवर सिंह भेलाचान को समद के किसी भी सबन के या किया राज्य ही रिगान समा प्रथा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से नीन वर्ष की कालाबाँ के लिए निर्शाहन घोषित करता है।

[म**० रा**प्र-लोक स०/3/80(31)]

#### New Delhi, the 3rd June, 1981

O.N. 736.—Whereas the Llection Commission is satisfied that Shri Bhanwar Singh Shekhawat, Village-Lalasar, Tehsil—Dungarganh, District—Chulu (Kajasthan), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 3-Churu constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made their cunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shil Bhanwar Singh Shekhawat to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/3/80(31)]

आर अरु 737 — यत , निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए राजस्थान विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 20-चृत निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाथ लड़ने धाले उम्मीदशार श्री इंग्र चन्द राजपाल, इन्न चग्द गोशमल राजपाल, वाई न० 3, पूरू, जिला चूक (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन अतात् गए नियमो द्वारा श्रविभित्र भ्रमित्वन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं

ग्रीर यत , उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस अस्प्रकलमा के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण मही विया है भीर तिर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलमा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है ,

अत अब उक्न अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त भी इन्द्रचन्द्र राजंगल को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होते के लिए इस आदेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत शोधित करना है।

[सं० राज-वि०स०/20/80(90)]

O.N. 737.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Inderchand Rajpal, Inderchand Ganeshmal Raipal, Ward No 3, Churu, District-Churu (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 20-Churu constituency, has failed to lodge any account of his election

expenses as required by the Representation of the Feeple Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Inderchand Raipal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/20/80(90)]

## नई दिल्ली 4 जुन, 1981

आ० अ०.738—प्रतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उपनावर्ड, निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वासे उम्मीद-धार श्री प्राण सिंह ग्राम परसवारा, पो० सुगंरहा, नहसील पवर्ड, जिला पक्षा (मध्य प्रदेश), लोक प्रनिनिधित्य श्रिधिन्यम, 1951 तथा तब्धीन सनाए गए नियमों क्षारा प्रशेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई शी लेखा वाखिल करने में असफरा रहे हैं;

श्रीर यत , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए शाने पर भी, इस श्रयक्रपता के लिए कोई कारण श्रयवा सन्दीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकचना के लिए कोई पर्योग्न कारण सा त्यायौक्षित्य नहीं है ,

श्रतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायाग एनदृद्वारा उक्त श्री प्राण सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान गथा श्रवा विधान परिषक् के सदस्य श्रुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्श्वन श्रीपन करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/58/80(100)]

#### New Delhi, the 4th June, 1981

O.N. 738.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Pian Singh, Village Paraswara, Post Sungraha, Tahsll—Pawai, District Ponna (Modhya Piadesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 58-Pawai constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made the cunder.

And whereas the said condidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Pran Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-I A/58/80(100)]

आ० अ० 739 — यह. निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1080 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिए साकारण निर्वाचन के लिए 58-पवर्ड निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-धार थी एंकर पिट मेंगर, ग्राम मलैमा (फेरन पिट) होगी, तहसील पवर्ड, जिला पत्ता (मध्य प्रदेश), योक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों हारा ध्रोफेल अपने निर्वाचन व्ययों का होई भी तथा दायिल करने के एसपान रहे है.

होर गण जन्म उपनीद्धार ने सापण मनता दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा रणदीकरण नही दिया है और निर्वाचन ग्रायोग ना समाधान हो जया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्यान कारण या न्यायोनिस्य नहीं है,

धनः प्रव उक्त ध्रिधिनियम की धारा 10-क के धनुमरण में निर्वाचन ध्रायोग एनद्दारा उक्त श्री शंकर सिंह संगर को संगद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने धीर होने के लिए इस ध्रादेण की नारीख से नीन वर्ण की नालावधि के लिए निर्माहन योजिन करता है।

[মৃত মৃত্যুত-স্থিত্মত/১৪/৭0(101)]

O.N. 739.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shankar Singh Sengar, Village Salaiya (Faransingh) Post Bori, Tahsil Pawai, District Panna (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 58-Pawai constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Repre entation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Shankar Singh Sengar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/58/80(101)]

आ॰ अ॰ 740 — यतः, निर्माचन धायोग का समाधान हो गया
है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण
निर्माचन के लिए 57-अमानगंज (ध॰जा॰) निर्माचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने
वाले उम्मीदवार श्री भुरैया. गाव निर्धारा, पो॰ सनिया, तहसील व जिला
पन्ना (मध्य प्रवेण), लोक प्रतिनिधित्य धिधनियम, 1951 तथा तब्धीन
बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा
वाखिल करने में असफल रहे हैं

भौर यत, जन्म उम्मीवशार ते, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण प्रशंबा स्वर्ग्डीकरण मही दिया है भौर निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यासीचित्स नहीं है;

घतः ग्रम्भ, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्क्षारा उक्त थी भुरैया को सगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयता विधान परिषद् के सदस्य चुने जाते और होने के लिए इस आवेश की तारीख से नीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहस घोषिन करना है।

[स॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/57/80(102)]

O.N. 740.—Wheteas the Election Commssion is satisfied that Shi Bhuraiya, Village Didhora, Post Sanian, Tahsil and District Panna (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 57-Amanganj (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good tesson or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Bhuraiya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Pathament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

INO MP LA/57/80(102)]

आ० अ० 711 ---यन निवाचन आयोग का समाधान हा गया है कि गई 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा थे लिए साक्षारण निवाचन के लिए 57 श्रमानगज (श्रेरजार) निर्धाचन-अद्ध से चुनाय लड़ने वात उम्मीववार श्री मुलैया गाम पिपरीया पार सीमरी तहसील पबर्ध जिता पन्ना (मध्य प्रदेश)। तार पितिधिक्व प्रतिनिधम 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमा हारा ग्रंथिन अपने निवाचन व्यथा था कोई भी लेखा दाखिन तरने में ध्रमकल रहे है

श्रीर यत, उक्त उम्मीदवार न सत्यव सचता दिए जान पर भी इस श्रमफलना क लिए कोई कारण भथवा स्पर्टीनरण नहीं दिया है और निर्वाचन भाषांग का समाधान हा गया है कि उन र पास इस श्रमफलना के लिए काई पर्याप्त नारण या न्यायीचित्य नहीं है

भ्रत भ्राप्त उक्त अधिनियम का गाँग 10-क के पनुसरण म निवासन भ्रायाग एनद्वारा उक्त श्रा मुलैया का समय के किसी नी सदन के या विभी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् वे सदस्य चुन जान और होन क लिए इस म्रादंश की नानीख में तीन क्ष्म की कालाबांध के लिए निरहित चार्यित करना है।

[संव मञ्जञ-विरमञ/57/80(103)]

O.N. 741.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Mulatya, Vibage Pipariya, Post Smrice, Tahsil Pawai, District Panna (Madhya Pradesh) a contosting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 57-Amangini (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas the said candidate, even after the notice, his not given any reason or explanation for the failure and the Hection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now therefore in pursuance of section 10A of the said Ac the Election Commission hereby declares the said Shif Mulaiya to be disquishfied for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No MP J A /57/80(103)]

## नई दिल्ली 5 जून 1981

आर अरु 742 — यन निर्वाचन भाषाम मां समाधान हो गया है कि मई, 1990 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा ने लिए साधारण नर्वाचन के लिए । अन्धारमापुर (प्राव्याच) निर्वाचन-क्षेत्र से चनाव लड़न दाने उम्मीदवार श्री हीए लाल गाम य पाव हटा, नहसील । जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)। लान प्रतिनिधित्व श्रीश्रीनयम 1901 नया नर्शीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रीक्षित श्रान निर्वाचन व्यया ना कोई भी नेखा वाखिन करने में श्रीमा रहे हैं.

भीर पन उक्त उन्मीववार न सम्प्रक सूचना क्षिण जान पर भी इस असफलना के लिए कार्ड नारण ध्रयता स्पाटीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग के समाध्रण हा गया है कि उसके पास इस ध्रमक-स्रता के निर्ण कार्ड पर्योग- बारण या न्यायीनित्य तही के

भर गर एक शिधितियन रा यार्ग १००० र प्रतरारण गानिश्राचिन भारताग एपर्वारा उन्हें या हीरा लान का समार ४ किमी मा सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयंता विधान परिपद् के सईस्य चुरे जान छौर हान ने लिए इन ग्रादेण का नारीख से नान वर्ण का कालायाश के निए निर्माहित घोषित करना है।

[म० म०प्र०-१व०स / 17 80 (104)]

New Delhi, the 5th June, 1981

O.N. 742.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shir Heera Lal, Village and Post Hata, Tahsil and District Til amgain (Madhya Pradesh) a contesting candidate tor general election to the Madhya Pradesh Legislative visionity held in May, 1980 from 45 Kharagpu (SC) con tituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the kepresentation of the People Act, 1951 and the Rules made thereinder.

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Committion is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now therefore, in pursuance of section 10 Å of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shir Heera I at to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament of of the Legislative Assembly of Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order

[No. MP-LA/45/80(104)]

आ० अ० 743 — यत , निर्वाचन भ्रायोग वा समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 म हुए लोक सभा महाराष्ट्र लाक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 45-क्रड निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उप्मीचवार श्री कामबल नानाजी दृद्ध मु० व पा० नन्दगंथ, मालुका वरण जिला गनारा (महाराष्ट्र) लाक प्रनिनिधित्य प्रधिनियम 1951 तथा सद्धीन बनाए गए निरामा द्वारा घर्राक्षन रीति से भ्रपत निर्वाचन व्ययों का नाई भी श्रद्धा द्वाखिल करन में स्थानल रूर है .

श्रीर यत उक्त उम्मीदनार न सर्वत्र स्वना विष् जान पर भी, इस श्रमफनना क लिए तोई सर्व श्रथद्वा स्विटीकरण नहीं दिया है भीर निर्याचन श्रायान का समाप्रान है। नवाहै वि उसव पास इस श्रयफनना कालए कोई प्रयान कारण सा न्यायीधिस्य नहां है

प्रत प्रथ उक्त श्रीशिनियम की घारा 10 के सन्मरण में निर्वाचन प्रायाग गत्रहारा उक्त मी नास्त्रण नानाओं दारू का समय के किसी भी सदन का विभी राज्य का प्रिधान सभा श्रयन विभाग गरिवन के सबस्य चुन जान भीर हाने के लिए इस श्रादश की नारिख से तीन वर्ष की कालाबधि क निए निर्माहन साथित करना है।

[गः० महा नावनव/ ±5/80( 51)]

O.N. 743.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shii Kamble Lanaji Dadu, At & Post Nandgaon, Taluka Karad, District Satari (Maharashtii) a contesting candidate for general election to the Maharashtii Lok Sabha held in January 1980 from 45 karad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manney as required by the Representation of the People A.1, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the surd candidate, a mafter the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Compussion hereby declares the said Shri Kamble I man Dadu to be disqualified for heing chosen as, and for being a member of either Heuse of Parliament or of the Levillative Assembly or Legislative Council of a State In a period of three vers from the date of this order.

[No. MT-HP/45/80(51)]

कार अ० 744.—-यतः, निर्वाचन श्रायाग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 267-करड़ विधाण निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने थाले उम्मीद-वार श्री भीमराव, खासवा पाटिल मुठ व पोठ वाधर नहसील करड, जिला सतारा (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिश्च राधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमां वारा श्रपंकित श्रपने निर्वाचन श्र्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

धौर यत, उक्त उम्मीखनार ने, सम्यक सूचन। दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा रपष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन धायोग का शमाबान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है

धनः श्रव, उक्त धांधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री भीमराव खासबा पार्टिल को समत्र के किसी भी सदन के या किसी राज्य का विश्वान सभा अश्वता विधान परिणद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस धारेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाश्वधि के लिए निर्राहन घोषित करना है।

[स॰ महा-वि॰स॰/ <u>267/8</u>0( 84)]

O.N. 744.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhimrao Khashaba Patil, at and Post Wathar, Tahsil Karad, District Satara (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 267-Karad South Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhimrao Kassaba Patll to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of thee years from the date of this order.

[No. MT-LA/267/80(84)]

भा० अ० 745: — -यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 259-मान (भ्रा० जा०) निर्वाचन-श्रेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री बाबा माहिब नात्याबा जनाले, 131, मगलबार पण बाई नं० 5, फलया (महाराष्ट्र) । सोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 सथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का काई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं.

भीर यतः. उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अनकराता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीनिस्य नहीं है;

अनः अवं, उक्त अधिनयम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्धाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बाबा साहिब तात्याबा जबाने को संसद कें किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश भी नारीख से मीन वर्ष की कालाविश क लिए निर्माहन घोषित करना है।

[ग० महा-वि०य०/259/80(85)]

O.N. 745.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balasahet Tatyaba Jawale, 131, Mangaiwar Peth, Ward No. 5, Phaltah, Maharashtra, a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 259-Man (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses the manner as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 % of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Balasaheb Tatyaba Jawale to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the da'e of this order.

[No. MT-LA/259/80(85)]

भरः अ० 746 — यतः, निर्वाचन श्रायांग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 262-वाई निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लहने वाले उम्मीय-यार श्री गुलाब राज हरीबा पजार, मु०व डा० बाजाग्रार, मालुका कत्तडाला, जिला सतारा, (महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्य सिंधिनियन, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रभन निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीबबार ने सम्पक्ष सूचनः दिए जाने पर भी, इस ध्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रयधा स्थप्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन ग्रायोग का सभाश्रान हो गथा है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है.

श्रक्षः श्रव, उक्त प्रधिनियम की भारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाजन आयोग एत्य्द्वारा उक्त श्री भुलाबराव हरीबा पवार, को सनद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विभान सभा भयवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीख से तीन वर्ष भी कालाबश्चि के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[सं० महा-वि०म०/262/80(86)]

O.N. 746.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulabrao Hariba Pawar, at and Post Bavadar, Tahsil Kandala, District Satma (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Mahanashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 262-Wai constituency, has filled to lodge an account of his election expenses at all in required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or juxification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Gulabrao Hariba Pawar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/262/80(86)]

आं अं 747 ---यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 262-वाई निर्वाचन-भेल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-थार श्री रामचन्द्र गणपतराब भौगाले उर्फ रामधाऊ भौमाले, मु० व डा० शिवाजी नगर, तहसील खनडाला, जिला मतारा (महाराष्ट्र), लोक प्रतिनिधिन्त्व श्रिधिनियम, 1951 तथा नव्यान बनाए एए नियमों हारा अपेकिन श्राप्ते निर्वाचन क्यांसों का कोई भी लेखा धालिन करने में अमफन रहें हैं :

among a colored trade (444)

श्रीर यत , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रमफलमा के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकारण नहीं दिया है श्रीर निर्माचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलमा के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यासीवित्य नहीं है:

क्रल धन, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एनयुद्दारा उक्त श्री रामचन्द्र गणपतराव भौसाले को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथना निधान परिषद् के सबस्य चुने आसे त्रोर होने के लिए इस आदेश की नारीच से तीन सर्व की कालावधि के लिए निर्माहत धोषिन करना है।

[म॰ महा-वि॰म॰/262/80(87)]

O.N. 747.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramchandia Ganapatrao Bhosale alias Rambhau Bhosale, at and Post Shivajinagar, Tahsil Khandala, District Satara (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 262-Wal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramchandra Ganapatrao Bhosale, alias Rambhau Bhosale to be disqualified or being chosen as, and for being a member of either House of Purliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/262/80(87)]

#### नई दिल्लीं, 9 जून, 1981

ष्ट्रीर यत', उक्तं उम्मीदवार ने, सम्यक्षं सूचना विए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पब्दीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायीधित्य नहीं है;

श्रन श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 10-क के श्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतक्ष्वारा उक्त श्री सत्यनारायण (काजलवाला) को संसद के किसी भी यदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की नारीख मे नीन वर्ष की कालाविध के निए पिरहित श्रीषत करना है।

[मं० राज-वि०**म०**/ 11/80(91)]

#### New Delhi, the 9th June, 1981

O.N. 748.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Satya Narain (Kajalwala), Hanumanji Ka Rasta, Chaukri Vishveshwarji Dwara Harichand Chund Be hari Halwai, Jaipun (Rejasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 41-Hawamahal constituency, has failed

to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 104 of the said Act. the Flection Commission hereby declares the said Shri Satya Narain (Kajalwala) to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or I egislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/41/80(91)]

आरं कर 749. — यत., निर्वाचन श्रायोग का समाधान हां गया है कि मर्ड, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के मिए 45-फुलेरा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री हनुमान श्रसाद, किशानगढ़ रेनबाल, जिना जयपुर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिन्यम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रमेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा बाखाल करने में असकन रहे हैं,

भीर, यत., उक्त उम्मीदबार क्षारा दिए गए घथ्यावेदन पर विचार करने के पण्चान् निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भगकतता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

स्रतः स्रवं, उक्त स्रधिनियम की धारा 10-क के स्रनुमरण में निर्वाचन स्रायोग एतब्द्वारा उक्त श्री हनुमान प्रसाद को संसद के किसी भी सदस के या किसी राज्य की विधान सभा स्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख मे तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहित घोषित करना है।

मि० राज-वि०म० | 45 | SO (92) |

O.N. 749.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hanuman Prasad, Kishangarh Renwal, District Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 45-Phulera constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hanuman Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/45/80(92)]

आ० अ० 750 :---पतः, निर्वाचन आश्रोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 45-फुलेरा निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-बार श्री रघुनाय, मु० पो०, धुंगरी कार्या, नहसील फुलेरा, जिला जयपुर (राजस्थाम) । लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 तथा तब्धीन बनाए पए नियमों द्वारा प्रपेक्ति रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं:

भीर यस, उक्त उम्मीवनार नं, सम्प्रक सूचन। थिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा न्पन्ट, हरण नहीं दिया हैं भीर निर्वाधन भाषोग का समाधान हा गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्यान्त कारण या न्यायीजिन्य नहीं हैं;

भ्रतः भ्रवः, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाजन श्रासोग एतद्वारा उक्त श्री रघुनाथ को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होन के लिए इस भावेश की तारीन्त्र से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राह्न घोषित करता है।

[सं॰ राज-वि॰स॰/45/80(५३)]

O.N. 750.—Whe eas the Election Commission is satisfied that Shri Reghunath, Village and Post Dung ikalan, Tehsil Phulera, District Jaipur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 45-Phulera constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereus, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he had no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raghunath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/45/80(93)]

कां का 751 .— यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरान विधान मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 158-क्षगोडिया (प्रविश्ववाद) निर्वाचन-के लिए 158-क्षगोडिया (प्रविश्ववाद) निर्वाचन-के से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदिया श्री वासवा खुलालभाई वासिजभाई, मेलोद, तालुका श्रगाडिया, जिला वरोच (गुजरान), खांक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए एए निथमा हारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दांखिन करने में श्रमफल रहे हैं,

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, हम ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयका स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास भ्रम ग्रमफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

श्रतः भ्रतः, उक्त श्रधिलियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्दारा उक्त श्री धामया खुशालमाई बालिजभाई को संमक्ष के क्रिसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथव। विधान परिषक् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेण की नारीख से नीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्माहत श्रोवित करना है।

[सं० गुज-वि०स०/158/80(62)]

O.N. 751.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vasava Khusalbhai Valjibhai, At Selod, Taluka Jhagadia District Broach (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 158-Jhagadia (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good teason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vasava Khusalbhai Valjibhai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/158/80(62)]

नई दिल्ली, 10 जन, 1981

आर अरु 752 — यस , निर्वाचन प्रायाग का समाधान हा गया है कि गई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 20-गोडाल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्भीदवार श्री कोटाडिया नागजिमाई वायजी, भोजराजपारा स्ट्रीट नं 4, गोंडाल-360311, जिला राजकोट (गुजरात), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम. 1981 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रेषित श्राने निर्वाणन व्ययों का कोई भी लिखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

शौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए आने पर भा, इस ध्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथना स्पष्टीकरण नही विया है और निर्वाचन भायोग का समाधान हा गया है कि उसके पास इस भ्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

स्रतः स्रव, उक्त अधिनियम को धारा 10-क के ध्रनुमरण में निर्वाधन भायोग एक्कुशरा उक्त श्री कोटाडिया नागिजभाई बाधजी को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिवद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस बादेश की नारिख में नीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्मेहन घोषिन करता है।

[स॰ ग्ज-बि॰स॰/२०/४०(५३)]

New Delhi, the 10th June, 1981

O.N. 752.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kotadiya Nagjibhai Waghji, Bhojrajpara Street No. 4, Gondal-360311, District Rajkot (Cujara!) a confesting condidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 20-Gondal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kotadiya Nagjibhal Waghji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA|20|80(63)]

आ० अ० 753.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए, 20-गोडाल निर्वाचन-केन्न से चुनाव खड़ने वाले उम्मीदवार श्री वर्षोवास्था, जैयन्ती लाल मोहन लाल, भगनपारा स्ट्रीट नं० 10, गोडाल-360311, जिला राजकोट (गुजरात), लाक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए, नियमो द्वारा प्रापेक्षित रापन निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अभफल रहे हैं;

भौर यस:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर, भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसरे पाए इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है, यन प्रव उक्क प्रधिनियम की पारा 10-% के धन्यरण में गिर्वावन प्रायाग एनद्द्वारा उक्त भी बदोवारिया कैलीचान मोहन लाल को समक्ष के किसा भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भाषेण की तारीजा से मीन वर्ष की कास्त्रिध के लिए निर्माहन बोलिन करना है।

[स० गुज-वि०स०/20/80(64)]

मादेश से,

धर्म बीर, धवर सांज्य

भारत निर्वाचन आयोग

O.N. 753,—Where is the I-lection Commission is satisfied that Shri Vadodariya Ientilal Mohanlal, Bhagvatpara Street No. 10 Gondal-360311, District Rajkot (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative As, embly held in May, 1980 from 20-Gondal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vadodariya Jentilal Mohanlal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/20/80(64)]

By Order.

DHARAM VIR, Under Secy.

Election Commission of India

स्रादेश

नई दिल्ली, 3 जून, 1981

आ० अ० 754:—यमः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाय विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 88-सुनाम निर्वाचन श्रेष्ठ में चुनाव लंडने विले उम्मीदवार श्री ठाकर दास, काजियानवाला मोहल्ला, मुनाम, जिला संगण्य (पंजाव). लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम. 1951 तथा वद्धीत बनाए गण नियमों हारा अभेशित ध्रपरे निर्वाचन क्ययों जा कोई भी लेखा साखिल करने में असफल रहे हैं ?

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् मूचना विष् जाने पर भी इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

भ्रतः, भ्रवः, उक्षनं अधिनियमं की धारा 10-कं के धनुमरण में निर्वाचनं भ्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री ठाकर दास की संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रम्यवा विधान परिषद् के सदस्य मृतं जाने श्रीर होने कि लिए इस भ्रावेश की नारीन्व से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन घोषित करना है।

[मं॰ पंजाब-वि॰ स॰/88/80(72)]

#### ORDER

New Delhi, the 3rd June, 1981

O.N. 754.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakar Dass, Kajian Wala Mohalla, Sunam, District Sangrur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from

88-Sunam constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakar Dass to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/88/80(72)]

नई विल्मी, 11 जुन, 1981

आर अ० 755 — लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 (1951 वा 43) की धारा 106 के प्रनुसरण में, निर्वाचन प्रायोग 1980 की निर्वाचन प्रणींसं० 7 में इलाहाबाद उच्च स्थायालय के लारीख 18 मई, 1981 का निर्णय एनदुद्वारा प्रकाशित करता है।

[स॰ 82/ख॰प्र॰ 7/80 (प्रला॰)] ग्रावेश से,

> म्रा० ना० नागर,प्रवर सचिव, भारत निर्वाचन म्रायोग ।

New Delhi, the 11th June, 1981

O.N. 755.—In pursuance of Section 106 of the Representation of the People Act, 1951, (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the judgment dated the 18th May, 1981 of the High Court of Judicature at Allahabad, in Election Petition No. 7 of 1980.

#### IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT

#### ALLAHABAD

#### CIVIL SIDE

#### ORIGINAL JURISDICTION

Dated, Allahabad 18th May, 1981

PRESENT:

The Hon'ble M. P. Saxena

...Judge

#### Election Petition No. 7 of 1980

Order on the application of Dr. Dharampal

....Petitioner

in Re.

Dr. Dharampal son of Shri Jawahar Singh, resident of Sarak Tel Mill, Hathras, Distt. Aligarh.

.... Peditioner.

٧s.

Shri Chandra Pal Shailani Son of Shri Chunni Lal, Resident of Mohalla Naurangabad Sikandra Rao, Distt. Aligarh.

.... Respondent.

#### By the Court

This case was called out the petitioner is absent. His learned counsel gives out that he has no instructions though he has informed the petitioner a number of times. In these circumstances the petition is dismissed for default. The respondent is representated by Shri K. L. Grover, No order as to costs. The security amount deposited by the petitioner shall be refunded to him, if the security application is presented

Sd./M.P.S.

[No. 82/UP/7/80 (Alld.)]

By Order.

O. N. NAGAR Under Secv. Election Comp ission of Irdia

नर्प्र विष्यी । मन १०८१

आं० अं० 756—न्योंक प्रतिनिधित्य प्रतिनिधन, 1950 (1950 था 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा प्रवच्न प्रक्रियों का प्रयाग करने हुए भारत निर्वाचन प्रायोग, राजस्थान राखान के परामणं से श्री एम० पी० बिण्नीई पाई० ए० एम० लामन मचिव पण्णायन, भेष्ठ व ऊन एवम् केंग्री विकास विभाग व प्रवेन श्रध्यक्ष, राजस्थान हेंथी किकाम निप््रीरेगा केंद्रीना, जापुर की उनके कार्यभार मम्भालने की नारीक में जब तक श्री ए० एल० व्यटा जो खुद्री पर हैं पुन अपना कार्यभार सभालनहीं खेने नव नव नव राजस्थान राज्य के स्थान निर्वाचन प्रशिकारी के रूप में एनद्वाचा नाम निर्वेणिन वरना है।

[सं० 154/राज/81] प्रादेण में के० गणेणन, सचिय भारत निर्वाचन प्रायोग New Delhi, the 9th June, 1981

O.N. 756.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act. 1950 (43 of 1950), the Electrica Commission of India, in consultation with the Covernment of Ragasthan hereby nominates Shrl S. P. Vishnoi, Secretary, Animal Husbandry, Wool and Sheep and Dairy Development Department and officiating Director, Rajasthan Dairy Development Corporation/Dairy Federation as the Chief Electoral Officer for the State of Rajasthan with effect from the date he takes over charge and until Shri A. I. Roongta, who is on leave, rejoins duty.

[No. 154/RJ/81]

By Order,

K. GANESAN, Scev.

Election Commission of India